धनबाद
शनिवार 28.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-304 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-13
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

आयकर की दरों को घटाएगी केंद्र सरकार कस्टम ड्यूटी में भी छूट देने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों द्वारा २०२५ के बजट की तैयारी शुरू कर दी है। देश में जिस तरह की आर्थिक स्थिति बन गई है। उसको देखते हुए इस बजट में मध्यवर्ग के ऊपर सरकार विशेष ध्यान देने जा रही है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार १५ लाख रुपए तक की कमाई वालों को आयकर से छूट देने की तैयारी सरकार कर रही है। केंद्र सरकार बाजार मे जिस तरह की मंदी देखने को मिल रही है। उसको बढ़ाने के लिए मध्यवर्ग के लिए आयकर की सीमा बढ़ाने जा रही है। ताकि मध्यम वर्ग ज्यादा से ज्यादा पैसा खर्च कर सके। केंद्र सरकार आयकर की नई टैक्स प्रणाली को प्रमोट कर रही है। १५ लाख रुपए तक की आय पर टैक्स से छूट दी जाएगी। इसमें हाउस रेंट, होम लोन, बीमा और अन्य छूट जो मिलती थी। वह नहीं मिलेगी। नई टैक्स प्रणाली में अभी ३ लाख रूपये की छूट है। ३ से ७ लाख रुपए की आय पर ५ फ़ीसदी टैक्स लगता है। ७ से १० लाख रुपए की आय पर १० फ़ीसदी तथा १० से १२ लाख रुपए की आय पर १५ फ़ीसदी तथा १५ लाख से अधिक आय पर ३० फ़ीसदी टैक्स देना होता है। अभी जो छूट देने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। उसमें होम लोन, ८० सी, हाउस रेंट और बीमा जैसी कोई छूट शामिल नहीं होगी। आयकर सूत्रों के अनुसार १ फरवरी को बजट के लिए इस बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। जो आयकर दाता नई टैक्स प्रणाली को अपनाएंगे उनके लिए आयकर की दरों को आकर्षक बनाया जा रहा है।

कस्टम ड्यूटी में छूट देगी सरकार

केंद्र सरकार जीवन रक्षक दवाइयों, टेलीकॉम ऑप्टिकल फाइबर और विभिन्न किस्म के केमिकल पर कस्टम ड्यूटी कम करने पर विचार कर रही है। इसी तरह से नवकरणीय ऊर्जा और परिवहन के क्षेत्र में उपयोग में आने वाले उपकरणों पर भी कस्टम ड्यूटी घटाने पर सरकार द्वारा विचार किया जा रहा है।

आयकर विवरणी का हिसाब किताब

भारत में डेढ़ लाख रुपए तक की आय वाले ४.६ फ़ीसदी आयकरदाता है। १.५ लाख रुपए से लेकर २.५ लाख रुपए तक के ५.४ फ़ीसदी आयकर दाता है। सबसे ज्यादा आयकर दाता २.५ लाख से ५ लाख रुपए तक की आय के ५१.४ फ़ीसदी आयकरदाता हैं. ५ से १० लाख रुपए कमाने वाले आयकर दाताओं की संख्या १५.४ फ़ीसदी है। वही १० लाख से २५ लाख रुपए कमाने वाले आयकर दाताओं की संख्या मात्र ८.२ फ़ीसदी है। २५ से ५० लाख रुपए कमाने वाले आयकर दाताओं की संख्या मात्र १.९ फ़ीसदी है। वही देश में ५० लाख रुपए से अधिक कमाने वाले आयकरदाताओं की संख्या मात्र ०८ फ़ीसदी है। सरकार इस बजट में १५ लाख रुपए तक की आय सीमा पर छूट देने पर विचार कर रही है।

आज राजकीय सम्मान के साथ होगा मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार, दी जाएगी 21 तोपों की सलामी

नई दिल्ली (ईएमएस): पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को सुबह ९.३० बजे दिल्ली में शक्ति स्थल के पास होगा। उनकी बेटी देर रात अमेरिका से दिल्ली पहुंचेगी। डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर दिल्ली के मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित उनके आवास पर रखा गया है। उनका पार्थिव शरीर गुरूवार रात एम्स से यहां लाया गया था। उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां खास लोगों के साथ-साथ आम लोग भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। भारत में पूर्व प्रधानमंत्री के अंतिम संस्कार के दौरान विशेष राजकीय प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है। इसका उद्देश्य देश के प्रति उनके योगदान और उनके पद की गरिमा का सम्मान करना होता है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरूवार को ९२ साल की उम्र में निधन हो गया। शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कई दिग्गजों ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए। पूर्व पीएम के निधन पर सरकार ने ७ दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। उनके निधन के बाद कांग्रेस पार्टी ने आज अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। बता दें कि उन्हें बेहोश होने के बाद गुरुवार शाम दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था, जहां रात ९.५१ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। निधन के बाद देर रात मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर एम्स से उनके दिल्ली स्थित आवास पर लाया गया। डॉ. मनमोहन सिंह लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे थे। इससे पहले भी उन्हें कई बार स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। अंतिम संस्कार से पहले पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर को भारत के राष्ट्रीय ध्वज यानी तिरंगे में लपेटा जाता है। इसके अलावा अंतिम संस्कार के दौरान उन्हें २१ तोपों की सलामी भी दी जाती है। इस सलामी को सर्वोच्च राजकीय सम्मान का प्रतीक माना जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री की अंतिम यात्रा के दौरान सुरक्षा और प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाता है। उनकी अंतिम यात्रा में आम जनता से लेकर गणमान्य लोग और राजनेता शामिल होते हैं। इसके अलावा सैन्य बैंड और सशस्त्र बलों के जवान ▶▶ 8

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर झारखंड में शोक सीएम समेत कई नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मनमोहन सिंह जी के आदर्श और विचार हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे : हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी): भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर झारखंड में भी शोक की लहर है. सीएम हेमंत सोरेन, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है. हेमंत सोरेन ने एक्स पर लिखा कि आज देश ने अपना एक महान लाल खो दिया. देश के पूर्व प्रधानमंत्री और विश्वविख्यात अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखदायी है.

हेमंत सोरेन ने लिखा कि विकासशील राजनीति और गवर्नेंस के पुरोधा मनमोहन सिंह जी ने निस्वार्थ भाव के साथ देश और देशवासियों की सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दिया था. आज मनमोहन सिंह जी हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनके आदर्श और विचार हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे. मरांग बुरु दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवार समेत देशवासियों को दुख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दे.

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने लिखा कि महान अर्थशास्त्री, सहज, सरल एवं सौम्य व्यक्तित्व के धनी पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की दुखद सूचना से मन व्यथित है. देश के आर्थिक सुधारों में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा. ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें. ▶▶ 8

पूर्व प्रधानमंत्री को याद कर भावुक हुए पीएम मोदी, बोले मनमोहन जी का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक

नई दिल्ली (ईएमएस): पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। देश में सात दिन के राष्ट्रीय शोक का एलान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनमोहन सिंह के आवास जाकर पूर्व पीएम के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक शोक संदेश जारी किया और पूर्व पीएम को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से निधन से हम सभी दुखी हैं। उनका जाना देश के लिए बड़ा झटका है। मनमोहन सिंह का जीवन भावी पीढ़ियों के लिए उदाहरण है कि किस तरह से वे सभी चुनौतियों से पार पाकर ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह हमेशा एक ईमानदार नेता, एक महान अर्थशास्त्री और एक ऐसा नेता के तौर पर याद रखे जाएंगे, जिन्होंने खुद को सुधारों के प्रति समर्पित कर दिया। एक अर्थशास्त्री के रूप में, खासकर चुनौतीपूर्ण समय में उन्होंने देश की बड़ी सेवा की। उन्होंने अलग-अलग पदों पर अपने सेवाएं दीं और देश की विकास यात्रा में अहम योगदान दिया। उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में सेवाएं दीं। पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी।

पीएम मोदी ने कहा कि जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक था। उनकी सौम्यता, बौद्धिकता उनके जीवन की पहचान रही। मुझे याद है, ▶▶ 8

कौन देगा मुखाग्नि, लोगों के बीच सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने ९२ साल की उम्र में आखिरी सांसें लीं। उनके सम्मान में केंद्र की मोदी सरकार ने सात दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। फिलहाल उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनों के लिए मोतीलाल नेहरू रोड के बंगला नंबर तीन में रखा गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। उन्हें मुखाग्नि कौन देगा। इस बात को लेकर लोगों में सवाल है। दरअसल भारतीय परंपराओं के अनुसार किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद आमतौर पर बेटा अंतिम संस्कार करता है। लेकिन अब आमतौर पर परंपरा से हटकर बेटियां भी मुखाग्नि देने लगी हैं। बात दें कि मनमोहन सिंह की तीन बेटियां हैं। तीनों उम्र के छठे दशक या उसके करीब हैं। उनकी बड़ी बेटी उपिंदर सिंह ६५ साल की है। उनके दो बेटे है। दूसरी बेटी दमन सिंह ६१ साल की हैं। उनका भी एक बेटा है, जिसका नाम रोहन पटनायक है। तीसरी बेटी अमृत सिंह ५८ साल की हैं लेकिन उनके परिवार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

कौन निभाता ये दायित्व- शास्त्रों के अुनसार मृत्यु के बाद शव को मुखाग्नि देना महत्वपूर्ण कर्तव्य है। ये जिम्मेदारी परंपरागत रूप से पुत्र या निकटतम पुरुष रिश्तेदार द्वारा निभाई जाती है। हालांकि अगर किसी व्यक्ति के केवल बेटियां हों, तब इस बारे में अलग परिपाटियां और परंपराएं भी शुरू हो चुकी हैं, इन परंपराओं को स्वीकार भी किया जा चुका है। शास्त्रों में ये उद्धरण है कि कन्या या पुत्री को भी वहीं अधिकार है जो पुत्र को है, यदि ▶▶ 8

पश्चिमी विक्षोभ के चलते बारिश और बर्फबारी के बीच मनेगा नया साल

नई दिल्ली (ईएमएस): इस साल सर्दियों का मौसम अपने शबाब पर है। एक ओर बर्फीले थपेड़े और घना कोहरा आम लोगों को परेशान कर रहा हैं, वहीं दूसरी ओर बारिश की बूंदों ने कई हिस्सों में मौसम को तरोताजा बना दिया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने २६ दिसंबर २०२४ से ८ जनवरी २०२५ तक के लिए मौसम का हाल पेश किया है। मौसम विभाग के अनुसार २७- ३१ दिसंबर के बीच कोहरा और ज्यादा घना होने की संभावना है।

पश्चिमी हिमालय और आसपास के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के चलते २७-२८ दिसंबर को बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इससे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में ओले पड़ने और तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान तापमान में गिरावट भी दर्ज होगी।

उत्तर और पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान अगले दो दिनों में २ डिग्री तक गिरेगा। मध्य भारत और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर रह सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में शीतलहर और बर्फबारी का सिलसिला जारी रहेगा। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में पिछले हफ्ते भारी बारिश ने मौसम को बदल दिया। यह निम्न दबाव क्षेत्र के कारण इन इलाकों में गरज के साथ बारिश हुई। अगले कुछ दिनों में तमिलनाडु, पुदुचेरी और आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है।

झारखंड में 1 जनवरी तक नहीं होंगे कोई भी राजकीय समारोह आधा झुका रहेगा राष्ट्रीय ध्वज

रांची (एजेंसी): भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर भारत सरकार ने सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है. झारखंड सरकार ने भी सात दिनों के राजकीय शोक मनाने का निर्णय लिया है. ऐसे में २६ दिसंबर से १ जनवरी तक किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जायेगा. साथ ही राज्य के सभी भवनों, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, वो आधे झुके रहेंगे. इस संबंध में हेमंत सरकार के संयुक्त सचिव ने पत्र जारी किया है.

ठंड से जमा तालाब, बच्चों ने खेला क्रिकेट, बर्फबारी से कई सड़कें बंद

नई दिल्ली,(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के चलते कई सड़कें बंद पड़ी हैं और पर्यटक फंसे हुए हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर में पड़ रही कड़ाके की ठंड और बर्फबारी के कारण तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे चला गया है। इसका एक नजारा जम्मू के सोपोर में दिखाई दिया। हरितारा इलाके में बना एक तालाब पूरी तरह जम गया। बच्चों ने इस जमे हुए तालाब पर क्रिकेट खेला कर मौसम का आनंद लिया। हिमाचल में २ हाइवे समेत २४ सड़कों पर शुक्रवार को भी बसों की आवाजाही बंद है। नेशनल हाइवे ३०५ पर भी करीब एक फुट बर्फ जमा है। प्रशासन बर्फ हटाने की कोशिश कर रहा है ताकि आवागमन चालू ▶▶ 8

मणिपुर के इंफाल पूर्व और कांगपोकली जिलों में गोलीबारी, कुकी और मैतेई समुदाय के बीच फिर हिंसा

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर के इंफाल पूर्व और कांगपोकली जिलों में गोलीबारी हुई है। लोगों के मुताबिक मोर्टर भी दागे जा रहे हैं। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच फिर हिंसा शुरू हुई है।

दोनों जिलों के कई इलाकों में २४ दिसंबर से जारी गोलीबारी की घटना ने बड़ा रूप लिया। इन जिलों के यिंगांगपोकपी, थमनापोकपी, थंबापोकपी, सबुंगखोक खुनौ, शांति खोंगबल सहित दूसरे इलाकों में दहशत है। यिंगंगपोकपी में ग्रामीणों ने अधिकारियों से उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की मांग की है। गोलीबारी की घटनाओं में फिलहाल किसी की मौत की खबर नहीं है। राज्य के सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा था कि उन्होंने सुरक्षा सलाहकार और मणिपुर के डीजीपी को इंफाल पूर्वी जिले में सुरक्षा और मजबूत करने का निर्देश दिया है। सुरक्षाबल उग्रवादियों की गोलीबारी का जवाब दे रहे हैं। २५ दिसंबर को सीएम ने कहा था कि मणिपुर को तत्काल शांति की जरूरत है। दोनों समुदायों (कुकी-मैतेई) आपसी समझ बनाएं। हम किसी खास समुदाय के खिलाफ नहीं हैं।

सीएम बिरेन सिंह ने कहा था कि मणिपुर को तत्काल शांति की जरूरत है। दोनों समुदायों (कुकी-मैतेई) आपसी समझ बनाएं। बीजेपी ही मणिपुर को बचा सकती है, क्योंकि वे एक साथ रहने के विचार में विश्वास करती है। उन्होंने कहा था कि आज मणिपुर में जो कुछ हो रहा है उसके कई कारण हैं।

अनशन कर रहे डल्लेवाल आज सुप्रीम कोर्ट से ऑनलाइन जुड़ेंगे

कोर्ट ने कहा- उनकी जिंदगी हमारी प्राथमिकता, मेडिकल सहायता पर रिपोर्ट दे पंजाब सरकार

चंडीगढ़ (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने ३२ दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल की सेहत को लेकर पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि डल्लेवाल को दी जा रही मेडिकल मदद जारी रहे। ऐसा लग रहा है कि पंजाब सरकार ऐसा नहीं कर रही है। शनिवार पंजाब सरकार रिपोर्ट पेश करें। अदालत पंजाब के चीफ सेक्रेटरी के खिलाफ कंटेप्ट पिटीशन पर सुनवाई कर रही है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने कहा- अगर वहां लॉ इंड ऑर्डर की स्थिति है तो इसे सख्ती से निपटना चाहिए। किसी की जिंदगी दांव पर है, पंजाब सरकार को इसे गंभीरता से लेना होगा।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम शनिवार को सुनवाई के दौरान जगजीत डल्लेवाल से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात करेंगे। उसके बाद कोई आदेश देंगे। कोर्ट की पहली प्राथमिकता उनकी जिंदगी है। डल्लेवाल फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के कानून की मांग कर रहे हैं।

32 दिन से अनशन पर डल्लेवाल, पानी भी छोड़ा

७० साल के किसान नेता जगजीत डल्लेवाल ३२ दिन से आमरण अनशन पर हैं। उन्होंने पहले अन्न खाना छोड़ दिया था, अब वे पानी भी नहीं पी रहे। पानी पीने से उन्हें उल्टियां हो रही हैं। उनके साथी किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया कि उनका ब्लड प्रेशर ८८/५९ हो चुका है। ६० साल से ज्यादा उम्र के पुरुष का सामान्य ब्लड प्रेशर १३३/६९ सही माना जाता है। डल्लेवाल की इम्यूनिटी भी काफी कमजोर हो चुकी है। मगर वह डॉक्टरी इलाज लेने से इनकार कर चुके हैं।

पर्वतारोही ज्योति रात्रे ने माउंट विंसन के हाई कैंप तक पहुंचकर रचा इतिहास

भोपाल (ईएमएस): भोपाल की ५५ वर्षीय पर्वतारोही ज्योति रात्रे ने अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट विंसन (४,८९२ मीटर) के हाई कैंप (३,७८० मीटर) तक पहुंचकर एक बड़ा मुकाम हासिल किया। अत्यधिक ठंड (-५२ डिग्री सेल्सियस) विपरीत परिस्थितियों में सुरक्षा संबंधी कड़े नियमों के कारण उन्हें अंतिम चढ़ाई से पहले वापस लौटना पड़ा, लेकिन उनका यह प्रयास साहस और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। ज्योति १४ दिसंबर को मुंबई से अंटार्कटिका के लिए रवाना हुई थीं। ज्योति ने कड़ी ठंड और तेज बर्फीली हवाओं के बीच इस कठिन चढ़ाई का सामना किया।

दुर्गम रास्ते और कठिन चुनौतियां

ज्योति रात्रे का हाई कैम्प तक का ये सफर शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। क्योंकि बेस कैंप से लो कैंप तक १० किलोमीटर की दूरी तय करते हुए, २५ किलो वजनी स्लेज खींचना थी एवं १५ किलो वजनी बैग पीठ पर ले कर जाना था। इसके पश्चात लो कैंप से हाई कैंप तक का सफर और भी कठिन रहा।

सभी को कट-ऑफ टाइम के भीतर रस्सियों के सहारे चढ़ाई करनी थी। लगभग ५० से ६० डिग्री की ढलान पर, उन्होंने १,२०० मीटर का एलिवेशन पार किया, जहां तेज़ ठंडी हवाएं और -४० डिग्री सेल्सियस का तापमान चुनौतीपूर्ण साबित हुआ।

इन मुश्किल परिस्थितियों में हाई कैंप तक पहुंचना भी एक बड़ी उपलब्धि है। ज्योति का यह निर्णय कि उन्होंने अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता दी, उनके अनुभव और परिपक्वता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, यह यात्रा कठिन थी, लेकिन हाई कैंप तक पहुंचना मेरे लिए गर्व की बात है। पहाड़ कभी-कभी आपकी ताकत और धैर्य की परीक्षा लेते हैं। ऐसे समय में सुरक्षित लौटने का निर्णय भी सफलता का ही हिस्सा है। ज्योति रात्रे पहले ही सात शिखरों में से पांच शिखरों पर विजय प्राप्त कर चुकी हैं। इनमें माउंट एवरेस्ट (एशिया), माउंट एल्ब्रुस (यूरोप), माउंट किलिमंजारो (अफ्रीका), माउंट अर्कोंकागुआ (दक्षिण अमेरिका) तथा माउंट कोसिउज़्को (ऑस्ट्रेलिया) शामिल हैं।

दृढ़ता का संदेश- माउंट विंसन की इस चढ़ाई से यह संदेश मिलता है कि सफलता केवल शिखर तक पहुंचने में नहीं है, बल्कि प्रयास, धैर्य और सही निर्णय लेने की क्षमता में भी है।

उनकी यह यात्रा सभी को प्रेरित करती है कि कठिनाइयों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ें।

अब ज्योति अपनी सात शिखरों की यात्रा को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें उनका अगला लक्ष्य माउंट देनाली (उत्तरी अमेरिका) है। उनका यह प्रयास साहस, जुनून और धैर्य का प्रतीक है।

सादगी के लिए सदा याद किए जाएगें डॉ. मनमोहन सिंह : सतपाल

जोड़ापोखर (ससे) : पूर्व प्रधान मंत्री प्रख्यात विद्वान अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर

बड़ा गुरुद्वारा परिसर में सिख समाज के हर उम्र के लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

गुरुद्वारे में उनकी आत्मा की शांति के लिए अरदास की गई। इस दुखद निधन पर पूर्व उपाध्यक्ष सतपाल सिंह ब्रोका ने कहा कि मनमोहन सिंह उन दिग्गजों में से एक थे, जो देश के वित्त मंत्री रिजर्व बैंक आफ इंडिया के गवर्नर और योजना आयोग के प्रमुख महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए राष्ट्र की सेवा में जो योगदान दिया है उसे भुलाया नहीं जा सकता। उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है उनका व्यक्तित्व सरलता शालीनता सादगी विद्वता और देश के प्रति समर्पण का प्रतीक था उनकी नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां पर पहुंचाया जब पूरी दुनिया मंदी आर्थिक संकट से जूझ रही थी उस मंदी का असर हिंदुस्तान में इसलिए नहीं हुआ क्योंकि डॉक्टर मनमोहन सिंह हमारे देश के वित्त मंत्री थे। आज देश जी उन्नति विकास प्रगति के राह पर आगे बढ़ रहा है उस उन्नति के आधारशिला उन्होंने ही रखी थी उनका योगदान भारत के विकास में हमेशा सूरज की तरह चमकता रहेगा।

श्रद्धांजलि देने वालों में सतपाल सिंह ब्रोका, तेजपाल सिंह, मनजीत सिंह, पाथरडीह तीरथ सिंह, गुरचरण सिंह, माझा दलबीर सिंह, इंद्रजीत सिंह, ज्ञान सिंह, बजिंदर सिंह, सत्येंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, हरपाल सिंह, जीतपाल सिंह, श्रेया कौर, पम्मी कौर, रविंदर कौर, सनी सिंह, हरेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, राजप्रीत सिंह, हरप्रीत सिंह, जसमीत सिंह, बलजीत सिंह तथा मोहन सिंह आदि सैंकडों जन थे।

प्रिंस खान के 6 गुर्गे हथियार के साथ गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस ने प्रिंस खान के ६ गुर्गों को दबोचा है। यह जानकारी शुक्रवार को वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय सभागार में एसएसपी एचपी जनार्दन ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक बड़े ऑर्गेनाइज्ड क्राइम सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है, जिसमें ६ बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है।

एसएसपी ने बताया कि ये बदमाश पिछले दो महीनों में तीन बड़े आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। एसएसपी ने बताया कि तीन जगह पर लगातार छापेमारी की गई, जिसमें गिरफ्तार बदमाशों के नाम राजेश कुमार, अजय कुमार सिंह, सागर कुमार बाला, गणेश गुप्ता, प्रियेश कुमार, करण सिंह राजपूत है। एसएसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुछ बदमाशों के द्वारा आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही गठित एसआईटी की टीम ने तीन अलगअलग जगह पर छापेमारी की। जहां से कई सुराग मिले। सुराग के आधार पर हमलोग अपना अनुसंधान कर रहे

थे। टेक्निकल अनुसंधान के साथसाथ हम लोग ट्रेडिशनल के आधार पर भी जांच की जा रही थी।

जांच टीम को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग एक दूसरी घटना को अंजाम देने के लिए धनबाद में इकट्ठा हुए हैं, और कहीं पर भी किसी को भय दिखाने का प्रयत्न करेंगे। सूचना प्राप्त होने पर हमारी टीम इकट्ठा हो गई और टीम के द्वारा सूचना के अनुसार शिमला बहाल ब्रिज के पास से तीन क्रिमिनल को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। इसमें राजेश कुमार, अजय कुमार सिंह और सागर कुमार को गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद केंदुआडीह थाना क्षेत्र के अंतर्गत गणेश गुप्ता मोटरसाइकिल में भाग रहा था उसका भी पीछा करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया। इसके बाद प्रियेश कुमार को धनबाद बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया गया।

याद किए गए चासनाला खान दुर्घटना के शहीद

जोड़ापोखर (ससे) : सेल चासनाला कोलियरी के डीप

माइंस में २७ दिसंबर १९७५ को जल समाधि लेने वाले ३७५ खनिकों को शुक्रवार को नम आखों से श्रद्धांजलि दी गई। चासनाला साउथ कॉलोनी शहीद स्मारक के शहीद बेदी पर शहीद श्रमिकों के परिजनों, सेल अधिकारी, यूनियन के नेता, राजनीतिक दल के नेता व गणमान्य लोगों ने पहुंच नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। दोपहर १:३५ बजे आपातकालीन सायरन बजने के साथ दो मिनट का मौन रख मौजूद लोगों ने शहीदों के आत्मा की शांति की प्रार्थना की। सर्वप्रथम शहीदों के परिजनों ने नम आंखों से पूजा-अर्चना, दीप व मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी। जिसके बाद सेल चासनाला के कार्यपालक निदेशक एस के सिंह, झरिया विधायक रागिनी सिंह, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो, भाजपा नेत्री तारा देवी ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस मौके पर सर्वधर्म सभा का भी आयोजन किया गया। जिसमें चार समुदायों के धर्मगुरुओं ने शांति पाठ किया। वहीं, इस अवसर पर विधायक श्रीमती सिंह ने कहा कि शहीदों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा और सभी शहीद मजदूरों और कर्मियों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं।

इस दौरान शहीद के परिजनों ने खिचड़ी भोग का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। उक्त घटना को लेकर चित्रकला प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे देख शहीद के परिजन काफी भावुक हुए।

जनता दरबार में उमड़े फरियादी

धनबाद (कासं) : सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी नियाज अहमद ने शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतें सुनी। इसमें लाहबनी धैया से आए एक व्यक्ति ने बताया कि उनके पुत्र का बीपीएल कोटा में सिलेक्शन हो चुका है। चारपांच महीने गुजर जाने के बाद भी विद्यालय द्वारा पुत्र का नामांकन नहीं किया जा रहा है।

वहीं पश्चिम बंगाल के बर्द्धमान जिले से आयी बुजुर्ग महिला ने बताया कि बाघमारा अंचल में उनकी रैयती जमीन है। जिस पर कुछ दबंगों द्वारा अवैध रूप से जबरन कब्जा किया जा रहा है। बैंकमोड़ से आए एक व्यक्ति ने सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को बताया कि सबलपुर मौजा में उनकी पैतृक जमीन है। जिस पर वहां के एक दबंग व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से दखल कर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। जनता दरबार में झरिया से आए व्यक्ति ने कहा कि वार्ड ४६ गोलकडीह में हर घर जल नल योजना के तहत पेयजलापूर्ति सुनिश्चित करनी थी। लेकिन अब तक किसी भी घर में पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। इसके अलावा जनता दरबार में पड़ोसी द्वारा जबरन घर को नुकसान पहुंचाने, दाखिल खारिज नहीं होने, पेयजलापूर्ति नियमित करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

पुराना डीसी ऑफिस में घूस लेते दो कर्मी धराए

धनबाद (कासं) : धनबाद के पुराना डीसी ऑफिस में संचालित जिला अभिलेखागार यानि रिकॉर्ड रूम में प्रधान सहायक (बड़ा बाबू) के पद पर पदस्थापित संजय कुमार एवं उनके सहकर्मी सोमनाथ चटर्जी को शुक्रवार को एसीबी की टीम ने ६५०० रु. रिश्वत लेते घर दबोचा। दोनों की गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम ने भिस्तीपाड़ा स्थित देवाल्य अपार्टमेंट में आरोपी संजय कुमार के फ्लैट में भी दबिश दी। हालांकि टीम को उनके घर से कुछ हाथ नहीं लगा।

एसीबी डीएसपी जीतेन्द्र कुमार ने बताया कि दस्तावेज निकालने के नामपर रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायतकर्ता धैया निवासी मनोहर महतो ने पिछले २० तारीख को एसीबी में इसकी शिकायत की थी। टुंडी क्षेत्र में उनकी एक जमीन है जिस सिलसिले में दस्तावेज निकालने को लेकर मनोहर से रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत का सत्यापन कर टीम ने कार्यालय में दबिश देकर रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इसी साल धनबाद रिकॉर्ड रूम से ही एक लिपिक शुर्वेन्दु को भी रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि इस साल का यह एसीबी का ११वां ट्रेप है।

एलपीसी निर्गत करने में मनमानी : वालिया

धनबाद (कासं) : झारखंड मुक्ति मोर्चा (यू) के धनबाद महानगर अध्यक्ष जेपी वालिया ने उपायुक्त के माध्यम से राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री (झारखंड सरकार) को पत्र भेज कर धनबाद अंचल में एलपीसी निर्गत तथा दाखिल-खारिज में चल रही गड़बड़ी की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने प्रेषित पत्र में लिखा है कि इन दिनों एलपीसी निर्गत करने तथा जमीन का दाखिलखारिज करवाने में दलालों की मदद ली जा रही है। धनबाद अंचल में सक्रिय दलालों के माध्यम से ये काम हो रहा है। पैसे की लेनदेन दलालों के ही माध्यम से किया जा रहा है।

उन्होंने आगे लिखा है कि एलपीसी निर्गत करावाने के नाम पर रैयतों से डेढ लाख से दो लाख के बीच वसूला जा रहा है। इसके अलावा विवादित तथा गैरआबाद जमीन का भी दाखिलखारिज करवाए जाने की सूचना है। यह काम मोटी रकम लेकर दलालों के माध्यम से कराया जा रहा है। श्री वालिया ने पत्र में लिखा है कि दलालों में कुछेक ऐसे लोग भी है, जो किसी राजनीति पार्टी के सदस्य नहीं है। वे पार्टी का धौंस दिखाकर और अंचल अधिकारी तथा कर्मचारियों पर दवाब बनाकर काम करवाते हैं। उन्होंने इसकी जांच कराने की मांग की है।

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक

सिंदरी (ससे) : शुक्रवार को डीएवी पब्लिक स्कूल सिंदरी में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में ग्लोबलाइजेशन के जनक महान अर्थशास्त्री, महान राजनैतिज्ञ और एक सफल प्रधानमंत्री के तौर पर जाने जाने वाले मनमोहन सिंह का जाना हमारे देश के लिए एक बड़ी क्षति है। विद्यालय परिवार ऐसे

महान व्यक्तित्व को अपना श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

इस अवसर पर विद्यालय के पीसी मोदी, प्रजेश चौबे, बृज किशोर द्विवेदी, माहेश्वरी प्रसाद पाण्डेय, विजय कुमार यादव, सौरभ बनर्जी, राजेश चंद्र तालुकदार, श्रेयश पाण्डेय, आनंद गोपाल द्विवेदी, साधना सिंहा, शंकर रॉय आदि ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उनके व्यक्तित्व को याद किया गया।

फिजियोथेरेपी से कोई भी दर्द ठीक हो सकता है : डॉ. सपन गांगुली

धनबाद (कासं) : धनबाद में २००६ से मरीजों को फिजियोथैरेपी की सेवा दे रहे हावड़ा मोटर स्थित कृष्णा अपार्टमेंट के बेसमेंट में धनबाद फिजियोथैरेपी एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर के डायरेक्टर डॉ. सपन कुमार गांगुली ने अपने कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को बताया कि इस बढ़ती ठंड से बचने के लिए पर्याप्त गर्म कपड़े पहने, नशा का सेवन न करें, ब्लड प्रेशर, शुगर व थायराइड से ग्रसित मरिज डॉ. द्वारा प्रिसक्राइब्ड दवाइयां लेते रहे और नित्य दिन एक्सरसाइज करें। सावधानी बरते अत्यधिक ठंड में ब्रेन हेमरेज/स्ट्रोक प्रॉब्लम का डर रहता है। डायबिटीज के मरीज अपने पैरों का भलीभांति का रखरखाव करें, किसी प्रकार का गर्म सेकाई घुटनों के नीचे ना करें क्योंकि नस का सप्लाई तलवा में कम होने से तलवा जलने का डर होता है।

कहा स्वच्छता का खास ख्याल रखें, नियमित रूप से स्किन को मॉइश्चराइज करें, ठंडा पानी पीने से बचे, तेज गर्म पानी के स्नान से बचने, मरीजों को डाइटिशियन द्वारा निर्देशित व सामान्य जनों के लिए पौष्टिक भोजन की आवश्यक सलाह दी। डॉ. सपन गांगुली ने बताया फिजियोथेरेपी के बिना ऑर्थोपेडिक्स अपूर्ण है, आर्थोपेडिक्स के अधिकांश मामलों में फिजियोथेरेपी उपचार की आवश्यकता होती है। पीठ दर्द, सरवाइकल, पेरिआर्थराइटिस, ऑस्टियो-आर्थराइटिस, जोड़ों की पोस्ट ट्रॉमेटिक अकड़न, फाइब्रोसाइटिस, कोक्सीडीनिया, टेंडिनाइटिस, बर्साइटिस, क्रॉनिक मसल टियर, साइटिका, स्पेंडिलाइड आर्थराइटिस, एंकिलॉजिंग स्पोंडिलाइटिस, पी.ओ.पी. के बाद आदि। उन्होंने बताया त्वरित राहत के लिए इस फिजियोथेरेपी केंद्र का विशेष आकर्षण फाइब्रोनोसिस, एडहेरेंट और दर्दनाक निशान, टेनिस एल्बो और गोल्फर एल्बो, क्रॉनिक मांसपेशी टियर, बर्साइटिस, कोक्सीडीनिया, लम्बराइजेशन और सैस प्राप्ति में अल्ट्रासोनिक थेरेपी।

भागवत कथा में बही भक्ति की रस धारा

गोविंदपुर (ससे) : ऊपर बाजार दुर्गा मंदिर में आयोजित भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास सुरेंद्र हरिदास जी महाराज ने कहा कि जबजब धरती पर आसुरी शक्ति हावी हुईं, परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की। मथुरा में राजा कंस के अत्याचारों से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर नारायण ने कृष्ण रुप में देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में जन्म लिया और धर्म और प्रजा की रक्षा कर कंस का अंत किया। श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग सुनाते भागवत के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए पंचम दिवस भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा का वर्णन किया। ईश्वर के चौबीस अवतारों में से प्रमुख भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र से मर्यादा और श्रीकृष्ण चरित्र से ज्ञान, योग व भक्ति की प्रेरणा लेकर जीवन को धन्य करना चाहिए। जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलना बड़ा दुर्लभ है। जब भी हमें यह सुअवसर मिले, इसका सदुपयोग करना चाहिए। कथा सुनते हुए उसी के अनुसार कार्य करें। कथा का सुनना तभी सार्थक होगा, जब उसके बताए हुए मार्ग पर चलकर परमार्थ का काम करें।

भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समूचा पंडाल खुशी से झूम उठा। पंडाल में श्रद्धालुओं ने भगवान कृष्ण का जयकारा लगाया। श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम स्थल को विभिन्न प्रकार के रंगों के गुब्बारों से सजाया गया और बधाई गीतों के बीच भक्तिमय वातावरण बना रहा।

महाराज ने श्रीकृष्ण के कंस के कारागार में जन्म का विस्तृत वर्णन करते हुए कहा कि देवकी वसुदेव की संतानो की कंस द्वारा हत्या के बाद आठवीं संतान के रूप में श्रीकृष्ण का जन्म होने पर वासुदेव द्वारा उन्हें टोकरी में बिठाकर नंद गांव पहुंचाने, यमुना मैया द्वारा श्रीकृष्ण चरण प्रक्षालन के बाद गोकुल में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के वर्णन ने समूचे वातावरण को कृष्णमयी बना दिया।

इस दौरान कथा पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा नंद घर आनंद भयों, जय कन्हैयालाल की, बाजै बाजै रे बधाई भैया तोरे अंगना सहित कृष्ण भजनों पर भाव विभोर होकर बधाइयां बाटने का दौर चला।

कथा में हरिदास जी महाराज ने कहा कि सभी को भगवान राम से मर्यादा व भगवान श्री कृष्णा से ज्ञान योग भक्ति की प्रेरणा लेनी चाहिए।

श्रीराम के जीवन वृतांत का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान को बुलाने से कोई पूर्ण नहीं होता, भगवान को पहचानने से ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए श्री कृष्ण को पहचानने के लिए मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के जीवन के बारे में पूर्ण जानकारी होना भी आवश्यक है। उन्होने कहा कि संसार के हर मनुष्य को अपनेअपने कर्मों को भोगना ही पडता है। कथा सुनने गोर्विंदपुर सहित आसपास के हजारों की संख्या में लोग आ रहे हैं। इस कथा को सफल बनाने में प्रदीप बंसल, कांता बंसल, संजय अग्रवाल अनिता अग्रवाल, शरद अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, राम अग्रवाल, अंजनी शर्मा, कृष्णा पंडित, राजेश अग्रवाल, पवन लोधा, शंकर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, शरत दुदानी, निरंजन अग्रवाल, अनूप सरिया, सुनील सरिया, सुरेश सरिया, प्रदीप अग्रवाल, प्रदीप साव, धनंजय सुरेश भगत, भोला गुप्ता, विवेकानंद पाडेय, संतोष पाठक, नारायण चन्द्र सेन, गौर दास, संदीप विश्वकर्मा, कैलाश भगत, संतोष पाठक, दीपक पाडेय, अशोक गुप्ता, मोहन बंसल, प्रकाश विश्वकर्मा समेत नगरवासियों का सहयोग है। शनिवार को बालकृष्ण लीला, माखन चोरी लीला, गोकुल लीला और गोवर्धन गिरिराज पूजन व ५६ भोग भगवान को लगाया जाएगा।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -नागेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

आम जनता से मित्रवत् व्यवहार करें पुलिस : डीआईजी

धनबाद (कासं) : धनबाद समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय के सभागार में पुलिस उप महानिरीक्षक (कोयला क्षेत्र बोकारो) सुरेंद्र कुमार झा द्वारा शुक्रवार को समीक्षा बैठक की गई। जिसमें वरीय पुलिस अधीक्षक हूदीप पी जनार्दनन, सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी के साथ सभी डीएसपी, एसडीपीओ, पुलिस निरीक्षक एवं थाना प्रभारी मौजूद थे।

समीक्षा बैठक के दौरान डीआईजी ने निम्न मुख्य निर्देश दिये। हत्या, दहेज हत्या, लूट, डकैती, चोरी, अपहरण, और महिला अपराधों से जुड़े मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। विशेष अभियान चलाकर लंबित विवेचनाओं और एससी/एसटी अधिनियम से जुड़े मामलों का गुणवत्तापूर्ण निपटारा जल्द करने को कहा गया। वांछित अपराधियों की

गिरफ्तारीसंगठित अपराध से जुड़े अपराधकर्मी, घोषित अपराधियों और गिरोहबंद अधिनियम के तहत चिन्हित अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने एवं अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति को जब्त करने की दिशा में उचित कार्रवाई का निर्देश दिया गया। नशीले पदार्थ और अवैध शराब पर रोक एन डी पी एस एक्ट के तहत अभियान तेज करने और अवैध शराब की तस्करी, निर्माण व बिक्री के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया।

खनिज सम्पदाओं के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। ऑनलाइन शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर फीड बैक में सुधार करने एवं डायल ११२ को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सोशल मीडिया पर उपस्थिति बढ़ाने को लेकर फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और अन्य प्लेटफार्मों पर सक्रियता बढ़ाने के साथ जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का निर्देश दिया गया। जन जागरूकता अभियान के तहत थाना स्तर पर नए कानून की जानकारी, जनता के अधिकारों की जानकारी, पुलिस की उपलब्धि की जानकारी के साथ साइबर अपराध से बचाव, घरेलू हिंसा से बचाव एवं यातायात नियमों के प्रचार प्रसार के लिए पुलिस की पाठशाला अभियान को नियमित जारी रखने को कहा गया। लंबित मामलों का निपटाराकार्यालयों में लंबित पत्रावलियों, जांच और प्रशासनिक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने का निर्देश दिया गया। सभी थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर लॉटरी, जुआं, सट्टा के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने सहित यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए सभी थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग बढ़ाने के साथ क्षेत्र वासियों से संवाद स्थापित कर मित्रवत व्यवहार करने व पुलिस के प्रति विश्वास को बढ़ाने पर जोर देने का निर्देश दिया गया।

बीसीसीएल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ किया समझौता

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल ने फेफड़ों से संबंधित बीमारियों के इलाज के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीच्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वल्लभभाई पटेल चेस्ट इन्स्टीच्यूट फेफड़ो की बीमारियों के लिए देश का शीर्ष संस्थान है। यह संस्थान अब बीसीसीएल के सूचीबद्ध अस्पतालों में दर्ज हो गया है।

इस समझौते के तहत, बीसीसीएल के कर्मियों और उनके आश्रितों को वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीच्यूट में विशेष चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिलेगा। श्वसन एवं फेफड़ों की बीमारियों विशेषकर इलाज में मदत मिलेगी।

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीटघूट के विशेषज्ञ डॉक्टर धनबाद का दौरा करेंगे।

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीच्यूट के डॉक्टर बीसीसीएल के मेडिकल स्टाफ को फेफड़ों की बीमारियों के उपचार और प्रबंधन के क्षेत्र में तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इससे बीसीसीएल के डॉक्टरों की

विशेषज्ञता में वृद्धि होगी और मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं मिलेंगी।

बीसीसीएल के कर्मचारी और उनके परिवार अब वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीच्यूट में उन्नत इलाज सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। इससे कंपनी के कर्मचारियों के स्वास्थ्य देखभाल मानकों में सुधार होगा।

इस अवसर पर, बीसीसीएल की ओर से निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने इस समझौते को स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। श्री रमैया ने कहा, हम अपने कर्मचारियों और समुदाय की भलाई के लिए सतत प्रयासरत हैं। यह समझौता कर्मचारियों के स्वास्थ्य में सुधार के साथसाथ धनबाद क्षेत्र के नागरिकों को भी लाभान्वित करेगा। बीसीसीएल, धनबाद में इस नई पहल के साथ, अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने और अपने कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

सुपरस्टार रजनीकांत ने डी गुकेश को किया सम्मानित

रांची (ससे) : हाल ही में विश्व शतरंज चैंपियन बने डी गुकेश जब अपने परिवार के साथ

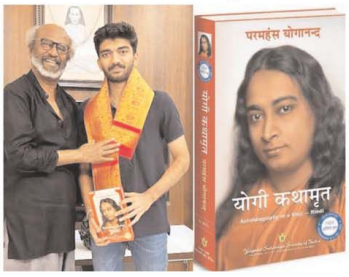

भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत से मिले तो उन्हें परमहंस योगानन्दजी की ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी पुस्तक भेंट में मिली।

अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर, १८ वर्षीय गुकेश दोम्माराजू ने साझा किया। सुपरस्टार रजनीकांत को आपकी हार्दिक शुभकामनाओं और आमंत्रित करने, समय बिताने और सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश की यह पोस्ट वायरल हो गई है। इसमें गुकेश सुपरस्टार रजनीकांत के साथ खड़े योगानन्दजी की ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी हाथ में लिए नज़र आते हैं।

योगानन्दजी की पुस्तक योगी कथामृतविश्व के सर्वाधिक प्रशंसित आध्यात्मिक गौरव ग्रन्थों में से एक- सन् १९४६ में प्रकाशित की गयी थी और जिसकी ७५वीं जयन्ती मनाई जा चुकी है।

१४ भारतीय भाषाओं सहित सम्पूर्ण विश्व की ५० से अधिक भाषाओं में अनुवादित, श्री श्री परमहंस योगानन्द का जीवन वृत्तान्त, आधुनिक युग की एक महान् आध्यात्मिक विभूति का चित्ताकर्षक वर्णन होने के साथसाथ प्राचीन दर्शन एवं योग विज्ञान और ध्यान की परम्परा का एक गहन परिचय भी है।

सांसद ढुल्लू महतो की अभद्र टिप्पणी की निंदा

जोड़ापोखर (ससे) : शुक्रवार को बिहार कोलियारी कामगार यूनियन के क्षेत्रीय कार्यालय में यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष रंजीत यादव की अध्यक्षता में बैठक की गई, जिसमें मुख्य रूप बिसीकेयू के केन्द्रीय सचिव दिलीप चक्रवर्ती व शिव बालक पासवान ने कहा कि यूनियन के महामंत्री सह विधायक अरूप चटर्जी उनके पिता स्व. गुरुदास चटर्जी को सांसद ढुल्लू महतो ने अभद्र टिप्पणी की है जो कि बर्दाश्त लायक़ नहीं है। इस टिप्पणी पर हमारे संगठन द्वारा घोर निंदा करती है। वहीं दूसरी ओर यूनियन के सदस्य रहे पूर्व कर्मी सुरा भूमिज के मामने में महाप्रबंधक को पत्र प्रेषित कर एक जनवरी से सपरिवार के साथ क्षेत्रीय कार्यालय पर अनशन पर बैठेंगे। श्री चक्रवर्ती ने कहा कि प्रबंधन सुप्रीम कोर्ट का भी आदेश नहीं मान रहा है। जिसके कारण मजबूरन सुरा भूमिज अनशन पर जा रहा है। अनशन में बिसीकेयू का समर्थन रहेगा। बैठक में मोती लाल हेम्ब्रम, प्रदीप कुमार, सुनूं हेम्ब्रम, मोती लाल मुर्मू, दुकालू दास, सुनील पासवान, संतोष कुमार, राम प्रवेश यादव व छोटिया मांझी आदि उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने किया ओबी डंप का विरोध

जोड़ापोखर (ससे) : बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा कई दिनों से नए सड़क का निर्माण कर डोम धौड़ा में ओबी डंप करके डोम धौड़ा स्थित तालाब को भरने की साजिश हो रही थी जिसको देखते हुए डोम धौड़ा नया धौड़ा बाजार धौड़ा के रहने वाले ग्रामीणों ने एक जूटता दिखाते हुए नए रास्ते के निर्माण कार्य को बंद कर दिया।

इस विषय की जानकारी उपरांत आज शुक्रवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह मौके पर पहुंची और सभी ग्रामीणों के नेतृत्व में बीसीसीएल के एरिया नंबर १० के एजेंट और मैनेजर के साथ में वार्ता की जहां उन्होंने कहा कि जब तक घनी आबादी वाले क्षेत्र में लोग यहां रह रहे हैं तब तक ओबी डंप नहीं होनी चाहिए। जिसका लिखित आश्वासन मिलने के बाद कार्य को पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया साथ ही वर्षों से पानी की किल्लत से झेल रहे स्थानियों के लिए पानी की व्यवस्था करने की बात कही है जिसपर बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा आश्वस्त किया गया कि जल्द ही लोगों के लिए समुचित पानी की व्यवस्था कर दी जाएगी।

मौके पर मुख्य रूप से संतोष सिंह, स्वरूप भटचार्य, राजकिशोर जैना, शैलेंद्र सिंह, प्रेम नोनिया, अरुण ठाकुर, महेंद्र पासवान, उपेंद्र, बबलू भगत, जोगेंद्र कुमार, गौरी, रंजू देवी के अलावा कई अन्य स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर भाजपाइयों ने जताया दुख

धनबाद (कासं) : धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया। उनकी सादगी और राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणादायक रहेगी। उनके योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। आर्थिक सुधारों के महानायक डॉ. मनमोहन सिंह मौन हो गए। उनके जाने से आर्थिक सुधारों के एक युग का अंत हो गया। उनके आर्थिक सुधारों ने देश के विकास को एक नई दिशा और गति दी थी। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें। बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह आज हमारे बीच नहीं रहे। उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वे अत्यंत विनम्र, सहज और सरल थे। डॉ. साहब सुचितापूर्ण राजनीति के पर्याय थे।

९० के दशक में उनकी उदारीकरण की नीतियां भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। धनबाद के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री, महान अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन ना केवल उनके परिवार, उनके समर्थकों के लिए बल्कि पूरे भारत के लिए बहुत ही दुखद और अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से देश ने एक ऐसा राजनेता, एक ऐसा अर्थशास्त्री, एक ऐसा पूर्व प्रधानमंत्री खो दिया है जिससे देश को बहुत उम्मीद और विश्वास था। देश को मजबूत करने के लिए उन्होंने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनसे कई बार मिलने का मौका मिला।

साइडिंग से हाइवा जब्त, चालक फरार

केन्दुआ (ससे) : सीआईएसएफ क्यू आर टीम ने गुप्त सूचना पर संदिग्ध हालत में एक हाइवा को बीएन आर साइडिंग से जब्त कर केन्दुआडीह थाना को सुपुर्द किया। सूत्रों के अनुसार सीआईएसएफ टीम ने एक हाइवा को जांच के लिए रोका, हाइवा चालक ने टीम को वैध कागजात नही दिखाया। टीम जांच पड़ताल कर ही रही थी, तभी मौका देखकर चालक मौके से फरार हो गया। सीआईएसएफ टीम ने हाइवा को जब्त कर केन्दुआडीह थाना को सौंप दिया। केन्दुआडीह पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

3 युवक हथियार के साथ धराए, कार जब्त

केन्दुआ (ससे) : वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर वक्कार हुसैन के नेतृत्व में बीती रात शिमला बहाल पूल के समीप से एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार को कार

कतरास से झरिया की ओर जा रही थी। कार में तीन युवक सवार थे। तलाशी के दौरान दो ९एम एम का लोडेड पिस्टल, १२ जिंदा कारतूस, चार मोबाइल जब्त किया गया। पकड़े गए राजेश कुमार सिंह, अजय कुमार सिंह और सागर मल्लाह उर्फ बिट्टू सभी कतरास थाना क्षेत्र के बताये जाते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ में तीनों किसी अपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

फैक्ट्री में लगी आग, 2 घंटे में आग पाया काबू

धनबाद : जिले के गोविंदपुर क्षेत्र के आमाघाटा में पार्थ इस्पात प्राइवेट लिमिटेड में सुबह आग लगने की घटना के बाद अफरा तफरी मच गई। कर्मियों द्वारा घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। दमकल वाहन के साथ फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर ।. कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

घटना के बाद करीब २ घंटे बीत जाने के बाद आग पर काबू पाने में फायर ब्रिगेड की टीम सफल हुई। तब तक फैक्ट्री में काफी नुकसान हो चुका था। वहीं बता दें कि दमकल की एक गाड़ी से पूरी तरह से आग नहीं

बुझा सकी। जिसके बाद से दूसरी गाड़ी मंगवाई गई। दो दमकल की गाड़ियों ने मिलकर आग पर काबू पाया।

वहीं काम कर रहे मजदूरों का कहना है कि ट्रांसफार्मर में आग लगने की वजह से फैक्ट्री में भी आग फैल गई और देखते ही देखते फैक्ट्री में रखा सामान धू-धूकर जलने लगी।

आग लगने की घटना के कारण कितना का नुकसान हुआ है यह अभी कहा नहीं जा सकता है। फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने बताया कि ट्रांसफार्मर में आग लगी थी। जिस कारण आग बुझाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर के तेल में आग लगी थी। तेल की आग बुझाने में काफी दिक्कत हुई। आग को बुझाने में दो दमकल वाहनों का उपयोग किया गया था। उन्होंने कहा कि आग भयावह भी हो सकती थी। लेकिन समय से आग पर काबू पा लिया गया, जिस कारण कोई बड़ी घटना नहीं हुई है।

बीसीसीएल में इक्विपमेंट असिस्टेंट प्रशिक्षण की शुरुआत

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल ने सीएसआर के तहत मेडिकल इक्विपमेंट असिस्टेंट प्रशिक्षण का किया शुभारंभ बीसीसीएल ने समाज के, धनबाद स्थित असर्फी इंस्टीच्यूट में आयोजित किया गया और बीसीसीएल की कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत संचालित हो रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय युवाओ को स्वास्थ्य क्षेत्र मे रोजगार पर क कौशल प्रदान कर उनके भविष्य को उज्वल बनाना है।

कार्यक्रम का उद्घाटन बीसीसीएल की सीएसआर टीम की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन में सेंटजोनएजुकेशन सोसाइटी ने प्रतिभागियों की पहचान, काउंसलिंग और चयन प्रक्रिया में बीसीसीएल के साथ मिलकर इसे कार्यान्वित किया। ७५ चयनित अभ्यर्थियों के पहले बैच के साथ शुरू हो रहे इस कार्यक्रम को नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के तहत डिजाइन किया गया है, जिसमें प्रतिभागियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दोनों प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित बीसीसीएल सीएसआर अधिकारियों ने युवाओं को प्रेरणा और प्रोत्साहन का संदेश दिया। स्थानीय युवाओं में इस कार्यक्रम को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है, जो इसे अपने करियर की नई शुरुआत के रूप में देख रहे हैं।

कोयला व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर रागिनी सिंह ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

झरिया (ससे) : कोयला व्यापारियों को असामाजिक तत्वों द्वारा भयादोहन करने के विरोध में शुक्रवार को भाजपा विधायक रागिनी सिंह ने झारखंड के मुख्य सचिव अलका तिवारी को पत्र लिखा। बताते चलें कि झरिया के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रागिनी सिंह से मिलकर कोयला व्यापारियों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए न्याय की गुहार लगाई है। जिसके आलोक में विधायक ने मुख्य सचिव को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि कोयलांचल में कोयला कारोबारियों एवं डी ०ओ० धारकों को व्यापारिक गतिविधियों में असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार भयादोहन करने के का काम किया जा रहा है।

राज्य के धनबाद जिलान्तर्गत बीसीसीएल सहित अन्य कम्पनियों के माध्यम से विधिसम्मत कोयला व्यापारियों से कोयला के उचित उठाव के लिए वैधानिक विधि से डीओ के माध्यम से कोयला का व्यापार किया जाता है। जिनके पास कोयला उठाव हेतु डी०ओ० रहती है, जिसके तहत कोयला विभिन्न कोल वाशरियों से उठाव किया जाता है, परन्तु स्थानीय स्तर पर असामाजिक तत्वों द्वारा उन वैधानिक डी०ओ० प्राप्त कोयला कारोबारियों पर भयादोहन की जा रहा है, जिससे उन कोल व्यवसायियों को कठिनाईयों एवं अन्य आकस्मिक घटना की संभावना बनी रहती है।

विधायक सिंह ने लिखा है कि संलग्न आवेदन के अवलोकनों परान्त तथ्यों से आप जानकारी प्राप्त कर सकती है। जैसा कि विभिन्न कोल व्यवसायियों ने अपने आवेदन में यह जानकारी प्रेषित की है कि उन्हें अपने वैधानिक डी०ओ० प्राप्त होने के बावजूद कुछ आसामाजिक तत्वों द्वारा उनपर भयादोहन कर कोयला नहीं उठाने दे रहें है, इसकी पूरी जवाबदेही स्थानीय पुलिस प्रबंधन की भी होती है। ज्ञातव्य हो कि पूर्व में वैधानिक प्रपत्र डी ओ प्रपत्र व्यापारियों को अनेकों बार कोयला नहीं उठाने व उनके व्यापार पर रोक लगाने हेतु भयादोहन व अप्रत्याशित घटनाएँ हो चुकी है।

झरिया एवं राज्य के कोल व्यापरियों का गंभीर विषय है। उन व्यवसायियों के हित में आग्रह होगा कि किसी भी प्रकार की आकस्मिक घटनाएँ से पूर्व उक्त तथ्यों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए यथाशीघ्र न्यायोचित कार्रवाई करने के उपरांत मुझे सूचित की जाए।

सीआईएसएफ ने बंद करवाया अवैध खदान

निरसा (ससे) : सीआईएसएफ की टीम ने बीसीसीएल सीबी एरिया अंतर्गत निरसा के पलासिया जंगल में चल रही अवैध कोयला खदान का पर्दाफाश किया। बीसीसीएल प्रबंधन व सीआईएसएफ ने खदान के मुहाने की भराई शुरू कराई। मिली जानकारी के अनुसार, जंगल में छापेमारी में करीब १०० अवैध मुहाने पकड़े गए। सूत्रों ने बताया कि जंगल में प्रतिदिन शाम ४ बजे से इन खदानों में तस्कर कोयले का अवैध खनन शुरू कराते हैं। यहां २० से ३० हजार अवैध कोयले की बोरियां देखने को मिलती हैं। क्षेत्र के फटीक चंद्र दास, रमेश चंद्र दास (दोनों गोपीनाथपुर), पिंटू यादव (भालुकसुंदा), रॉबिन गोराई, विकाश गोराई, गौरांग गोराई, विधान गोराई व प्रेमानंद गोराई (सभी पलासिया के रहने वाले) यहां कोयले का अवैध कारोबार चला रहे हैं। इस सिंडिकेट को विशु गोराई नामक व्यक्ति संचालित करता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, उसका कहना है कि यह जमीन उसकी है, रॉयल्टी दो और अवैध खदान खोलकर जितना मर्जी कोयला निकालो। इन अवैध खदानों से कोयला निकालकर आसपास के भट्ठों में खपाया जाता है।

संपादकीय

बेकाबू होती जा रही महंगाई...

महंगाई गंभीर समस्या बनती जा रही है और बाजार में उतार-चढ़ाव के तौर पर देखी जाने वाली स्थितियां अब आम रहने लगी हैं। एक दौर था, जब लोग कुछ समय तक महंगाई की चुनौतियों का सामना कर लेते थे। अब महंगाई में निरंतरता बनी हुई है, खर्च की चादर फैलती जा रही है। ठंड के मौसम में हरी सब्जियां बाजार में दिखती हैं और अमूमन उनकी कीमत ऐसी रहती है कि लोग खर्च कर सकें, लेकिन इस साल ऐसा नहीं है। गोभी, पालक, भिंडी, टमाटर, प्याज, लहसुन, मटर जैसी सब्जियों के दाम ज्यादा होने से आम लोगों का बजट प्रभावित हो रहा है।

सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक, बड़े कारोबारियों की जमाखोरी के कारण महंगाई की नौबत आई है। विवाह आयोजनों के लिए खरीद हो रही है और छोटे विक्रेताओं तक आवक कम हो रही है। इस बार हरी सब्जियों की पैदावार भी कम हुई है।

हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों से रोजी-रोजगार की फिक्र में लोग यह भी भूलते जा रहे हैं कि उनकी थाली में न्यूनतम चीजें क्या-क्या होनी चाहिए। यह नौबत आ गई है कि अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों की चकाचौंध के बीच बहुत सारे लोगों को खाने-पीने की चीजों में भी कटौती करनी पड़ रही है। यह सोचने की जरूरत है कि आर्थिक विकास के दावों के दायरे में कौन है। क्यों थाली महंगी हो रही है।

जरूरी सामानों के साथ ही खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों ने पहले ही आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। मुश्किल सिर्फ सब्जियों तक नहीं सिमटी है। इसका असर दूसरे खाद्य पदार्थों पर भी पड़ा है और

खरीदारी के वक्त भी लोगों को अब थोड़ा रुक कर सोचना पड़ रहा है।

यह दुखद स्थिति है कि आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाने का दावा करने के क्रम में इस पक्ष की अनदेखी की जा रही है कि लोग जीने के लिए जो भोजन कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें कितना सोचना पड़ रहा है। देश की गरीब आबादी के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं, यह समझना बहुत मुश्किल नहीं है।

रुपए की कीमत लगातार कम होते जाने की वजह से भी महंगाई पर काबू पाने में मुश्किलें आ रही हैं। महंगाई की हकीकत और सरकारी आंकड़ों में विरोधाभास दिख रहा है। दो दिन पहले सरकार का आंकड़ा सामने आया कि महंगाई दर में गिरावट हुई है और दावा किया गया कि खुदरा बाजार में स्थिति संभलने लगी है, लेकिन हकीकत कुछ और है। दरअसल, खुदरा बाजार का तंत्र जरूरी नहीं कि थोक बाजार से ही नियंत्रित हो या उसके जरिए ही संचालित हो। एक बड़ी वजह यह है कि आयात और निर्यात नीति पर संतुलित तरीके से ध्यान नहीं दिया जाता।

हाल में आयात और निर्यात के जो आंकड़े सामने आए हैं, उनसे यह स्पष्ट है। व्यापार घाटा बढ़ा है। इससे महंगाई बढ़ती ही है। महंगाई पर काबू पाने के लिए वस्तुओं के विपणन, भंडारण और आयात पर तर्कसंगत नजरिए से काम होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि केंद्रीय बैंक व सरकार के प्रयासों के बावजूद खुदरा महंगाई पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल नहीं हो सके हैं। तमाम उपायों के बावजूद बिचौलियों पर काबू नहीं पाया जा सका है। नीतिगत स्तर पर इसके लिए ठोस उपाय करने होंगे।

अस्पतालों में दिख रहा सरकार के दावे और हकीकत में अंतर

देश में एक तरफ चिकित्सा सेवाएं आम आदमी की पहुंच से दूर हो रही हैं, तो दूसरी तरफ दवाइयों पर लगातार कर बढ़ाया जा रहा है। सरकार की लोकलुभावन योजनाओं के बावजूद महंगी दवाइयां खरीदना रोगी के लिए मजबूरी है। आखिर उसके सामने कोई विकल्प भी तो नहीं। या तो वह जमीन-जेवर बेच कर अपनी जान बचाए या फिर घर पर लाइलाज मर जाए। यह भयावह स्थिति है। दो राय नहीं कि सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए कुछ कदम जरूर उठाए गए सच्चाई यह है कि बीमारियों के उपचार के दौरान अस्पतालों के बेतहाशा शुल्क और गैर-जरूरी चिकित्सा जांच में मरीज कंगाल होने लगता है। कई बार तो वह अपना इलाज कराने में असमर्थ हो जाता है। सरकार के दावे और हकीकत में कितना अंतर है, यह अस्पतालों में साफ दिखता है। इलाज पर खर्च दोगुना से अधिक हो गया है। इसकी बड़ी वजह दवाओं पर जीएसटी लगाया जाना भी है। जीवनरक्षक दवाओं को छोड़ दें, तो कई अधिकतम जीएसटी के दायरे में हैं। मनोरोग से संबंधित दवाइयों पर भी बारह फीसद जीएसटी लगाई गई है। कई गंभीर रोगों की दवाइयां पहले से ही महंगी हैं। ऐसे में मानसिक चिकित्सा से संबंधित दवाओं पर बारह फीसद जीएसटी उन मरीजों से अन्याय है, जो जीवन की जद्दोजहद में घिर कर किसी कारण मनोरोग के शिकार हो गए हैं। आर्थिक दबाव से पहले ही बेहाल ऐसे मरीज अगर बीच में ही अपना इलाज छोड़ रहे हैं, तो यह निस्संदेह चिंता का विषय है। यह सवाल वाजिब है कि क्या मनोरोग या किसी भी बीमारी का उपचार मनुष्य के लिए विलासिता है? क्या किसी को स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार नहीं है? अगर दवाइयां महंगी होंगी, तो कोई भी पहले दाल-रोटी की चिंता करेगा या अपने लिए दवाइयां खरीदेगा? जबकि दोनों ही बुनियादी जरूरतें हैं। मनोरोग के उपचार की दवाइयां भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हैं, जितनी जीवनरक्षक दवाएं। मानवीय रूप से देखें तो सभी दवाइयां करमुक्त होनी चाहिए। क्योंकि एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए यह आवश्यक है।

आज का कार्टून

मुफ्त की चुनावी घोषणाओं बिगाड़ रहीं हैं आर्थिक सेहत

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा था, ऐसी योजनाएं जिनसे क्रेडिट कल्चर कमजोर हो, सब्सिडी की वजह से कीमतें बिगड़ें, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में गिरावट आए और लेबर फोर्स भागीदारी कम हो तो वो फ्रीबीज होती हैं। वर्ष 2022 पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं। स्टेट फाइनेंसेस- अ रिस्क एनालिसिस नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। चुनावी वादों के कारण बढ़ रही मुद्रास्फीती और महंगाई की मार आम लोगों पर पड़ रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। राजनीतिक दलों का इससे सरोकार नहीं है। सत्ता में आने के बाद सरकारें फ्री देने के वादे पूरा करने के लिए टैक्स का बोझ बढ़ाती जा रही हैं।

योगेंद्र योगी

दिल्ली चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बदलकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान-फायदों की राजनीतिक दलों का परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढ़ने वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते।

इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक-एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था। चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरु से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं। कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को फ्री की रेवड़ी कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है। वर्ष 2022 में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से आने वाला सबक बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है।

भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया। डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया।

नतीजे आए तो अन्नाद्रमुक की सरकार बन गई। 2006 के चुनावी वादे पर जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्रीबीज सभी लोगों को प्रभावित करती है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जड़ को काफी हद तक हिला देती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी आदेश दिया कि वो सभी राजनीतिक पार्टियों से सलाह-मशविरा कर एक आचार संहिता बनाए। इसके बाद 2015 में चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए आचार संहिता जारी भी की, लेकिन उसके बावजूद चुनावों में फ्रीबीज का ऐलान होता ही रहा है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा था, ऐसी योजनाएं जिनसे क्रेडिट कल्चर कमजोर हो, सब्सिडी की वजह से कीमतें बिगड़ें, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में गिरावट आए और लेबर फोर्स भागीदारी कम हो तो वो फ्रीबीज होती हैं। वर्ष 2022 पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं। स्टेट फाइनेंसेस- अ रिस्क एनालिसिस नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। चुनावी वादों के कारण बढ़ रही मुद्रास्फीती और महंगाई की मार आम लोगों पर पड़ रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। राजनीतिक दलों का इससे सरोकार नहीं है। सत्ता में आने के बाद सरकारें फ्री देने के वादे पूरा करने के लिए टैक्स का बोझ बढ़ाती जा रही हैं। होना तो यह चाहिए कि कोई राजनीतिक दल जब ऐसी मुफ्त की चुनावी घोषणाओं का ऐलान करे तो साथ ही यह भी बताए कि इसके लिए धन का इंतजाम कैसे किया जाएगा। मसलन इसके एवज में करदाताओं पर कितना बोझ पड़ेगा। जब तक हिसाब-किताब पारदर्शी नहीं होगा तब तक ऐसी योजनाओं देश पर बोझ साबित होती रहेंगी।

आंबेडकर मामले को कांग्रेस कहां तक ले जा पाएगी!

आंबेडकर के संविधान की खिल्ली उड़ाई थी, वैसे भी कांग्रेस पुरजोर तरीके से हमलावर नहीं हो रही है जैसी कि उससे उम्मीद की जानी चाहिए। संसद में संविधान पर हुई बहस में भी खरगे ही बचाव के साथ-साथ हमले करते नजर आए थे। कांग्रेस को समझना चाहिए कि आंबेडकर मामले पर मायावती भी आखिरकार भाजपा के विरोध में आ ही गई। मायावती को पता है कि अगर वह चूकी तो यू.पी. में उनका सफाया हो जाएगा। यू.पी. से बाहर वह कहीं नहीं हैं। संघ समझ रहा है कि मामला तूल पकड़ा तो कोई कार्रवाई करनी ही होगी क्योंकि दलितों को अपने साथ लाने में उसे बड़ी मशक्कत करनी पड़ी है।

विजय विद्रोही

कहा जाता है कि मोदी या उनकी सरकार के मंत्रियों पर विपक्ष का कोई आरोप चिपकता नहीं है। लेकिन पहली बार आंबेडकर के कथित अपमान का आरोप अमित शाह को घेरते हुए मोदी और भागवत को भी अपने लपेटे में ले रहा है। सवाल यह भी उठता है कि क्या यह मामला विपक्ष 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव तक जिंदा रख पाएगा। अगर रहा और इस मसले ने असर दिखाया तो तय है कि 2029 के लोकसभा चुनाव तक इसकी धमक सुनाई देगी। लेकिन जिस तरह से कांग्रेस और समूचा विपक्ष इस मसले पर जिस रणनीति पर चल रहा है उससे बात निकलेगी तो दूर तक जाएगी की सियासी खनक सुनाई नहीं दे रही। अलबत्ता साफ है कि अरविंद केजरीवाल फरवरी के दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस मसले को काफी हद तक भुनाने की कोशिश करेंगे।

आखिरकार केजरीवाल ने सबसे पहले नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को खत लिखकर इस मामले में रुख साफ करने को कहा था। फरवरी के बाद नवंबर में बिहार में चुनाव होंगे। बिहार की राजनीति में आंबेडकर से ज्यादा जाति पर राजनीति की जाती है लेकिन फिर भी नीतीश कुमार की परेशानियां बढ़ सकती हैं। याद रहे कि बिहार में लोकसभा चुनाव में संविधान के खतरे में होने की हांडी में उबाल कम ही आया था।

वैसे देखा जाए तो अमित शाह के भाषण के 10-11 सैकंड के काट- छांट वाले वीडियो में पर्याप्त सियासी बारूद है। वीडियो बहुत छोटा है लिहाजा यह सस्ते मोबाइल फोन में भी देखा जा सकता है। यानी ठेठ गांव देहात तक इसे पहुंचाने की कोशिश की गई है और आगे भी की जाएगी। वीडियो में अमित शाह हिकारत से आंबेडकर-आंबेडकर दोहराते हुए नजर आ रहे हैं। अगर कांग्रेस की जगह भाजपा के पास यह मुद्दा रहता तो पूरा देश नीला हो चुका होता लेकिन कांग्रेस लाल पीली होने के सिवा कुछ ज्यादा नहीं कर पा रही है। इसलिए भी कुछ जानकारों का कहना है कि संसद के फरवरी में शुरू होने वाले बजट सत्र में इस मुद्दे की अग्नि परीक्षा होने वाली है।

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दलित हैं। बुजुर्ग हैं। मिल मजदूर के बेटे हैं। आंबेडकर अपमान के खिलाफ माहौल बनाने के लिए इससे ज्यादा किसी को क्या चाहिए। लेकिन जरूरी नहीं है कि सिर्फ दलितों तक इसे सीमित रखा जाए। आंबेडकर से आदिवासी या ओ.बी.सी. प्रभावित नहीं होते हैं। दलितों में भी जाटव जैसे दलितों पर असर ज्यादा होता है लेकिन राहुल गांधी दलित, ओ.बी.सी., आदिवासी सबको जोड़ कर देख रहे हैं जो मसले की मारक क्षमता को कम करता है। संसद में जितना विरोध होना था वह हो गया। देश के बड़े शहरों और राजधानियों में भी कांग्रेस धरने प्रदर्शन कर चुकी।

अब अगले चरण में मामले को दलितों की बस्तियों में ले जाती तो बात कुछ और होती। दिलचस्प बात है कि इस समय लड़ाई इस बात पर हो रही है कि यह साबित किया जा सके कि कौन आंबेडकर विरोधी है। भाजपा के बड़े से लेकर छोटे नेता चुन-चुन कर आरोप लगा रहे हैं कि कैसे नेहरू ने आंबेडकर का अपमान किया, लोकसभा से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा, हिंदू कोड में साथ नहीं दिया आदि-आदि। कांग्रेस बता रही है कि कैसे संघ, जनसंघ, हिंदू महासभा आदि ने आंबेडकर का विरोध किया था।

आंबेडकर के संविधान की खिल्ली उड़ाई थी, वैसे भी कांग्रेस पुरजोर तरीके से हमलावर नहीं हो रही है जैसी कि उससे उम्मीद की जानी चाहिए। संसद में संविधान पर हुई बहस में भी खरगे ही बचाव के साथ-साथ हमले करते नजर आए थे। कांग्रेस को समझना चाहिए कि आंबेडकर मामले पर मायावती भी आखिरकार भाजपा के विरोध में आ ही गई। मायावती को पता है कि अगर वह चूकी तो यू.पी. में उनका सफाया हो जाएगा। यू.पी. से बाहर वह कहीं नहीं हैं। संघ समझ रहा है कि मामला तूल पकड़ा तो कोई कार्रवाई करनी ही होगी क्योंकि दलितों को अपने साथ लाने में उसे बड़ी मशक्कत करनी पड़ी है। दलित सिर्फ वोट बैंक नहीं है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा में भी दलितों के साथ की उतनी ही जरूरत है जितनी कि ओ.बी.सी. या आदिवासियों की। लोकसभा चुनाव में सबने देखा कि संविधान बदलने, आरक्षण खत्म करने की तमाम बातों के बीच दलित ने भाजपा का साथ छोड़ा था और भाजपा 240 पर सिमट गई थी।

इस लिहाज से देखा जाए तो भाजपा की रणनीति यही है कि कांग्रेस को आंबेडकर विरोधी घोषित किया जाए ताकि दलित अमित शाह को भूल कर कांग्रेस को निशाने पर लेने लगें। यह कमजोर नीति है क्योंकि भाजपा के पास इसके दस्तावेजी सबूत नहीं है और खुद उस समय के उनके नेताओं के ढेरों आंबेडकर विरोधी बयान सामने हैं। उधर कांग्रेस के पास कहने को बहुत कुछ है लेकिन वह सिलसिलेवार ढंग से कह नहीं पा रही है। भाजपा इसी भ्रम को बनाए रखना चाहती है और चाहती है कि रायता इसी तरह फैलता रहे। ऐसे में आई.एन.डी.आई.ए. मोर्चे की भूमिका बड़ी हो जाती है। यू.पी. में अखिलेश यादव आंबेडकर की बात करते हैं और इसे अपने पी.डी.ए. से जोड़ देते हैं। पी.डी.ए. में सिर्फ दलित नहीं है। उसमें पिछड़े और मुस्लिम भी शामिल हैं जबकि जरूरत इस समय दलित वोटों को साधने की है। वैसे देखा जाए तो आंबेडकर अपमान बयान से ध्यान हटाने के लिए सांसद धक्का-मुक्की कांड हुआ लेकिन यहां वीडियो सत्ता पक्ष के पास नहीं है। उधर विपक्ष के पास शाह का वीडियो है। संघ प्रमुख ने इसी मौके पर मस्जिदों के नीचे मंदिर नहीं तलाशने की हिदायत देकर आंबेडकर मसले पर बड़ी लकीर खींचने की कोशिश की। देखते हैं कि कांग्रेस इस मामले को कहां तक ले जा पाने में समर्थ रहेगी।

ईएसएल ने अगरबत्ती निर्माण का किया उद्घाटन

बोकारो (ससे): ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए, वेदांता ईएसएल ने दृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से अपनी प्रमुख महिला सशक्तिकरण पहल, प्रोजेक्ट जीविका के तहत अगरबत्ती (अगरबत्ती) निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। नई इकाई का उद्देश्य मधुनिया में महिलाओं को कौशल-आधारित प्रशिक्षण और उद्यमशीलता के अवसरों से लैस करके उनके लिए स्थायी आजीविका बनाना है।

वेदांता ईएसएल द्वारा दृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से महिला सशक्तिकरण की एक प्रमुख पहल, प्रोजेक्ट जीविका का उद्देश्य कौशल- आधारित प्रशिक्षण और आजीविका सृजन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाना है। यह परियोजना महिलाओं को बांस हस्तशिल्प, मुर्गी पालन, मशरूम की खेती और डिटर्जेंट उत्पादन जैसे विभिन्न व्यवसायों में सूक्ष्म-उद्यमों को विकसित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से लैस करने पर केंद्रित है। बाजार से जुड़ाव पर विशेष जोर देते हुए, जीविका ने हजारों महिलाओं के जीवन को बदल दिया है, आत्मनिर्भरता और स्थायी आजीविका को बढ़ावा दिया है।

भारतीय बाजार में अगरबत्ती की बढ़ती मांग और स्थानीय महिलाओं द्वारा व्यक्त की गई रुचि को देखते हुए, अगरबत्ती निर्माण इकाई को परियोजना जीविका के तहत प्रमुख अवसर के रूप में पहचाना गया। यह पहल न केवल ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देती है, बल्कि स्थानीय रूप से उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग भी करती है जो पर्यावरणीय स्थिरता के लिए वेदांता ईएसएल की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

बोकारो के मधुनिया में अगरबत्ती निर्माण इकाई का उद्घाटन समारोह सम्मानित अतिथियों, वेदांता ईएसएल के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा, दृष्टि फाउंडेशन के प्रोजेक्ट लीड राजीव रंजन, मधुनिया पंचायत के मुखिया प्रदीप कुमार और वार्ड सदस्य अब्दुल जब्बार की उपस्थिति में आयोजित किया गया। महिला सशक्तिकरण के प्रति ईएसएल स्टील की प्रतिबद्धता कार्यक्रम में बोलते हुए, वेदांता ईएसएल के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने कहा, वेदांता ईएसएल में, हम आर्थिक और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने में महिलाओं की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास करते हैं। जीविका परियोजना के तहत अगरबत्ती निर्माण इकाई कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से हमारी महिलाओं को सशक्त बनाने की एक पहल है। हमें ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने समुदायों में सार्थक योगदान देने के लिए उपकरण और अवसर प्रदान करने पर गर्व है। इस पहल को स्थानीय समुदाय से अपार समर्थन मिला है और कई महिलाओं ने इस इकाई द्वारा लाए जाने वाले अवसरों के बारे में आशा व्यक्त की है। लाभार्थियों को बड़े बाजारों से जोड़कर, यह इकाई ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने का केंद्र बनने के लिए तैयार है।

झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गांव में स्थित, ईएसएल स्टील लिमिटेड स्टील उत्पादों का एक अग्रणी निर्माता है। इसके पास २.५ मिलियन टन प्रति वर्ष का ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील प्लांट है जो पिग आयरन, बिलेट्स, बार, वायर रॉड और डक्टाइल आयरन पाइप का उत्पादन करता है। यह प्लांट निर्धारित पर्यावरण मानकों के अनुरूप काम।

उपायुक्त ने पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह को किया नमन

बोकारो (ससे): शुक्रवार को समाहरणालय स्थित प्रथम तल्ले पर उपायुक्त विजया जाधव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों - कर्मियों ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डा. मनमोहन सिंह को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी एवं नमन किया।

मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सभी कार्यालयों के कार्यालय प्रधान/ कर्मी आदि उपस्थित थे। वहीं, प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी संबंधित बीडीओ/ सीओ की अध्यक्षता में दो मिनट का मौन रख कर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शाही जामा मस्जिद के सामने बनेगी नई पुलिस चौकी

संभल (ईएमएस): यूपी के संभल में बीते २४ नवंबर को शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान भड़की हिंसा को लेकर योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब शाही जामा मस्जिद के सामने खाली पड़े हुए मैदान में नई पुलिस चौकी बनेगी। इस लेकर जगह को चिह्नित कर लिया गया है। इतना ही नहीं एडिशनल एसपी और सीओ श्रीचंद्र ने इस जगह का मुआयना कर लिया है। संभल के एडिशनल एसपी श्रीचंद्र ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से जगह पर पुलिस चौकी बनाने का फैसला हुआ है।

पुलिस चौकी का निर्माण कार्य जल्द शुरु होगा। जब पुलिस फोर्स के साथ एएसपी जामा मस्जिद के बाहर पहुंचे, तब मस्जिद कमेटी और आसपास के लोग अपने जमीनों के कागजात लेकर उनके पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि ये लोग इसलिए कागज लेकर आए क्योंकि उनका कहना है कि ये जगह उनकी है।

हॉट स्ट्रिप मिल में शाबाश स्कीम कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): हॉट स्ट्रिप मिल के मुख्य महाप्रबंधक विपिन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शाबाश स्कीम कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में हॉट स्ट्रिप मिल विभाग के महाप्रबंधक पी के वर्मा, आर के झा, आई सी गुप्ता के साथ वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे. कार्यक्रम के आरम्भ में हॉट स्ट्रिप मिल के महाप्रबंधक धर्मेंद्र सिंह करारिआ के द्वारा शाबाश स्कीम के तहत विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारीयों और कर्मियों के कार्यों के बारे में विस्तृत विवरण दिया गया.

पुरस्कार पाने वाले सनातन दास, आशीष, बरजु सोरेन, राजीव साधु, अमित कुमार, नृत्यंजय कुमार, अनिल मुंडा, राम मांझी, एस यादव, जितेंद्र कुमार सिंह, जितेंद्र प्रसाद, राकेश कुमार सिंह, कैलाश केबट तथा श्रीलाल आर्या को हॉट स्ट्रिप मिल के मुख्य महाप्रबंधक विपिन कुमार सिंह के द्वारा पुरस्कृत किया गया. मुख्य महाप्रबंधक विपिन कुमार सिंह ने सभी लोगों से भविष्य में भी इसी प्रकार के नवाचार और उत्कृष्ट कार्य करने की अपील की.

विद्यालय के बच्चों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

डुमरी (ससे): ज्ञान भारती स्कूल नगरी के छात्र-छात्राओं को बोध गया गोल्डेन टेंपल, जापानी टेंपल, विष्णु पथ और करमा टेंपल का सैर कराया गया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार रजक के नेतृत्व में सभी अध्ययनरत छात्र छात्राएं उपरोक्त स्थलों का भ्रमण कर उसकी महत्ता, प्रकृति व धार्मिक स्थलों का जीवन में महत्ता से अवगत हुए। प्रधानाध्यापक ने बताया कि बच्चों को प्रत्येक वर्ष अलग अलग पर्यटन स्थलों तथा व्यवसायिक शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण कराया जाता है ताकि बच्चों में पढ़ाई के साथ साथ पर्यटन एवं व्यवसायिक क्षेत्र में रूचि बढ़े।

व्यावसायिक क्षमता निर्माण के लिए जॉय ऑफ लर्निंग फाउंडेशन के साथ एमओए

बोकारो (ससे): बीएसएल के सीएसआर विभाग ने मिडिल और हाई स्कूल विज्ञान शिक्षकों को व्यावसायिक क्षमता निर्माण प्रदान करने के लिए जॉय ऑफ लर्निंग फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास), मनीष जलोटा, तथा निदेशक (जॉय ऑफ लर्निंग फाउंडेशन) सुश्री अंशुमाला गुप्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे. कार्यक्रम में श्री नीरज त्रिपाठी, वरीय प्रबंधक (सीएसआर), शिक्षकगण तथा सीएसआर विभाग के संतोष कुमार शामिल थे. एमओए के अनुसार, विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला ३० दिसंबर, २०२४ तक बोकारो स्टील सिटी में जारी रहेगी. इस कार्यक्रम में ४५ चयनित शिक्षकों का एक समूह कार्यशाला में भाग लेगा.

पहला कार्यशाला डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-८ में आयोजित किया गया और यह आने वाले महीनों में निर्धारित चार कार्यशाला श्रृंखला का एक हिस्सा है. इसका उद्देश्य मध्य और उच्च विद्यालय के विज्ञान शिक्षकों के लिए व्यावसायिक क्षमता निर्माण करना है.

कार्यशाला में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान में मौलिक महत्व के विषय शामिल होंगे. प्रशिक्षण से वैचारिक स्पष्टता बनाने के लिए पूछताछ, व्यावहारिक प्रयोग और तर्क करने की क्षमता विकसित होगी और अनुभव, अवलोकन और सिद्धांत के बीच अंतर को पाटने का लक्ष्य रखा गया है.

बोकारो के विद्यार्थियों ने लिया पिकनिक का आनंद

चास, बोकारो (ससे): अपने छात्रों के लिए एक सकारात्मक और समृद्ध वातावरण बनाने के लिए डीपीएस चास, बोकारो ने दिनांक २६ एवं २७ दिसंबर को विद्यालय परिसर में ही विद्यार्थियों के लिए एक आनंददायक पिकनिक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एक अवकाश प्रदान करना, सौहार्द और विश्राम को बढ़ावा देना था। विद्यार्थियों ने हँसी-मजाक, खेल, गीत-संगीत, नृत्य सहित अनेक गतिविधियों से भरे दिन का आनंद लिया। इस कार्यक्रम ने न केवल शैक्षणिक दिनचर्या से छुट्टी प्रदान की, बल्कि छात्रों के बीच टीम निर्माण और सामाजिक संपर्क को भी प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने केक काटकर बच्चों के साथ मिलकर पिकनिक का आनंद उठाया।

उन्होंने विद्यालय द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पिकनिक जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं। इस तरह का आयोजन एक जीवंत विद्यालयीय वातावरण के निर्माण में योगदान देते हैं। तथा इससे अध्ययन में मानसिक शांति, सुकून व शारीरिक स्फूर्ति तथा एकाग्रता आती है।

इस अवसर पर डीएस मेमोरियल सोसायटी चास के सचिव सुरेश अग्रवाल ने भी बच्चों के साथ पिकनिक का आनंद उठाया तथा उन्हें ढेर सारी बधाइयाँ दी।

विद्यालय की निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी ने छात्रों से इन क्षणों को तरोताजा होने, सहपाठियों के साथ जुड़ने और अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए नए उत्साह के साथ वापस आने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, हमारे छात्रों के लिए तनाव मुक्त उपयुक्त परिवेश का निर्माण करना हमारी प्राथमिकता है और हम एक संतुलित और आनंददायक शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास करते हैं क्योंकि तनावमुक्त माहौल में ही बच्चे एकाग्र होकर अध्ययन करते हैं।

सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चैलेंज में 3 विद्यार्थियों ने मारी बाजी

बोकारो (ससे): डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल), बोकारो के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपने विद्यालय और शहर का नाम गौरवान्वित किया है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) की ओर से आयोजित आर्यभट्ट गणित चैलेंज २०२४ में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने शानदार सफलता प्राप्त की है।

इनमें कक्षा १० के छात्र कुणाल आनंद, आयुष लच्छीरामका और शीर्ष क्रेजिया के नाम शामिल हैं। इन तीनों ही बच्चों ने सीबीएसई पटना क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ १०० विद्यार्थियों की मेधाविता सूची (मेरिट लिस्ट) में अपनी जगह पक्की करने में कामयाबी पाई है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सोमवार को तीनों ही सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

उल्लेखनीय है कि सीबीएसई कक्षा आठवीं से १०वीं के छात्रों के लिए आर्यभट्ट गणित चैलेंज (एजीसी) आयोजित करता है। इसका उद्देश्य बच्चों की गणितीय सक्षमता का आकलन कर उन्हें गणित को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। दो चरणों में होनेवाली इस चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता के फर्स्ट लेवल में पंजीकृत प्रत्येक संबद्ध स्कूल से केवल अधिकतम शीर्ष तीन छात्र ही लेवल-२ प्रतियोगिता के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं। प्रथम चरण में सफल हुए प्रतिभागी ही दूसरे स्तर के लिए क्वालीफाई कर पाते हैं। कंप्यूटर-परीक्षण के सफल समापन के बाद प्रत्येक सीबीएसई क्षेत्र के शीर्ष १०० छात्रों को मेरिट प्रमाण पत्र दिए जाते हैं।

झापीपा केन्द्रीय सचिव ने अधिकारियों को लिखा पत्र

डुमरी (ससे): झापीपा के केन्द्रीय सचिव अशोक अग्रवाल आजाद ने उपायुक्त गिरिडीह, डीसीओ, एसडीएम डुमरी, एवं एसडीएम गिरिडीह को ईमेल से पत्र प्रेषित करके पीजीएमएस पोर्टल पर दर्ज वाद संख्या ३२४०४९ दिनांक ११ दिसंबर २०२४ डीएसओ गिरिडीह द्वारा अब तक जवाब नहीं दिए जाने और डुमरी एसएफसी गोदाम से बिना नंबर प्लेट वाहन का प्रयोग करने तथा खाद्यान्न का एजीएम एवं डीएसडी के डिस्पैच और डीलर द्वारा रिसीविंग में भारी अंतर जारी रहने,७ दिन बाद एसएफसी गोदाम देवरी तक खाद्यान्न पहुंचने,१० टन से अधिक खाद्यान्न कम पहुंचने आदि के संदर्भ में डीएसओ द्वारा की गई जांच प्रतिवेदन सार्वजनिक करने तथा एजीएम, डीएसडी एवं परिवहन संचालक डुमरी के विरुद्ध कानून समाप्त कार्रवाई की मांग की है।

लिखा है कि गिरिडीह जिले में बीते वर्षों से खाद्यान्न का भारी लूट खसोट वरीय आपूर्ति पदाधिकारी के संरक्षण पर हो रहा है। साथ ही डुमरी एसएफसी गोदाम में भारी अनियमितता और मनमानी देखी गई. है,खाद्यान्न ढुलाई में बिना नंबर प्लेट का वाहन का प्रयोग किया जा रहा है कई वाहन के परमिट फेल और इंश्योरेंस फेल है,रजिस्टर्ड वाहनों का प्रयोग बहुत कम संख्या में हो रहा है और मनमानी तरीके से छोटे वाहन का प्रयोग हो रहा है जिससे कालाबाजारी एवं मुनाफाखोरी की संभावना बढ़ जाती है।बिना जीपीएस सिस्टम के वाहन चलाए जा रहे हैं, ऑनलाइन रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि गोदाम से डिस्पैच और डीलर द्वारा रिसीविंग के डेट में भारी अंतर है जो भ्रष्टाचार का सबूत है और भ्रष्टाचार का प्रतीक है।

दो दर्जन से अधिक कन्याओं का विवाह बिना दूल्हे के कराया

कौशांबी (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा का बड़ा मामला आया है। आरोप है कि दो दर्जन से अधिक कन्याओं का विवाह बिना दूल्हे के कराया गया। इतना ही नहीं सभी को शादी का सर्टिफिकेट भी दे दिया गया। इसके लिए सभी से १०-१० हजार रुपए बतौर रिश्वत भी ली गई। अब इस मामले की शिकायत योगी सरकार से की गई है, जिसके बाद हड़कंप मच गया है। शिकायतकर्ता ने समाज कल्याण राज्यमंत्री को पत्र भेजकर आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि २३ नवंबर २०२४ को सिराथू ब्लॉक में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ था, जिसमें २०० जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया।

भूमि सुधार विभाग के कारण पृच्छा का जवाब ससमय समर्पित करें: उपायुक्त

बोकारो (ससे): राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने पत्र जारी कर राज्य के विभिन्न जिलों में निबंधित विभिन्न संस्थाओं द्वारा कारण पृच्छा का जवाब समर्पित नहीं करने को लेकर जवाब समर्पित करने का अंतिम अवसर दिया है। इस बाबत विभाग ने सभी उपायुक्त को पत्र लिखा है।

उपायुक्त विजया जाधव ने शुक्रवार जिले से संबंधित विभिन्न निबंधित संस्थाओं को ससमय विभाग को अपना-अपना जवाब विभाग को समर्पित करने का अपील किया है। विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त शिकायत / दस्तावेजों की जांच/ विभाग में समर्पित दस्तावेजों की समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि झारखण्ड राज्य निबंधित अधिकांश संस्थाओं (संस्था निबंधन अधिनियम, १८६० के तहत निबंधित) के द्वारा अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है।

उपरोक्त तथ्यों के आलोक में ऐसी संस्थाओं को चिन्हित करते हुए इस कार्यालय के आदेश संख्या-३०६, दिनांक ११.१०.२०२३ के द्वारा दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से अधिनियम के अनुपालन हेतु सूचित किया गया। उक्त सूचना के आलोक में अनुपालन प्रतिवेदन प्राप्त नहीं होने पर पुन: कार्यालय आदेश संख्या-३८२, दिनांक २४.०१.२०२४ के द्वारा संस्था निबंधन अधिनियम, १८६० एवं संस्था निबंधन नियमावली, १९६५ के तहत नोटिस निर्गत करते हुए अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कारण पृच्छा दायर करने का निर्देश दिया गया कि क्यों नहीं अधिनियम के अनुपालन नहीं करने के कारण संस्था के निबंधन को रद्द कर दिया जाए।

उपरोक्त कार्यों के आलोक में वित्तीय वर्ष २००१-०२ से २००७-०८ तक दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल, रांची अन्तर्गत कुल ११०९ संस्थाओं के निबंधन को संस्था निबंधन नियमावली के नियम-१३ के तहत स्थगित करते हुए सभी प्रकार की गतिविधियों पर रोक लगायी जाती है। इन संस्थाओं के द्वारा आदेश निर्गत होने की तिथि से संस्था के नाम से किसी भी प्रकार के गतिविधि का संचालन नहीं किया जाएगा। इन संस्थाओं के नाम से किसी प्रकार के चल/अचल संपत्ति का हस्तांतरण नहीं किया जाएगा।

अंतिम अवसर के रूप में संस्था के द्वारा अपना कारण पृच्छा समर्पित करने के लिए दिनांक ३१ दिसंबर २०२४ तक का अवसर प्रदान किया जाता है। उक्त तिथि तक जवाब नहीं प्राप्त होने पर एकतरफा कार्रवाई करते हुए निबंधन रद्द कर दिया जाएगा।

चंदौसी से लेकर संभल तक मिल रहे कई पुरातात्विक साक्ष्य

संभल (ईएमएस): उत्तरप्रदेश के संभल जिले में प्राचीनतम इतिहासिक धरोहरों का पता चल रहा है। चंदौसी से चलकर संभल तक कई पुरातात्विक साक्ष्य मिल रहे हैं। यहाँ के इलाके में बड़ी रहस्यमय बावड़ी और प्राचीन कब्रों की खोज से लोगों का ध्यान खींचा गया है। संभल में मिली बावड़ी का नाम कुन्वे के रूप में है और लोगों के बीच यह बावड़ी चोरों के कुए के नाम से मशहूर है। इसका संदेहात्मक इतिहास लोगों को परेशान कर रहा है।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि इस बावड़ी के अंदर कोई खजाना भी छिपा हो सकता है। यहां की बड़ी कब्रों में एक तोता-मैना की कब्र भी शामिल है। इस कब्र का इतिहास रहस्यमय है जिसे अभिव्यक्त करना आज भी मुश्किल है। एक कब्र पर लिखी आयतें भाषा के जानकारों के लिए एक प्रश्न बनी हुई है।

विकास के पर्याय बन चुके है बिहार के सीएम नीतीश : डॉ. गोपाल

दरभंगा (एजेंसी): बिहार के दरभंगा में पटना हाई कोर्ट की बेंच की स्थापना किया जाना जरूरी है. बिहार के भौगोलिक स्थिति को देखते हुए आमजनों की सुविधा के लिए इसके स्थापना हो जाने से लोगों को आर्थिक रूप से बचत के साथ-साथ समय और अन्य संसाधनों की काफी बचत होगी. बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने इस पर शीघ्र पहल करने का आश्वासन दिया है. जिसके लिए उनकी जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है.

दरभंगा सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने पटना स्थित एक अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास में सीएम नीतीश कुमार से मिलने के बाद उपरोक्त बातें कही हैं. सांसद डॉ. ठाकुर ने सीएम नीतीश कुमार के मिथिला क्षेत्र में दिए गए योगदानों की चर्चा करते हुए कहा कि दरभंगा सहित पूरे मिथिला में विकास की गंगा बह रही है. एयरपोर्ट, एम्स, दरभंगा शहर के आरोपी, जैसे मुद्दों पर हो रहे विकास कार्यों के बदौलत दरभंगा और मिथिला का विकास देश के मानचित्र पर स्थापित किया जा रहा है.

इन विकास कार्यों के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार के योगदानों की जितनी चर्चा की जाए वह कम है. वास्तविक रूप से बिहार के सीएम नीतीश कुमार विकास कार्यों के लिए पर्यायवाची शब्द बन चुके हैं.

सांसद डा. ठाकुर ने सीएम नीतीश कुमार से भेंट के दौरान उनके प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि दरभंगा में एम्स निर्माण तथा एयरपोर्ट के लिए जमीन का अधिग्रहण कर देश के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों शिलान्यास होने में सीएम नीतीश कुमार की महती भूमिका रही है. जिसके लिए साढ़े करोड़ मिथिलावासियों के ह्रदय में सीएम सदैव जीवंत रहेंगे.

सीएम से भेंट के दौरान सांसद डा ठाकुर ने विभिन्न मुद्दों पर उनका ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि दरभंगा में आईआईटी, एनआईटी, निफ्ट, सैनिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय जैसे मुद्दों के लिए शीघ्र पहल शुरू करने का आग्रह करते हुए कहा कि दरभंगा मिथिला क्षेत्र की अघोषित राजधानी मानी जाती है. इसलिए अब यहां इस तरह की उच्चतर संस्थानों का होना जरूरी है.

सांसद डॉ. ठाकुर ने सीएम नीतीश कुमार से डा. कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा और मिथिला संस्कृत शोध संस्थान के कायाकल्प करने का आग्रह करते हुए कहा कि इन मुद्दों के समाधान करने के लिए आश्वस्त किया है.

सांसद डॉ. ठाकुर ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त भूगोल गांव तथा वहां मची तबाही से भविष्य में इस तरह की विनाश से बचने के लिए समाधान का आग्रह करते हुए कहा कि कोसी नदी में गाद के भर जाने के कारण पश्चिम कोसी तटबंध को ऊंचा किए जाने को आवश्यक बताते हुए कहा कि इस तटबंध को ऊंचा कर गंडौल तक टू लेन सड़क बनाया जाना अति आवश्यक है. सांसद डॉ ठाकुर ने बताया कि सीएम नीतीश कुमार ने उनके द्वारा खर्च किए गए हर मुद्दे पर यथाशीघ्र पहल करने का आश्वासन दिया है.

महिला संवाद कार्यक्रम की तैयारी में जुटी नीतीश सरकार

पटना (एजेंसी): बिहार की नीतीश सरकार की महत्वकांक्षी महिला संवाद कार्यक्रम को लेकर तैयारी काफी जोर शोर से चल रही है. करीब ६० दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में नीतीश सरकार राज्य के दो करोड़ महिलाओं के साथ संवाद करने वाली है.

इस दौरान वाहनों को प्रखंडों में भेजकर राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में महिलाओं को जानकारी दी जाएगी. इस संवाद कार्यक्रम को शुरु करने के लिए १५ जनवरी की तारीख प्रस्तावित है. इस संबंध में जल्द ही आदेश भी जारी कर दिया जाएगा.

फिलहाल महिला संवाद कार्यक्रम के लिए ग्रामीण विकास विभाग और जीविका के माध्यम से संबंधित लोगों को प्रशिक्षण देने का काम किया जा रहा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से वाहनों को प्रखंडों में रवाना करने के लिए सीएम सचिवालय से आग्रह किया जा रहा है. राज्य में जीविका दीदियों की गठित ७१ हजार ग्राम संगठनों के द्वारा महिला संवाद का आयोजन किया जाएगा. इसमें जिला और प्रखंड के पदाधिकारी और कर्मी भी इन संगठनों का सहयोग करेंगे.

विभाग इस कार्यक्रम के लिए ऐसी तैयारी कर रही है कि महिला संवाद कार्यक्रम को हर दिन औसतन ६०० जगहों पर आयोजित किया जाए. हर एक संवाद कार्यक्रम में लगभग ३०० महिलाओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है.

महिला संवाद कार्यक्रम में सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देने के साथ साथ महिलाओं से सुझाव भी लिए जाएंगे. महिलाओं से ये भी पूछा जाएगा कि सरकार से उन्हें और किस तरह की योजनाओं की मांग है. महिलाओं के द्वारा दिए गए सुझाव का रिकॉर्ड भी रखा जाएगा, ताकि भविष्य में राज्य सरकार उसी के आधार पर कोई निर्णय ले. इसके अलावा केंद्र सरकार से जुड़े योजनाओं को वहां भेजा जाएगा. हर विभाग से योजनाओं के बारे विस्तृत जानकारी लेने के बाद इसकी पुस्तिका तैयार कर ली गयी है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा स्थगित

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को प्रगति यात्रा पर मुजफ्फरपुर जाने वाले थे, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद इसे एक सप्ताह के लिए रोक दिया गया. अब नये सिरे से यह यात्रा आगे बढ़ेगी. इसके लिए नई तारीख घोषित कर दी गई है. जिसमें सीएम नीतीश अब नए साल में इन मुजफ्फरपुर और वैशाली जिले का दौरा करेंगे. ५ जनवरी को मुजफ्फरपुर और ६ जनवरी को नीतीश वैशाली की यात्रा पर जाएंगे.

वहीं मनमोहन सिंह के निधन पर बिहार सरकार ने सात दिनों का राजकीय शोक भी घोषित कर दिया है. इससे पहले सुबह से सीएम नीतीश की यात्रा को लेकर मुजफ्फरपुर में प्रशासनिक अधिकारियों की दौड़-भाग शुरू हो गई थी. एनडीए के नेता और कार्यकर्ता भी सीएम के पूर्व में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना शुरू हो गए थे. पटना से सीएम की सुरक्षा में तैनात अधिकारी भी मुजफ्फरपुर में डेरा डाल चुके थे. लेकिन सीएम के दौरे के स्थगित होने की सूचना मिलने के बाद सभी लौट गए.

हुलास पांडेय के तीन ठिकानों पर ईडी का रेड

पटना (एजेंसी): लोजपा अध्यक्ष चिराग पासवान के करीबी नेता और पूर्व विधायक हुलास पांडेय के तीन ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है. ब्रॉडसन और आदित्य मल्टीकॉम कंपनी के अवैध बालू खनन मामले में यह छापेमारी की गयी है. जानकारी के अनुसार, ईडी ने पटना के गोला रोड स्थित उनके आवास और बोरिंग रोड इलाके में स्थित उनके कार्यालय में छापा मारा है. वहीं एजेंसी बेंगलुरु के एक ठिकाने की तलाशी ले रही है.बता दें कि हुलास पांडे पूर्व जदयू विधायक सुनील पांडे के भाई हैं. हुलास पांडे बिहार के पूर्व विधायक भी रह चुके हैं. लेकिन फिलहाल वे लोजपा के नेता हैं. उनकी गिनती बिहार के बड़े बाहुबली नेताओं में होती है.

हुलास पांडेय के खिलाफ अलग-अलग थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं. इनमें अवैध अथियार रखने, हत्या की कोशिश, जाने से मारने की धमकी देने, शांति भंग करने, सरकारी अधिकारी को परेशान करने, वसूली और रंगदारी मांगना शामिल है. हालांकि कोर्ट ने किसी भी मामले में उन्हें दोषी नहीं ठहराया है.

परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग के तहत पुलिस लाइन, ट्रांजिट हॉस्टल और प्रशिक्षण संस्थानों के निर्माण में गुणवत्ता बनाए रखने और समय सीमा का पालन करने के महत्व पर जोर दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रगति सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रशासनिक स्तरों पर इन परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए।

सीएम योगी ने जोर दिया कि गृह विभाग के सचिव स्तर के अधिकारी को साप्ताहिक समीक्षा करनी चाहिए, जबकि अतिरिक्त मुख्य सचिव को पाक्षिक समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निगरानी की जिम्मेदारी जिला, रेंज और जोनल पुलिस अधिकारियों तक भी बढ़ाई जानी चाहिए।

जवाबदेही पर जोर डालते हुए सीएम योगी ने ५० करोड़ रुपये से अधिक की सभी परियोजनाओं के लिए तकनीकी संस्थानों द्वारा मासिक तीसरे पक्ष के ऑडिट का आदेश दिया। बयान में कहा गया है कि इस ऑडिट में ऑन-साइट सत्यापन और रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत फोटोग्राफिक साक्ष्य शामिल होने चाहिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्माण प्रक्रिया में अनुभवी पेशेवरों की आवश्यकता को भी रेखांकित किया, यदि आवश्यक हो तो प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों से सेवानिवृत्त इंजीनियरों या कुशल पेशेवरों को शामिल करने का सुझाव दिया।

उन्होंने आगे निर्देश दिया कि कार्य शुरू होने के बाद स्वीकृत परियोजना डिजाइन में कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए, सिवाय अपरिहार्य परिस्थितियों और अधिकारियों से पूर्व अनुमोदन के। सीएम योगी ने ऊंची इमारतों के लिए निर्देश दिया कि लिफ्ट को अनिवार्य किया जाए और उनके रखरखाव के लिए एक समर्पित कॉर्पस फंड स्थापित किया जाए।बजट आवंटन और परियोजना प्रगति की क्षेत्रवार समीक्षा करते हुए सीएम आदित्यनाथ ने फील्ड अधिकारियों के लिए आवास सुविधाओं में सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। बयान के अनुसार, इस उद्देश्य के लिए पुलिस लाइन में बहुमंजिला आवासीय भवनों का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि संभल, हापुड़, चंदौली, औरैया, अमरोहा और शामली जैसे जिलों में वर्तमान में स्थायी पुलिस लाइन नहीं है। परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए उनका निर्माण चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अलीगढ़ पुलिस लाइन में चार ब्लॉकों वाला एक ट्रांजिट हॉस्टल अप्रैल २०२५ तक पूरा हो जाएगा। सीएम ने कहा कि उन्नाव में राजकीय अग्निशमनप्रशिक्षण महाविद्यालय और लखनऊ में वीरांगना उदा देवी महिला पुलिस बटालियन के लिए आवासीय और गैर-आवासीय सुविधाओं में तेजी आनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया।

सीएम योगी ने मुरादाबाद, मेरठ, गोरखपुर और सीतापुर में पुलिस प्रशिक्षण सुविधाओं की क्षमता दोगुनी करने सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का भी आह्वान किया।

कार्यालय अनुमंडल कृषि सह जिला उद्यान पदाधिकारी, बोकारो

संयुक्त जिला कृषि कार्यालय भवन, चास, पुरूलिया रोड, चास

किसान भाईयों के लिए आवश्यक सूचना

विभागीय राज्यादेश सं0 42 दिनांक 24.07.2024 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2024–25 में उद्यान विकास की योजनान्तर्गत उपयोजना प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग की योजना के तहत बोकारो जिला के आजिविका के स्थाई श्रोत का सृजन कराने के साथ ही रोजी–रोटी तथा भोजन के लिए पलायन को रोकने के उद्देश्य से शहरी इलाकों एवं उससे सटे हुए आस–पास के शहरी क्षेत्रों में बसे हुए परिवार के घरों के आवासीय परिसर में खाली पड़े छोटे भूखण्ड सरकारी परिसर जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrance Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों, फूलों एवं फलों के उत्पादन किये जाने हेतु प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग की योजना संचालित है। इस योजना के क्रियान्वयन के फलस्वरुप शहरी परिवारों के भोजन में पौष्टिकता की वृद्धि होगी, प्रदुशण मुक्त एवं स्वच्छ वातावरण का विकास होगा, हरियाली में वृद्धि होगी एवं शहरी क्षेत्रों में ऑक्सीजन का स्तर सुधेरगा। इस योजना का कार्यान्वयन 75 प्रतिशत अनुदान पर किया जायेगा। इस योजना का लाभ लेने हेतु दिनांक 07.01.2025 तक जिला उद्यान कार्यालय, बोकारो में आवेदन जमा कर सकते हैं। कार्य विवरणी निम्न प्रकार है:–

नोट:–

1. ST, SC एवं सीमान्त कृशक एवं महिला समूहों को प्राथमिकता दी जायेगी।
2. अपूर्ण आवेदन स्वतः रद्द समझा जायेगा।
3. आवेदन स्थानीय माननीय जनप्रतिनिधि / पंचायत प्रतिनिधि के द्वारा सत्यापित होना आवश्यक है।
4. योजना के संदर्भ मे विशेश जानकारी हेतु जिला उद्यान कार्यालय, बोकारो से संपर्क किया जा सकता है।
5. आवेदन पत्र हेतु Website-www.atmabokaro.org.in से Download कर सकते हैं।

जिला उद्यान पदाधिकारी, बोकारो

PR 342972 Agriculture(24-25)D

Government of Jharkhand

Urban Development and Housing Department

PHUSRO NAGAR PARISHAD (BOKARO)

Short Term E-Tender Notice No. : - PMC/05/2024-25

Group No.	Tender Reference No.	Description	Estimated Cost in Rs.	Earnest Money in Rs.	BOQ Document Fees in Rs.	Duration for Work
1	2	3	4	5	6	7
1	PMC/05/01/2024-25	Sharda Colony Park, (01 Acre)	1,17,72,400.00	2,35,500.00	10,000.00	06 Month

1. Date of Publication of Tender on website (Online) - 06.01.2025 From 10:30 AM (Uploading of Bid Online Only)
2. Date of Downloading of Tender on website (Online) - 07.01.2025 From 10:30 AM (Downloading Bid Online Only)
3. Last Date and Time of Submitting of Bids (Online) - 21.01.2025 up to 05:00 PM (Submitting Bid Online Only)
4. Date and Time of Opening of Bid (Online Only) - 22.01.2025 From 10:30 AM (Opening of Bid Online Only)
5. Name of Online E-Tender Notice Inviting Officer - Mr. Rajeev Ranjan (Administrator, Phusro Nagar Parishad)
6. Name and Address of E-Tender Notice Inviting Office - Office of The Administrator, Phusro Nagar Parishad (Bokaro)
7. Contact No. of E-Procurement Officer - 06549-356303
8. Help Line No. of E-Procurement Office - 06549-356303
9. Only E-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Administrator
Phusro Nagar Parishad
Bokaro

PR 343006 Urban Development(24-25)D

जिला परिषद कार्यालय, जामताड़ा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 08 / 2024–25

विज्ञापन दाता का नाम	:	जिला अभियंता, जिला परिषद, जामताड़ा
परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	:	दिनांक 03.01.2025 (10:30 बजे पूर्वा0 से 04:00 बजे अप0 तक)
निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	:	दिनांक 04.01.2025 (11:00 बजे पूर्वा0 से 03:00 बजे अप0 तक)
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:	दिनांक 04.01.2025 (03:15 बजे अपराह्न)
परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:	जिला परिषद कार्यालय, कम्बाईण्ड बिल्डिंग, जामताड़ा
निविदा प्राप्ति का स्थान	:	जिला परिषद कार्यालय, कम्बाईण्ड बिल्डिंग, जामताड़ा
निविदा खोलने का स्थान	:	जिला परिषद कार्यालय, कम्बाईण्ड बिल्डिंग, जामताड़ा
कार्यो की विवरणी	:–	

क्र0 सं0	ग्रुप सं0	योजना का नाम (TIED FUND)	प्रखण्ड	योजनावार प्रा0 राशि (रू में)	ग्रुपवार प्रा0 राशि (रू में)	अग्रधन की राशि (रू में) 2%	परिमाण विपत्र का मूल्य राशि (रू में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	67	प्रखण्ड नारायणपुर पंचायत डाभाकेन्द्र अन्तर्गत ग्राम खिजुरिया (आर्यन ट्रेडरस के पीछे) में सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य।	नारायणपुर	250500.00	250500.00	5500.00	750.00	2 माह
2	68	प्रखण्ड नारायणपुर पंचायत टोपाटॉड़ अन्तर्गत ग्राम जेरूवा में नाली निर्माण कार्य।	नारायणपुर	228800.00	855200.00	17500.00	1250.00	45 दिन
3		प्रखण्ड नारायणपुर पंचायत टोपाटॉड़ अन्तर्गत ग्राम जेरूवा में जलमीनार निर्माण कार्य।	नारायणपुर	626400.00				
4	69	प्रखण्ड नारायणपुर पंचायत देवलबाड़ी अन्तर्गत ग्राम नायाडीह के तालाब में स्नान घाट निर्माण कार्य।	नारायणपुर	369700.00	369700.00	7500.00	750.00	1 माह
5	70	प्रखण्ड नारायणपुर पंचायत पबिया अन्तर्गत ग्राम उदयपुर के संजीत सोरेन के तालाब में स्नान घाट निर्माण कार्य।	नारायणपुर	303100.00	553600.00	11500.00	1250.00	2 माह
6		प्रखण्ड नारायणपुर पंचायत कोरीडीह–1 अन्तर्गत ग्राम काठडाबर में सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य।	नारायणपुर	250500.00				
7	71	प्रखण्ड नारायणपुर पंचायत पोस्ता अन्तर्गत ग्राम धावाटॉड में जलमीनार निर्माण कार्य।	नारायणपुर	626400.00	626400.00	13000.00	1250.00	1 माह
8	72	प्रखण्ड करमाटॉड़ पंचायत तरकोजोरी अन्तर्गत ग्राम कठबरारी में टेकलाल मंडल घर के पास से नाली निर्माण।	करमाटॉड़	499200.00	940500.00	19000.00	1250.00	45 दिन
9		प्रखण्ड करमाटॉड़ अन्तर्गत बिराजपुर ग्राम मानिकपुर में स्नान घाट निर्माण।	करमाटॉड़	441300.00				
10	73	प्रखण्ड करमाटॉड़ पंचायत सीताकाटा अन्तर्गत ग्राम सीताकाटा (बिजली ऑफिस के पीछे तरफ मुख्य सड़क) के तालाब में स्नान घाट निर्माण कार्य।	करमाटॉड़	341000.00	341000.00	7000.00	750.00	1 माह
11	74	प्रखण्ड करमाटॉड़ अन्तर्गत पंचायत बरमुण्डी ग्राम बडवा आदिवासी टोला में जलमीनार निर्माण।	करमाटॉड़	626400.00	626400.00	13000.00	1250.00	1 माह
12	75	प्रखण्ड करमाटॉड़ पंचायत–तेतुलबंधा ग्राम–नवाडीह दुर्गापुर (आदिवासी टोला) में सॉकपीट निर्माण।	करमाटॉड़	77415.00	357615.00	7500.00	750.00	1 माह
13		प्रखण्ड करमाटॉड़ पंचायत ताराबहाल अन्तर्गत ग्राम मोहलीडीह (रजवार टोला) में मनोज महतो के घर से गाँधी चबुतरा तक नाली निर्माण। 250 फीट।	करमाटॉड़	280200.00				
14	76	प्रखण्ड करमाटॉड़ पंचायत मोहनपुर अन्तर्गत ग्राम नवायकोल में बुढ़ा–बुढ़ी थान के पास जलमीनार निर्माण।	करमाटॉड़	626400.00	1252800.00	25500.00	2500.00	2 माह
15		प्रखण्ड जामताड़ा पंचायत रानीडीह अन्तर्गत ग्राम श्यामपुर मोड़ में जलमीनार निर्माण।	जामताड़ा	626400.00				
16	77	प्रखण्ड नाला पंचायत मड़ालो अन्तर्गत ग्राम टर्रा में स्नान घाट निर्माण।	नाला	428000.00	428000.00	9000.00	750.00	1 माह
17	78	प्रखण्ड नाला पंचायत फुटबेरिया अन्तर्गत ग्राम खोलाखमार में जलमीनार निर्माण।	नाला	624000.00	624000.00	12500.00	1250.00	1 माह
18	79	ग्राम अधारसोला पंचायत बड़ारामपुर प्रखण्ड नाला में जलमीनार निर्माण।	नाला	624000.00	624000.00	12500.00	1250.00	1 माह

नोट :– निविदा की नियम एवं शर्ते जिला परिषद कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, जामताड़ा

PR 342974 Rural Development (24-25)_D

Government of Jharkhand

Urban Development and Housing Department

PHUSRO NAGAR PARISHAD (BOKARO)

Very Short Term Notice Inviting Tender

E-Tender Notice No. : - PMC/04/2024-25

Group No.	Tender Reference No.	Description	Estimated Cost in Rs.	Earnest Money in Rs.	BOQ Document Fees in Rs.	Duration for Work
1	2	3	4	5	6	7
1	PMC/01/ 04/2024-25	Providing and Constructing of PCC Road work from Main Road Near Nirankari Bhawan to DhoriPench to towards Behind of Madhya Vidyalaya Dhori More upto 550 M Length Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro)	40,16,342	80,400	10,000	06 Month
2	PMC/02/ 04/2024-25	Providing and Constructing of PCC Road work from Punit Mahto Chowk to Khublal School to towards Kocha Kulhi to Primary School to Saraswati Mandap to towards Raju Giri House upto 1500 M Length Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro)	89,29,016	1,78,600	10,000	06 Month
3	PMC/03/ 04/2024-25	Providing and Constructing of PCC Road work from Railway Crossing Dhori to Prakash Yadav House Near DhoriFootbal Ground, Dispensari to Ramdev Nishad House, Santosh Yadav House to Basudev Singh House, Mina Sharma House to Masjid, Anuranjan Jha House to Back of Pravesh Akhtar House, Dhori Post Office to Chandragupt Pandey House, Raj Kumar Pandit House to Lakshya Kr Narayan House upto 2250 M Length Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro)	97,37,118	1,94,800	10,000	06 Month
4	PMC/04/ 04/2024-25	Providing and Constructing of PCC Road work from Bhedmukka Near Culvert to towards Hathiapather Baba Mandir upto 1600 M Length Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro)	94,31,925	1,88,700	10,000	06 Month
5	PMC/05/ 04/2024-25	Providing and Constructing of PCC Road work from Bajrang More Medical Shop to Noor Mohamad House, Ram Nagar Ambedkar Club to Shiv Mandir, Ganesh Mandap to Hulash Mohalla to Ramnagar Prathmik Vidyaaya Bermo-I upto 1250 M Length Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro)	69,07,423	1,38,200	10,000	06 Month
6	PMC/06/ 04/2024-25	Providing and Constructing of PCC Road work from Kargali Gate Main Road Dr. Anupama Vaerma House to towards Raju Tiwari House and Sujit Kumar House to River Side Road upto 1400 M Length Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro)	49,56,993	99,200	10,000	06 Month
7	PMC/07/ 04/2024-25	Providing and Constructing of PCC Road work from Ragho Yadav House to Laxmi Paswan House to Rajendra Chouhan House, Hero Shop To Thakur House, Naveen Thakur House to Bangla Tak, Manoj Singh House to Karipani Main Road, Bijli Ghar to Varun Singh Office, Ganga Rajak House to Manoj Sharma House, Raju House to Chotu Shop, Main Road to Sarju Chouhan House, Back of New Qrtr to Shamshan Ghat upto 1700 M Length Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro)	1,00,51,483	2,01,100	10,000	06 Month
8	PMC/08/ 04/2024-25	Providing and Constructing of RCC Drain Work at Karipani Colony from Nanku House to Joria Nala and Tulsi Singh House to towards culvert upto 500 M Length (Size 1.50 M Wide X 1.00 M Depth)Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro)	74,82,958	1,49,700	10,000	06 Month
9	PMC/09/ 04/2024-25	Providing and Constructing of RCC Drain Work from Durga Mandir ke Niche Congress Office ke Samne Se Aage Near Well Tak upto 500 M Length (Size 2.00 M Wide X 1.50 M Depth) Under Nagar Parishad Phusro (Bokaro)	99,22,417	1,98,500	10,000	06 Month

1. Date of Publication of Tender on website (Online) - 30.12.2024 From 10:30 AM (Uploading of Bid Online Only)
2. Date of Downloading of Tender on website (Online) - 31.12.2024 From 10:30 AM (Downloading Bid Online Only)
3. Last Date and Time of Submitting of Bids (Online) - 10.01.2025 up to 05:00 PM (Submitting Bid Online Only)
4. Date and Time of Opening of Bid (Online Only) - 11.01.2025 From 10:30 AM (Opening of Bid Online Only)
5. Name of Online E-Tender Notice Inviting Officer - Mr. Rajeev Ranjan (Administrator, Phusro Nagar Parishad)
6. Name and Address of E-Tender Notice Inviting Office - Office of The Administrator, Phusro Nagar Parishad (Bokaro)
7. Contact No. of E-Procurement Officer - 06549-356303
8. Help Line No. of E-Procurement Office - 06549-356303
9. Only E-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Administrator
Phusro Nagar Parishad, Bokaro

PR 343010 Urban Development (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा

Email Id:rdsdjmt@gmail.com

अल्पकालीन ई0–आमंत्रण

संख्या–RDD/SD/JMT/13/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	जामताड़ा जिलान्तर्गत जामताड़ा प्रखण्ड के रानीडीह पंचायत में स्टेडियम निर्माण कार्य।	2,22,51,000.00	4,46,000.00	10,000.00	12 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :–दिनांक–06.01.2025
3. ई0–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :–दिनांक–06.01.2025 से दिनांक–15.01.2025 (अपराह्न 5:00 बजे)
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा की स्वीकार्य होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
6. निविदा खोलने का स्थान:–e-Procurement Cell, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
7. निविदा खुलने की तिथि एवं समय:–दिनांक–17.01.2025 (अपराह्न 2:00 बजे)
8. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:–कार्यपालक अभियंता,ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
9. ई0–निविदा प्रकोष्ठ का दुरभाष संख्या:–9973957543
10. अधोहस्ताक्षरी / सक्षम पदाधिकारी को किसी भी निविदा को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेंगा तथा निविदादाता को कारण पृच्छा का अधिकार मान्य नहीं होगा।
11. B.O.Q की राशि घट–बढ़ सकती है, तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।

PR.NO.342976 Rural Development(24-25):D

नीतीश कुमार को लेकर एक बार फिर मार्केट में कई चर्चाएं

पटना (एजेंसी): ये लगातार दूसरा साल है, जब दिसंबर महीने में बिहार की राजनीति एकदम से उबाल मार जाती है. पिछले साल का कारण कुछ और था और इस बार का कारण कुछ और है. पिछले साल भी कयास नीतीश कुमार को लेकर लगाए जा रहे थे और इस बार भी कयास के केंद्र में नीतीश कुमार ही हैं. नीतीश कुमार की राजनीति है ही कुछ ऐसी कि विश्लेषक भी राजनीति विज्ञान की किताब खोलकर पन्ने पलटने लगते होंगे कि इस तरह की पॉलिटिक्स किस अध्याय में प्रकाशित हुई है. नीतीश कुमार लोगों को एकदम चकरघिन्नी बना देते हैं अपनी राजनीति से. लालू प्रसाद यादव जैसे घाघ राजनीतिज्ञ के पास भी नीतीश कुमार की राजनीति का कोई तोड़ नहीं है तो आप समझ सकते हैं कि उनकी राजनीति का स्तर क्या है.

खैर, बिहार की राजनीति या इससे जुड़ी कुछ घटनाओं की कड़ियों को मिलाएं तो कयासबाजी का आधार और आकार बड़ा होने लगता है, लेकिन इसे गठबंधन राजनीति के नजरिए से देखें तो कोई बड़ी बात नजर नहीं आती. आज हम उन बातों का जिक्र करेंगे, जो बुलबुले से बबल बनने की ओर बढ़ता चला जा रहा है. जो दिख रहा है वो भले ही सामान्य लग रहा है, लेकिन ये किसी बड़े तूफान से पहले की चुप्पी के संकेत भी हो सकते हैं. इनको परखने और समझने के लिए कुछ घटनाओं पर नजर डालते हैं.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा के लिए राज्य कैबिनेट ने पैसे का प्रस्ताव पास किया और तारीख १५ दिसंबर तय की. इस बीच तेजस्वी यादव ने फ्री बिजली और माई बहिन योजना का ऐलान कर दिया और वादा किया कि सत्ता में आने पर ये सब लागू किए जाएंगे.

अचानक खबर आती है कि नीतीश कुमार की यात्रा टल गई है. यात्रा की अगली तारीख आती, उससे पहले दो अहम घटनाएं घटीं. दोनों के केंद्र में

अमित शाह रहे.

पहली घटना हुई संविधान दिवस पर संसद में चली चर्चा के जवाब में राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहब डॉ. भीम राव आंबेडकर को लेकर कुछ ऐसा कहा, जो विपक्ष को नागवार गुजरा और पूरे देश में राजनीतिक दलों ने इसे मुद्दा बनाना शुरू कर दिया. दूसरी घटना हुई एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में नेतृत्व के सवाल पर अमित शाह ने चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री तय करने की बात कह दी.

दूसरी घटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सीधा जुड़ाव था. लिहाजा एक दिन खबर आई कि नीतीश कुमार बीमार हैं और वे उस दिन किसी कार्यक्रम में शिरकत नहीं करेंगे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार बिजनेस कनेक्ट २०२४ में एमओयू साइन करने के दौरान भी मौजूद नहीं थे. ये बात शुक्रवार की है और उसके बाद सोमवार को नीतीश कुमार यात्रा पर निकले.

पश्चिम चंपारण से यात्रा की शुरुआत करने के दौरान या उसके बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से कोई बात नहीं की. अगले दिन मोतिहारी पहुंचे, तब भी चुप रहे. अटल जयंती पर सब बोले, लेकिन नीतीश नहीं बोले. जबकि ऐसी कोई यात्रा इतने साल में नहीं हुई जब नीतीश कुमार कुछ न बोले हों.

नीतीश की ये चुप्पी खल रही है. इस चुप्पी के बीच दो घटना और हो गईं. राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को हटा दिया गया और आरिफ़ मोहम्मद खान को बिहार का राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया. इसके अलावा डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने अटल जी की जन्मशती के मौके पर यह कह दिया कि अपना सीएम बनाने तक सच्ची श्रद्धांजलि नहीं होगी.

इन दोनों घटनाओं के बीच तीसरी और चौथी घटना भी हुई, जिसने नीतीश की नाराजगी की खबरों को और हवा दी. पटना में अटल जयंती का सरकारी कार्यक्रम था. नीतीश के बगल में सम्राट चौधरी की कुर्सी थी और फिर विजय चौधरी की.

नीतीश के दूसरी तरफ की कुर्सी बहुत देर तक खाली रही. विश्लेषकों का कहना है कि इस दौरान सम्राट के चेहरे पर बहुत उत्साह नहीं दिखा.

इस कार्यक्रम के बाद बीजेपी के तमाम नेताओं ने नीतीश की तारीफ की और उन्हें सुशासन का प्रतीक कहा. बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने नीतीश के लिए भारत रत्न की मांग कर दी. ये सारी घटनाएं एक दूसरे से जुड़ी है और ये कोई इत्तेफाक की बात नहीं है कि नीतीश कुमार की इस यात्रा में केवल विजय चौधरी दिख रहे हैं.

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर लालू यादव ने दुख जताया

पटना (एजेंसी): पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर राजद सुप्रीमो लालू यादव ने दुख जताया है. लालू यादव मनमोहन सिंह को याद कर भावुक दिखाई दिए. उन्होंने कहा कि ये देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है. डॉ. मनमोहन सिंह ईमानदार नेता थे. मैं उन्हीं के मंत्रिमंडल में मंत्री था उनके नेतृत्व में, उनका बहुत बड़ा सहयोग मुझे मिला. उनके निधन की खबर सुनकर गहरा आघात लगा है. ईश्वर ये प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें.

राजद नेता और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने भी मनमोहन सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया है. उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर लिखा कि इतिहास आपको याद ही नहीं बल्कि आपका दिवाना रहेगा सर. देश

में आर्थिक सुधारों के जनक, आर्थिक बदलाव के शिल्पकार, मजबूत शख्सियत, महान राजनेता पूर्व प्रधानमंत्री और अभिभावक डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूं. ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें.

तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि सरदार डॉ. मनमोहन सिंह जी ने दशकों तक हमारी अर्थव्यवस्था, देश की अभूतपूर्व प्रगति और विकास की ऐतिहासिक अध्यक्षता की. उनकी बुद्धिमता, सहनशीलता, दूरदर्शिता, विनम्रता और समर्पण को सदैव याद रखा जाएगा. आपकी सौम्यता और सुजनता के अलावा आपके सकारात्मक, उत्साही और प्रेरणादायी शब्द मुझे हमेशा प्रेरित करते रहेंगे.

बता दें कि दिल्ली के एम्स भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के ९२ वर्ष की आयु में निधन हो गया. उनका उम्र से संबंधित बीमारियों के लिए इलाज किया जा रहा था और २६ दिसंबर २०२४ को घर पर अचानक वह बेहोश हो गए थे. उन्हें रात ८:०६ बजे एम्स, नई दिल्ली के मेडिकल इमरजेंसी में लाया गया.

तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और रात ९:५१ बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.

बदमाशों ने दहशत फैलाने व जमीन कब्जा को लेकर की फायरिंग, 4 गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) : बिहार की राजधानी पटना में बीती रात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी की वारदात को अंजाम दिया. जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के नीतीश आहार के पास आधी रात अपराधियों ने दर्जन और राउंड की फायरिंग की. बदमाशों ने दहशत फैलाने और जमीन कब्जा को लेकर की फायरिंग की. मौके पर पहुंचे दानापुर एसपी ने फायरिंग करने वाले ४ आरोपियों को २ देसी कट्टा और २ जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया है.

पटना जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के मठियापुर काली मंदिर के पास फायरिंग हुईं. इस घटना से इलाके में दहशत फैल गईं. घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और सक्रिय कार्रवाई करते हुए अपराधियों का पीछा किया. इसके बाद आरोपियों को पकड़ लिया.

दानापुर एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि नीतीश आहार के पास गोलीबार कर भाग रहे बदमाशों को पकड़ लिया गया है. उन्होंने कहा कि पुलिस ने फायरिंग में शामिल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से दो देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं. पुलिस ने बताया कि सभी अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है. इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों.

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक संवेदना

केन्दुआ (ससे) : गोघर स्थित कांग्रेस पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस पार्टी का झंडा झुका कर और दो मिनट का मौन रखा। स्थानीय महागठबंधन के कार्यकर्ता और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि दी और शोकसंवेदना प्रकट किया। सभी उपस्थित लोगो ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री सिंह जी के द्वारा आर्थिक उदारीकरण, आरटीआई, मनरेगा, आधार आईडी, फूड सिक्योरिटी बिल इत्यादि पर किए गये अदुतीय कार्य को याद किया गया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मासस के वरीय नेता हरिप्रसाद पप्पू, प्रदेश कांग्रेस सदस्य रामगोपाल भुवानियां,वरीय नेता श्रीराम चौरसिया, संजय जायसवाल, लक्ष्मण तिवारी, सत्यपाल सिंह ब्रोका, अवधेश पासवान, वरीय नेता रामचंद्र चौहान, अन्नू पासवान, केंदुआ करकेंद नगर कार्यकारी अध्यक्ष बिट्टू सिंह, राजू साव, राजकुमार राजभर, संजय चौहान, मुनीबर हुसैन, प्रमोद यादव, राजेश यादव, राजेश सिंह आदि उपस्थित थे।

एक छात्र की आत्महत्या के बाद अभ्यर्थियों का विरोध तेज

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की ७०वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों की विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है. आज १०वें दिन भी अभ्यर्थी धरने पर पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर धरने पर बैठे हुए हैं और परीक्षा रद्द करने को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं. वहीं बीपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र की आत्महत्या के बाद से अभ्यर्थियों का विरोध और ज्यादा आक्रोशित हो गया है.

इसी के चलते बीपीएससी अभ्यर्थियों ने आज २७ दिसंबर को कहा कि वे सभी आज रात भर इंतजार करेंगे और अगर कोई सकारात्मक खबर नहीं मिलती है तो कल २८ दिसंबर दिन शनिवार को मार्च करेंगे. अभ्यर्थियों ने कहा कि उम्मीद है कि कल सुबह तक बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरफ से कोई सकारात्मक खबर मिले. यदि समाधान नहीं होता है तो कल किसी भी कीमत पर हम सब मार्च करेंगे.

अभ्यर्थियों ने आगे बताया कि सीएम हाउस, उन्नक्षा ऑफिस में डेलिगेशन ने जाकर ज्ञापन दिया है. बता दें कि बीते १० दिनों से हजारों अभ्यर्थी पटना के गर्दनीबाग धरनास्थल पर धरने बैठे हुए है. सभी अभ्यर्थी री-एग्जाम की मांग कर रहे है. वहीं प्रदर्शन कर रहे इन हजारों अभ्यर्थियों को पटना के फेमस खान सर, चर्चित शिक्षक गुरु रहमान और जन सुराज के संयोजक और पूर्व में चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर का भी पूरा समर्थन है. वहीं इन छात्रों को भाजपा प्रवक्ता कुंतल कृष्णा ने कहा कि बीपीएससी अभ्यर्थी जो हमारे परिवार के छोटे भाई बहन अपनी कुछ मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. उनको भड़काने कुछ बाहरी कुछ शिक्षा के दुकानदार वहां पर गए थे. तथाकथित कुछ कोचिंग संचालक वहां गए थे. छात्रों ने उनके साथ जो किया बिल्कुल ठीक किया.

बीपीएससी के एग्जामिनेशन कंट्रोलर राजेश कुमार सिंह ने कहा कि निराधार बातों को लेकर बच्चे धरना प्रदर्शन कर रहें हैं. जबकि उनके आरोपों में कहीं कोई सत्यता नहीं है. उन्होंने कहा कि अप्रैल महीने में मेंस की परीक्षा संभावित है. जबकि पटना के बापू परीक्षा केंद्र की परीक्षा का दिन भी निर्धारित है. लिहाजा समय जाया न करें और अभ्यर्थी तैयारी में जुट जाए.

बाघमारा सीओ का पुतला दहन स्थगित

कतरास (ससे) : अंचल कार्यालय बाघमारा में धरना दे रहे रैयतों का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को बाघमारा सीओ का पुतला दहन कार्यक्रम निर्धारित था। लेकिन तय समय में स्थानीय पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप से धरना दे रहे रैयतों ने फिलहाल पुतला दहन कार्यक्रम को स्थगित कर दिया। बताया जाता है कि समस्याओं का निष्पादन नहीं होने के कारण शुक्रवार को लगभग २:३० बजे रैयतों ने अंचल अधिकारी बाघमारा बाल किशोर महतो का पुतला दहन करने की तैयारी कर ली थी। सभी रैयत पुतला पकड़कर बाघमारा सीओ के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला में आग लगाने ही वाले थे कि बाघमारा सीओ की पहल पर स्थानीय प्रशासन ने पुतला दहन करने से रोक दिया। पुलिस के हस्तक्षेप से सभी रैयतों के साथ बाघमारा सीओ ने अपने कक्ष में वार्ता की।

मीडिया को जानकारी देते हुए ग्राम स्वराज के संस्थापक जगत महतो व रैयत सह आरटीआई कार्यकर्ता अरबिन्द सिन्हा ने कहा कि बाघमारा सीओ ने आश्वासन दिया है कि १ सप्ताह में सभी मामलों का बिंदुवार रूप से समाधान किया जाएगा। जगत महतो ने कहा कि ५ तारीख तक यदि रैयतों के मामलों का निष्पादन नहीं हुआ तो आंदोलन आगे बढ़ेगा। जिसका जिम्मेदार अंचल अधिकारी बाघमारा होंगे। इधर बाघमारा सीओ ने मीडिया को बताया कि रैयतों के साथ सकारात्मक वार्ता हुई है। आगामी ५ जनवरी से १० जनवरी के बीच सभी मांगों का बिंदुवार रूप से निष्पादन करने का आश्वासन दिया गया।

डॉ. मनमोहन सिंह का निधन अपूर्णिय क्षति : छम छम देवी

जामाडोबा (ससे) : झारखंड प्रदेश किन्नर समाज के प्रदेश अध्यक्ष छम छम देवी किन्नर ने शुक्रवार को अपने आवास जामाडोबा में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। छम छम देवी ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का निधन भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। साथ ही इन दिनों हो रहे कड़ाके की ठंड को देखते हुए गरीबों के बीच गर्म कपड़े का वितरण भी किया। इस मौके पर छम छम देवी किन्नर, रेखा किन्नर, श्वेता किन्नर, निर्मला किन्नर भी मौजूद थीं।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

कालीमेला (ससे) : भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। वह ९२ साल के थे। डॉ सिंह साल २००४ से लेकर साल २०१४ तक देश के प्रधानमंत्री रहे थे। उनके निधन पर डुमरी के सिक्ख समाज ने पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीर पर फूल माला चढ़ा कर उनको नमन किया और शोक प्रकट किए। दो मिनट का मौन रखा। उनके नाम की अरदास की गई। मोनू सिंह, गगन सिंह, प्रिंस सिंह, रोशन सिंह, छोटू सिंह, अवतार सिंह, पुनू सिंह ,हरजीत सिंह तथा अमन सिंह आदि शोक सभा में शामिल थे।

केंद्र ने मनमोहन सिंह की स्मृति में स्मारक बनाने का अनुरोध किया खारिज

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी से पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह की स्मृति में स्मारक बनाने का अनुरोध किया।मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की और एक पत्र लिखकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से अनुरोध किया कि भारत के सपूत सरदार मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार व स्मारक स्थापित करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी, हालांकि सरकार ने कांग्रेस की मांग खारिज कर दी है।यानी राजघाट के आसपास या अटल जी के स्मारक जैसी कांग्रेस की मांग को केंद्र ने खारिज कर दिया.

बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का गुरुवार की रात को निधन हो गया था।कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में प्रस्ताव पारित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई है।इस बीच गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है

किशनिवार को सुबह ११.४५ बजे निगम बोध घाट में डॉ मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि डॉ मनमोहन सिंह के लिए अलग स्मारक की कांग्रेस पार्टी की मांग पार्टी के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के उस फैसले से अलग है, जिसमें उसने दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए स्मारक बनाने की मांग को खारिज कर दिया था।साल २००० में, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने अलग-अलग नेताओं के लिए अलग-अलग स्मारक नहीं बनाने का फैसला किया था, क्योंकि राजघाट क्षेत्र में मौजूदा स्मारक दिल्ली में २४५ एकड़ से अधिक प्रमुख भूमि पर बना है। साल २०१३ में, मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-२ सरकार ने ऐसे वीवीआईपी के अंतिम संस्कार के लिए राजघाट पर राष्ट्रीय स्मृति स्थल नामक एक साझा स्मारक स्थल स्थापित करने का फैसला किया।पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी का अंतिम संस्कार भी २०१८ में यमुना नदी के तट पर राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर किया गया था. राष्ट्रीय स्मृति स्थल जवाहरलाल नेहरू के स्मारक शांति वन और लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक विजय घाट के बीच स्थित है।

योगी सरकार अयोध्या को देने जा रही एक और खास सौगात

अयोध्या (एजेंसी): योगी सरकार रामनगरी अयोध्या को एक और सौगात देने जा रही है। योगी सरकार भगवान राम के वन गमन पर आधारित पंचवटी द्वीप का निर्माण करवा रही है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के वीसी अश्वनी पांडे ने बताया कि सरयू नदी के किनारे जमथरा घाट पर लगभग ७५ एकड़ में १०० करोड़ रुपए की लागत से पंचवटी द्वीप बनाया जा रहा है। पर्यटन के लिहाज से श्रद्धालुओ के लिए टेंट सिटी फोड हब और बच्चों के एंजॉय के लिए भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अश्वनी पांडे ने कहा कि पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या को आकर्षण के केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं।

उसी क्रम में अयोध्या में निलयम पंचवटी द्वीप प्रॉजेक्ट लॉन्च किया जा रहा है। निलयम पंचवटी द्वीप में आने वाले पर्यटकों को प्रभु राम के जीवन चरित्र से जुड़े प्रसंगों की जानकारी के साथ त्रेता युगीन व्यवस्था का भी अनुभव और आभास हो सके, ऐसा प्रयास किया जा रहा है। पंचवटी द्वीप में मूर्तियों के माध्यम से चाहे वह ऋषि मुनि हो या फिर अहिल्या हो श्रद्धालुओं को रामायण कालीन प्रसंग को बताने की कोशिश की जा रही है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के वीसी अश्वनी पांडे व निलयम पंचवटी द्वीप प्रॉजेक्ट मैनेजर यादवेंद्र ने बताया कि द्वीप के निर्माण पर करीब १०० करोड़ रुपये का खर्च आएगा और यह ७५ एकड़ में बनकर तैयार हो रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या के जमथरा घाट पर निलयम पंचवटी द्वीप बसाया जा रहा है। अयोध्या में प्रभु रामलला के दर्शन के लिए देश-विदेश से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन के बाद प्रभु राम के जीवन दर्शन को आत्मसात करने का मौका मिलेगा।

लक्ष्मी सिंह, प्रशांत कुमार व नीलाब्जा चौधरी बनेंगे एडीजी

लखनऊ,(ईएमएस): यूपी सरकार ने नए साल पहले पुलिस के ७० आईपीएस अफसरों को प्रमोशन का तोहफा दिया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई डीपीसी बैठक में यह फैसला लिया गया। ३१ दिसंबर को डीजी सीबीसीआईडी एसएन साबत के रिटायर होते ही एडीजी अभियोजन दीपेश जुनेजा डीजी संभालेंगे। इसके साथ ही २००० बैच के तीन आईपीएस ऑफिसर जिसमें नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, आईजी रेंज लखनऊ प्रशांत कुमार और आईजी एटीएस नीलाब्जा चौधरी एडीजी के पद पर प्रमोट किए गए हैं।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में ७० आईपीएस अफसरों की डीपीसी पूरी कर ली गई है। अब आदेश जारी होते ही आईपीएस ऑफिसर प्रमोट किए जाएंगे। इसके साथ ही २००७ बैच के १० आईपीएस अफसर को आईजी पद पर प्रमोट करने पर सहमति बनी है, जिसमें डीआईजी देवी पाटन मंडल अमित पाठक, कानपुर आईजी रेंज जोगिंदर कुमार डीजीपी मुख्यालय में तैनात रवि शंकर छवि, डीआईजी सुरक्षा विनोद कुमार सिंह, कानपुर पुलिस कमिश्नर रेट में डीआईजी विपिन कुमार मिश्रा, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में तैनात डीआईजी भारती सिंह, पुलिस अकादमी मुरादाबाद में डीआईजी बाबूराम, डीआईजी मिर्जापुर रेंज राकेश प्रकाश सिंह, डीआईजी १०९० योगेश सिंह और डीआईजी अभियोजन गीता सिंह एक जनवरी २०२५ से आईजी पद पर प्रमोट कर दिए जाएंगे। इसके साथ ही २०१० और २०११ बैच के आईपीएस अफसर डीआईजी पद पर प्रमोट किए जाएंगे। डीआईजी बनने वालों में शैलेश पांडे, अजय कुमार, अभिषेक सिंह, अजय पाल शर्मा, राजेश एस, आलोक प्रियदर्शी, सुधा सिंह, हेमंत कुटियाल, शालिनी, स्वप्निल ममगाईं, डॉ. प्रदीप कुमार, अरुण कुमार श्रीवास्तव, विकास कुमार वैद्य, राजेश कुमार सक्सेना, डॉक्टर अरविंद चतुर्वेदी, सुनीता सिंह, दिनेश सिंह, कमला प्रसाद यादव, अरविंद कुमार मौर्य शामिल हैं। इसके अलावा २०१२ बैच के १५ आईपीएस अफसर एसपी से एसएसपी बनाए जाएंगे। वहीं २० आईपीएस अफसर को एएसपी से एसपी पद पर भी प्रमोट किया जाएगा।

पूर्व पीएम के निधन पर पंजाब में भी सात दिन का राजकीय शोक

चंडीगढ़,(ईएमएस): देश के पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर पंजाब में भी सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। राज्य में तिरंगा आधा झुका रहेगा और राज्य सरकार की ओर से किसी मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा। बता दें कि पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह का ९२ साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्हें गुरुवार को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। रात ९:५१ बजे डॉक्टरों ने उनके निधन की सूचना दी। डॉ. मनमोहन सिंह भारत के प्रखर अर्थशास्त्री थे और १९९१ में देश में आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया की शुरुआत करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

सीएम के निर्देश पर रांची के परिक्षेत्रीय जोनल पुनर्विकास की पहल शुरू

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर राजधानी रांची के परिक्षेत्रीय पुनर्विकास की पहल शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने रांची के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया. राज्य सरकार की पेयजल उपलब्धता की प्राथमिकता को देखते हुए प्रधान सचिव ने रूक्का में निर्माणाधीन जल शोधन संयंत्र का जायजा लिया. साथ ही राजधानी में सांस्कृतिक गतिविधियों को गति प्रदान करने के लिये निर्माणाधीन रविंद्र भवन का निरीक्षण किया.

राजधानी की प्रमुख सड़कों का गुणात्मक सुधार करें : प्रधान सचिव

प्रधान सचिव ने जुडको द्वारा रांची के परिक्षेत्रीय विकास से संबंधित तैयार किये गये प्रस्तावों को देखा और रांची नगर निगम क्षेत्र के समेकित पुनर्विकास के लिए चिह्नित विभिन्न सड़कों व चौक चौराहों का भौतिक निरीक्षण किया. इस दौरान प्रधान सचिव कचहरी चौक, चडरी मार्ग व नियोजन कार्यालय स्थित मार्ग के विकास से संबंधित संभावनाओं को देखा.

वर्तमान में उन मार्गों की वस्तुस्थिति को देखने के बाद उन्होंने कई आवश्यक निर्देश जुडको के अभियंताओं को दिया. उन्होंने अभियंताओं से कहा कि यह सभी मार्ग राजधानी की हृदयस्थली में स्थित हैं, इनकी स्थिति में संयुक्त गुणात्मक सुधार की जरूरत है. इसलिए सड़क यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा से जुड़ी सभी पहलुओं को प्राथमिकता देते हुये प्रस्ताव को त्वरित अंतिम रूप से तैयार करें.

उन्होंने निर्देश दिया कि पुनर्विकास कार्यक्रम के तहत सड़कों का सतह नवीनीकरण करते हुए गुणवत्ता के साथ विकसित हो. सड़कों पर समुचित ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था हो. पैदल चलने वाले राहगीरों को आरामदायक फुटपाथ के साथ खूबसूरत स्ट्रीट लाइटिंग की सुविधा मिले. सड़कों पर डेकोरेटिव लाइट लगाई जायें.

जनसुविधा के निमित्त शौचालय व ट्राफिक बूथ का निर्माण हो, सड़कों के डिवाडर का तकनीकी रूप से सुयोग्य विकास एवं उन्नयन कार्य करें. डिवाडरों पर आकर्षक पौधे लगायें.

पाइपलाइन बिछाने के कार्य में गति लाने का दिया निर्देश

प्रधान सचिव ने रूक्का जलागार स्थित निर्माणाधीन जल शोध संयंत्र का निरीक्षण किया. उन्होंने एजेंसी व जुडको के अभियंताओं को आगामी गरमी के मौसम को देखते हुए जल शोधन संयंत्र का कार्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया. उन्होंने रांची शहरी पेयजलापूर्ति से संबंधित पाइप लाइन के नेटवर्किंग का नक्शा भी देखा और पाइपलाइन बिछाने के कार्य में गति लाने का निर्देश दिया.

उन्होंने कहा कि पाइप बिछाने के दौरान कम से कम सड़क की कटाई एवं खुदाई करें. प्रधान सचिव ने जुडको के अभियंताओं को तिलता चौक से रातू पिस्का मोड़ तक पाइप बिछाने के कार्य में आ रही बाधा पर एनएचआई के साथ समन्वय बना कर काम करने का निर्देश दिया.

रविंद्र भवन के कार्य में लायें तेजी

प्रधान सचिव ने निर्माणाधीन रविंद्र भवन का भी निरीक्षण किया. उन्होंने एजेंसी को निर्देश दिया कि राशि की कमी नहीं होगी. समय पर राशि उपलब्ध होगी. इसलिए जल्द कार्य पूरा करें. उन्होंने कहा कि राज्य की संस्कृति पर आधारित इस सांस्कृतिक रविंद्र भवन के संचालन के लिए दिल्ली के भारत मंडपम की नियमावली का अध्ययन भी किया जाये.

पूरे निरीक्षण में प्रधान सचिव के साथ सुडा निदेशक अमित कुमार, रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप कुमार, जुडको के पीडीटी गोपालजी, पीडीए अरविंद कुमार मिश्र, पीडीएफ अमित कुमार, जीएम एस सेनगुप्ता, डीजीएम आलोक कुमार, डीपीडी उत्कर्ष मिश्र, पीएम शितांषु वैभव, पीएम अनुराग कुमार, पीएम शशांक शेखर, डीपीएम राहुल कुमार, डीपीएम प्रत्युष आनंद, डीपीएम ऋजु श्रीवास्तव व एपीएम अभिषेक कुमार मौजूद थे.

रिम्स अस्पताल की बदहाली पर भड़के इरफान अंसारी, जल्द सुधार के दिए आदेश

रांची (एजेंसी): राज्य के प्रमुख अस्पताल रिम्स का हाल बेहाल है. स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अस्पताल का निरीक्षण कर इसकी पुष्टि की है. मंत्री ने अस्पताल में कई कमरे बंद और मशीनें बेकार पड़ी पाईं. उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को फटकार लगाते हुए इन कमरों को खोलने और मशीनों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया. निरीक्षण के दौरान मंत्री ने देखा कि अस्पताल में कई जगह फर्श टूटे हुए हैं और मरीजों के लिए पर्याप्त बेड नहीं हैं. इसपर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने रिम्स में सुधार के लिए कई कदम उठाने का आदेश दिया है. पुराने उपकरणों को बदला जाएगा, इमरजेंसी में बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी और सेंट्रल लैब को जल्द शुरू किया जाएगा. स्वास्थ्य विभाग के सचिव अजय सिंह ने बताया कि रिम्स में इमरजेंसी में केवल ४० बेड हैं, जिन्हें बढ़ाकर ८० किया जाएगा. यह काम अगले दो महीने में पूरा हो जाएगा. वहीं रिम्स निदेशक ने माना कि अस्पताल में बेड की कमी है और मरीजों को परेशानी होती है. उन्होंने कहा कि वे मंत्री के निर्देशों का पालन करेंगे और अस्पताल में सुधार लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे.

हाईकोर्ट ने रेप व हत्या केस में दोषसिद्धि को खारिज किया, चतरा सिविल कोर्ट का आदेश रद्द

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने रेप और हत्या मामले में एकमात्र गवाह के बयानों में विरोधाभास को देखते हुए निचली अदालत द्वारा दी गई सजा को रद्द करते हुए मिथिलेश कुमार सिंह और सुनील चौबे को बरी कर दिया. हाईकोर्ट रेप और हत्या के एक कथित मामले में दोषसिद्धि के एक ही निर्णय से उत्पन्न दो आपराधिक अपीलों पर सुनवाई कर रहा था, जहां सूचक पीड़ित महिला की पुत्री थी.

उसने अपने प्रारंभिक बयान और विरोध याचिका में जिन व्यक्तियों का नाम लिया था, उनके बीच विसंगति थी. अपने फैसले में हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की बेंच ने कहा कि ऐसे मामले में जहां अकेले गवाह की गवाही विश्वास पैदा करती है और यह पूरी तरह से विश्वसनीय है, यह दोषसिद्धि और सजा का फैसला सुनाने का आधार हो सकता है.

लेकिन इस मामले के तथ्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि विरोधाभासी बयानों के आधार पर किसी अन्य पुष्टि के बिना भरोसा नहीं किया जा सकता, इसलिए दोषसिद्धि और सजा का फैसला रद्द किया जाता है. दरअसल चतरा जिले के वशिष्ठ नगर थाना में मिथिलेश कुमार सिंह और सुनील चौबे के खिलाफ एक महिला के दुष्कर्म और उसकी हत्या का आरोप लगाते हुए कांड संख्या ९/२००० दर्ज किया गया था.

करीब दो वर्षों तक चले ट्रायल के बाद चतरा सिविल कोर्ट ने दोनों को दोषी करार दिया था. सिविल कोर्ट के आदेश के खिलाफ दोनों ने हाईकोर्ट का रुख करते हुए अपील दाखिल की थी. अपीलकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अभय कुमार चतुर्वेदी और राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक पंकज कुमार ने पक्ष रखा.

झारखंड में जातीय जनगणना की मांग तेज, कांग्रेस ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उठाया मुद्दा

रांची (एजेंसी): झारखंड में जातीय जनगणना की मांग जोर पकड़ रही है. सत्तारूढ़ जेएमएम के सहयोगी दल कांग्रेस और राजद प्रमुखता से इस मुद्दे को उठा रहे हैं. कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कर्नाटक के बेलगांव में गुरुवार को आयोजित कांग्रेस की विस्तारित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जातीय जनगणना का मुद्दा प्रमुखता से उठाया.

हेमंत सरकार को इस मामले में जल्द से जल्द करना चाहिए पहल

प्रदीप यादव ने बैठक में कहा कि झारखंड में जातीय जनगणना का मामला अभी लंबित है. उन्होंने बैठक में सुझाव देते हुए कहा कि राज्य में जातीय जनगणना होनी चाहिए. उन्होंने हेमंत सरकार से जल्द से जल्द इस पर पहल करने का आग्रह किया.

इधर हेमंत मंत्रिमंडल में राजद के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने भी जमशेदपुर में यादव समाज की वार्षिक आमसभा में कहा कि झारखंड में जातीय जनगणना करायी जायेगी. ताकि यह स्पष्ट हो सके कि राज्य में किस समुदायों की कितनी आबादी है. इससे सरकार को जाति प्रमाणपत्र और नौकरी दिलाने में मदद मिलेगी.

कांग्रेस और राजद प्रमुखता से उठा रही जातीय जनगणना का मुद्दा

बता दें कि कांग्रेस इस मामले में एक मजबूत समर्थक रही है. राहुल गांधी लगातार पिछड़े वर्गों और वंचित तबकों के लिए आवाज उठाते रहे हैं. वहीं राजद भी इस मुद्दे को लेकर सक्रिय है. पार्टी ने बिहार में होने वाले विधानसभा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न मंचों के जरिये जातीय जनगणना का मुद्दा उठा रही है. राजद ने अपने चुनाव घोषणापत्र में जातीय जनगणना का वादा किया था. दोनों पार्टियों का समर्थन यह दर्शाता है कि इस मुद्दे को राजनीतिक स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है.

विधिक जागरूकता शिविर में समाज की कुप्रथाओं पर लोगों के किया गया जागरूक

रांची (एजेंसी): झालसा के निर्देश पर रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के मार्गदर्शन में डालसा रांची के तत्वावधान में शुक्रवार को रातु प्रखंड के तिगड़ा पंचायत में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया.

इस शिविर में मौजूद महिला, पुरुष और बच्चों के बीच डालसा की दस योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. साथ ही, डीएलएसए रांची द्वारा गरीबों, महिलाओं और पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने के बारे में बताया गया.

शिविर में बाल विवाह, बाल श्रम और अन्य कुप्रथाओं की रोकथाम एवं उन्मूलन के बारे में जागरूक किया गया.

इसके अतिरिक्त, श्रम कार्ड बनवाने, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, बालिकाओं को शिक्षित करने, बच्चों के टीकाकरण जैसे विषयों पर भी जानकारी दी गई.

जागरूकता शिविर में एलएडीसी वीरेंद्र प्रताप, लॉ स्टूडेंट्स, पारा लीगल वालंटियर पुष्पलता कुमारी, सुनीता कुमारी, नीतू देवी, बेबी देवी, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के शौर्य, पंचायत के मुखिया, एसजीडब्ल्यू एनजीओ के धीरज राय सहित अन्य लोग शामिल थे. कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह की रोकथाम और उन्मूलन के लिए सामूहिक रूप से शपथ ली गई.

जल्द खत्म हो सकता है पूजा सिंघल का सस्पेंशन कानूनी पहलुओं पर किया जा रहा विचार

रांची (एजेंसी): करीब २८ माह बाद जेल की सलाखों से छूटकर आयी राज्य की वरीय आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल का निलंबन जल्द खत्म हो सकता है. इसके लिए कानूनी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, पूजा सिंघल का निलंबन खत्म करने के लिए कानूनी जानकारों से राय ली जा रही है. कानूनी बिंदुओ पर राय मिलने के बाद उनका निलंबन खत्म हो जायेगा. जिसके बाद उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है. बता दें कि पूजा सिंघल को इसी महीने की सात तारीख को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया है. हालांकि वह अभी भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभियुक्त हैं. लेकिन कानूनी प्रावधानों के अनुसार, जेल से बाहर रहने के दौरान उनका सस्पेंशन खत्म किया जा सकता है. बता दें कि मनरेगा घोटाला की अभियुक्त आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को ईडी ने ११ मई को गिरफ्तार किया था. इससे पहले पांच मई २०२२ को ईडी ने पूजा सिंघल के २५ ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस छापेमारी में ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी. केंद्रीय एजेंसी की छापेमारी के दौरान पूजा सिंघल के सीए सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से १९.३१ करोड़ कैश बरामद हुए थे.

जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार 2024 के पोस्टर का हुआ विमोचन

रांची (एजेंसी): उम्मीद फाउंडेशन की ओर से जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार २०२४ का आयोजन पांच जनवरी को ऑड्रे हाउस किया जाएगा. इस आयोजन को लेकर शुक्रवार को मोरहाबादी स्थित निजी रेस्टोरेंट में पोस्टर का विमोचन किया गया. पोस्टर का विमोचन उम्मीद फाउंडेशन के संस्थापक रितेश उरांव, सचिव निरंजन भारती, केंद्रीय अध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ प्रदीप मिर्धा, प्रदेश अध्यक्ष सोनू खलको, मुख्य संरक्षक शंकर दुबे, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के शैलेंद्र दुबे, संगीता तिर्की केंद्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा ने किया.

मौके पर रितेश उरांव ने बताया कि इस वर्ष जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार के तहत ५ कैटेगरी में पुरस्कार दिए जाएंगे. इनमें जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न पुरस्कार, जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार, गुरु सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार, गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार (जीवंत पर्यंत) और झारखंड खेल प्रोत्साहन पुरस्कार शामिल है. इन सभी केटेगरी में खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों, खेल को बढ़ावा देने वाले संस्थाओं आदि को पुरस्कृत किया जाएगा. खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों, खेल को बढ़ावा देने वाले संस्थाओं के चयन के लिए कमिटी का गठन किया गया है. कमिटी जल्द ही इस सभी को चयनित कर सूची सौंपगी. इस सभी लोगों के नामों की घोषणा जल्द की जाएगी. प्रदीप मिर्धा ने कहा कि उम्मीद फाउंडेशन हर साल हॉकी के जादूगर जयपाल सिंह मुंडा के जन्म तिथि पर खेल पुरस्कार का आयोजन करती है. इस वर्ष भी आयोजन को भव्य रूप देने का कार्य किया जा रहा है. पोस्टर विमोचन में संगीता तिर्की केंद्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा, मुकेश भगत रचनात्मक निदेशक, सूरज टोप्पो संरक्षक, पंकज कुशवाहा सचिव, विक्की करमाली सचिव, अनिरुद्ध पांडे सलाहकार, पवन कुमार, अक्षय तिवारी, विशाल भारद्वाज, मुन्ना टोप्पो मौजूद थे.

डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व ने भारत को एक नई आर्थिक दिशा दी: सुबोधकांत सहाय

रांची: पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि, पूर्व पीएम के निधन से मैं शोकाकुल हूं. वह एक महान अर्थशास्त्री और उत्कृष्ट नेता थे. प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में उनके योगदान को हमेशा स्मरण किया जाएगा. सुबोधकांत सहाय ने कहा कि उन्हें वर्ष २००४ से २०१४ तक डॉ. मनमोहन सिंह के मंत्रिमंडल में काम करने का अवसर मिला.

सुबोधकांत सहाय ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा. झारखंड से भी उनका गहरा लगाव था. औद्योगिक विकास के प्रति उनकी सकारात्मक सोच हमेशा प्रेरणादायक रही. एचईसी के पुनर्जीवन और रिवाइवल के प्रति उन्होंने गंभीरता दिखाई और एशिया के प्रसिद्ध एचईसी कारखाने को उनके नेतृत्व में ही रिवाइवल पैकेज प्राप्त हुआ. अपने प्रधानमंत्री के कार्यकाल में झारखंड के विकास के लिए वह हमेशा तत्पर रहते थे. मनरेगा जैसी जनहित में बनाई गई कल्याणकारी योजना को लांच करने के लिए उन्होंने झारखंड को ही चयनित किया था.

पृष्ठ एक का शेषांश

आज राजकीय सम्मान के साथ---

भी अंतिम यात्रा में शामिल होते हैं और पारंपरिक मार्च करते हैं। देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार दिल्ली में विशेष स्मारक स्थलों पर किया जाता है, जैसे जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का अंतिम संस्कार राजघाट परिसर में किया गया था। वहीं कई पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए अलग से समाधि स्थल भी बनाया जाता है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के---

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने लिखा कि पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन से देश ने एक सच्चा देशभक्त, महान अर्थशास्त्री और सादगी का प्रतीक खो दिया. १९९१ के आर्थिक संकट में उनका दूरदर्शी नेतृत्व भारत के लिए वरदान साबित हुआ. उनके सुधारों ने करोड़ों भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाया.

कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सूचना क्रांति, मनरेगा, किसानों की कर्जमाफी और शिक्षा के अधिकार जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए, जिनका लाभ भारत आज भी उठा रहा है. उनकी ईमानदारी, विनम्रता और राष्ट्रसेवा का हर भारतीय सदैव ऋणी रहेगा. यह युगांतकारी क्षति है. विनम्र श्रद्धांजलि.

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने लिखा कि पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की खबर बेहद दुखद है. डॉक्टर साहब ने अपनी सादगी, ईमानदारी और अपार विद्वता से इस देश को नई दिशा दी थी. वो भारत के आर्थिक सुधारों के शिल्पकार और करोड़ों लोगों की उम्मीदों का चेहरा थे, उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकेगा. कांग्रेस नेत्री ने आगे लिखा कि डॉ. सिंह न केवल एक नेता थे, बल्कि एक प्रेरणा थे. एक ऐसा व्यक्तित्व जिसने बिना किसी शोर-शराबे के देश को प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया. उनकी गहरी सोच, विनम्रता और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण हमेशा हमें प्रेरित करेगा. आज भारत ने न केवल एक महान नेता, बल्कि एक सच्चा सपूत खो दिया. मेरा दिल उनके परिवार और हर उस व्यक्ति के साथ है, जिनकी जिंदगी उन्होंने छुई. डॉ. सिंह, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे. ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे.

परिवहन मंत्री दीपक बिरूवा ने लिखा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री माननीय मनमोहन सिंह के निधन से देश मर्माहत है. देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में आपका योगदान अतुलनीय है. ईश्वर आपको अपने श्रीचरणों मे स्थान दें. शांति!

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास मंत्री संजय प्रसाद यादव ने लिखा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन एक युग का अंत हैं. उनकी सादगी, अर्थव्यवस्था पर पकड़ और निस्वार्थ सेवा देश के लिए हमेशा प्रेरणा रहेंगी. ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे. मंत्री संजय ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के पोस्ट को भी रिपोस्ट किया है.

पूर्व प्रधानमंत्री को याद कर--

जब राज्यसभा में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ था तो मैंने कहा था कि उनका बतौर सांसद समर्पण सीखने लायक है। प्रधानमंत्री ने कहा उच्च पदों पर रहने के बावजूद मनमोहन सिंह अपनी जड़ों को कभी नहीं भूले। वे सभी के लिए सहज उपलब्ध रहे। जब मैं मुख्यमंत्री था तो मनमोहन सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुले मन से चर्चा होती थी। दिल्ली आने के बाद भी उनसे समय-समय पर चर्चा होती थी, वो चर्चाएं और मुलाकातें मुझे हमेशा याद रहेंगी। आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं अर्पित करता हूं।

कौन देगा मुखाग्नि, लोगों---

वह श्रद्धा और प्रेम से यह कार्य करती है। शास्त्रों का मुख्य उद्देश्य धर्म और कर्तव्य का पालन करना है, न कि केवल परंपरा का।

हजारीबाग के एसडीओ पर पत्नी को जलाने का आरोप, भाई ने पुलिस से मांगा इंसाफ

हजारीबाग (एजेंसी): हजारीबाग में गुरुवार को एक चौकाने वाली घटना घटी है. सदर एसडीओ अशोक कुमार की पत्नी अनीता कुमारी (३४) गुरुवार सुबह सात बजे गंभीर रूप से जल गयीं. उन्हें बचाने में एसडीओ अशोक कुमार भी झुलस गये हैं. आग कैसे लगी, इसका अभी तक खुलासा नहीं हुआ है.

दूसरी तरफ एसडीओ की पत्नी के भाई राजू कुमार गुप्ता ने लोहसिंघना थाना में आवेदन देकर एसडीओ और उनके परिजनों पर उनकी बहन को जलाने का आरोप लगाया हैं. थाना में दी गयी शिकायत में कहा गया है कि गुरुवार की सुबह ०८.४५ बजे मेरी छोटी बहन अनीता कुमारी के जलने के बारे में सूचना दी गयी.

आनन-फानन में फिर फोन किया, तो पता चला कि आरोग्यम हॉस्पिटल हजारीबाग से रेफर कर दिया गया है. बोकारो इन्नड हॉस्पिटल लेकर जा रहे है, रास्ते में है, जबकि घटना कैसे घटी, कब हुई, यह नहीं बताया गया.

तारपीन तेल छिड़ककर जलाने का प्रयास किया

राजू गुप्ता ने कहा कि उन्हें यह पता चला कि यह घटना सुबह ०७.०० बजे की है. जब हमलोग बोकरो इन्नड हॉस्पिटल पहुंचे, तो देखा कि मेरी बहन का शरीर और चेहरा काफी जल गया है. संबंधित हास्पिटल के डॉक्टर से मिलने पर बताया गया कि अनीता कुमारी का ६५ प्रतिशत भाग जल गया है. राजू गुप्ता ने आरोप लगाया कि उनकी बहन पर तारपीन तेल से छिड़ककर पति अशोक कुमार, उसके भाई शिवनदंन कुमार, रिंकु देवी और दुर्योधन साव ने षडयंत्र रच कर जान मारने की कोशिश की.

पति अशोक कुमार का किसी दूसरी महिला से संबंध था.

राजू गुप्ता के अनुसार, मेरी बहन बार-बार बोलती थी कि मेरे पति अशोक कुमार का किसी दूसरी महिला से अवैध संबंध था. इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होता रहता था. एक बार इस मामले में हमारे परिवारवालों नेअशोक कुमार के परिवारवालों के सात बैठकर बातचीत की. जिसमें अशोक कुमार ने कहा कि अगली बार से शिकायत का मौका नहीं मिलेगा. फिर एक बार बीच में भी इसी मामले में दोनों पति-पत्नी में विवाद हुआ. इसके बाद फिर हमलोग उनके यहां पहुंचे, इस बार अशोक कुमार के द्वारा कहा गया कि जहां जाना जाओ तुमलोग. मुझे फर्क नहीं पड़ता. मैं खुद अनुमंडल पदाधिकारी हूं. तुम सबको बर्बाद कर दूंगा.

मेरी बहन जान बचाने के लिए इधन-उधर भाग रही थी

राजू गुप्ता ने कहा कि इस घटना के बारे में जब पता करने का प्रयास किया तो जानकारी मिली कि जब जलाया जा रहा था, तो मेरी बहन जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रही थी, वह काफी चिल्ला रही थी.

काफी हो-हल्ला हो रहा है. पति अशोक कुमार, ससुर दूर्योधन साव, छोटे देवर शिवनंदन कुमार और छोटी गोतनी रिंकु देवी के द्वारा मेरी बहन को पकड़कर जलाया जा रहा था. जब इनलोगो को लगा कि यह मर जायेगी तो आनन फानन में हॉस्पिटल ले गये.

व्यायाम से बुजुर्गों की याददाश्त में हो सकता है सुधार

क्या आप अक्सर भूल जाते हैं? तो घबराइए नहीं। एक शोध में यह बात सामने आई है कि तेज चलना, डांस करना या सीढ़ियां चढ़ना आपकी याददाश्त बढ़ाने में महत्वपूर्ण हो सकता है और इसका लाभ एक दिन तक बना रह सकता है।

पिछले शोधों में कहा गया था कि व्यायाम के बाद कुछ घंटों में लोगों की याददाश्त में सुधार हो सकता है। लेकिन इसका यह लाभ कितने समय तक बना रह सकता है, इस बात का खुलासा नहीं किया गया था। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए नए अध्ययन से पता चला है कि 50 से 83 वर्ष की आयु के लोग जितनी अधिक मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि (जो हृदय गति बढ़ा सकती है) करेंगे, अगले दिन उनकी याददाश्त उतनी ही बेहतर होगी। कम समय तक बैठे रहना और छह घंटे या उससे अधिक सोना भी अगले दिन स्मृति परीक्षणों में बेहतर स्कोर से जुड़ा था।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिहेवियरल न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एक्टिविटी में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि के अल्पकालिक स्मृति लाभ पहले की तुलना में अधिक समय तक रह सकते हैं। यूसीएल में महामारी विज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल संस्थान की प्रमुख लेखिका डॉ. मिकाएला ब्लूमबर्ग ने कहा कि लाभ व्यायाम के कुछ घंटों बाद के बजाय अगले दिन तक बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 卐अधिक नींद लेना, विशेष रूप से गहरी नींद, इस स्मृति सुधार में योगदान देती है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि अल्पावधि में व्यायाम करने से मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बढ़ता है। यह नोरएपिनेफ्रीन और डोपामाइन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर के स्राव को उत्तेजित करता है जो संज्ञानात्मक कार्यों की एक श्रृंखला में मदद करते हैं। पहले यह माना जाता था कि व्यायाम के बाद कुछ घंटों तक ही उसका लाभ मिल पाता है। लेकिन अब नए शोध में पाया गया कि व्यायाम से जुड़ी अन्य मस्तिष्क स्थितियां अधिक लंबे समय तक चलती हैं।

साक्ष्य बताते हैं कि व्यायाम 24 घंटे तक मूड को बेहतर बना सकता है। शोध के लिए टीम ने 76 पुरुषों और महिलाओं के डेटा का विश्लेषण किया, जिन्होंने आठ दिनों तक गतिविधि ट्रैकर पहने और हर दिन संज्ञानात्मक परीक्षण किए। अध्ययन में पाया गया कि जो लोग तेज चलने, नृत्य करने, या कुछ मंजिलों की सीढ़ियां चढ़ने जैसी गतिविधियों में शामिल होते हैं, उन्हें तत्काल लाभ होते हैं जो पहले से अधिक समय तक रहते हैं। इसके विपरीत सामान्य से अधिक समय तक निष्क्रिय रहने से याददाश्त में कमी देखी गई।

अंडे का सफेद हिस्सा खाएं या पूरा अंडा?

[illegible]

अंडे में प्रोटीन अंडे के विभिन्न भागों में काफी समान रूप से वितरित होता है। हालांकि, अंडे का सफेद भाग पूरे अंडे की तुलना में बहुत अधिक प्रोटीन-से-कैलोरी अनुपात प्रदान करता है। क्योंकि वे प्रोटीन में उच्च और कैलोरी में कम होते हैं। यदि आप अंडे के सफेद भाग में उतनी ही कैलोरी लेते हैं जितनी एक पूरे अंडे में, तो आप 6.2 ग्राम की तुलना में लगभग 15 ग्राम प्रोटीन लेंगे।

[illegible]

जिन लोगों को दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, उनके लिए अंडे का सफेद भाग काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। ये भाग हाई कैलोरी वाला भोजन होता है, जो शरीर को प्रोटीन प्रदान करता है। लेकिन कोलेस्ट्रॉल नहीं बढ़ाता। इसके अलावा इसमें कई तरह के अमीनो एसिड भी होते हैं, जो मांसपेशियों के विकार को बढ़ावा देते हैं और मांसपेशियों के निर्माण में मददगार होते हैं।

[illegible]

अंडे की जर्दी यानी 'एग योंक' में कैरोटेनॉयड्स, ल्यूटिन और जेक्सैंथिन होते हैं। ये सभी एंटीऑक्सिडेंट मांसपेशियों के निर्माण में काफी मददगार साबित होते हैं और शरीर में बायोटिन जैसे कंपाउंड को बढ़ावा देने का काम करते हैं। जो लोग बहुत दुबले-पतले होते हैं, उनके लिए इसका सेवन बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। इसके अलावा, बालों की मजबूती और चेहरे की बनावट को भी बढ़ावा देता है।

[illegible]

अंडे की जर्दी या अंडे का सफेद भाग अलग-अलग स्थितियों में शरीर को फायदा पहुंचाता है। कई लोग अंडे की जर्दी को खाने से परहेज करते हैं और सिर्फ सफेद वाले भाग का ही सेवन करते हैं। अंडे का सफेद भाग, जहां वजन कम करने की चाहत रखने वालों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। वहीं अंडे की जर्दी भी शरीर के लिए उतनी ही जरूरी होती है। एक पूरा अंडा खाने से शरीर को संतुलित मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं।

सर्दी में शरीर को रखना है गर्म तो रोज खाएं अंडे

सर्दियों में हमारा शरीर कई तरह की परेशानियों का सामना करता है। जब मौसम ठंडा होता है तो हमें बुखार, जुकाम और खांसी जैसी बीमारियां होने लगती हैं। इतना ही नहीं, सर्दियों में हमारी त्वचा भी बहुत सूखी और रूखी हो जाती है। हमारे हाथ-पैर भी इस मौसम में अक्सर ठिठुरते रहते हैं। ऐसे में सर्दियों में हमें अपनी डाइट में कुछ बदलाव करना चाहिए। इस मौसम में हमारा शरीर अतिरिक्त ऊर्जा और गर्माहट की मांग करता है। ऐसे में अंडे एक ऐसा सुपरफूड है जो हमारे शरीर को ठंड से बचाने में मदद कर सकता है। क्योंकि इसमें प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिंस और मिनरल्स जैसे पोषक तत्वों का बैलेंस बना हुआ होता है। आइए जानते हैं कि रोजाना कितने अंडे खाने चाहिए।

[illegible]

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए रोजाना अंडे खाना बहुत फायदेमंद होता है। अंडों में प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है जो शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं। लेकिन एक सवाल आता है कि रोजाना कितने अंडे खाने चाहिए? तो सर्दियों में रोजाना 1 से 2 अंडे खाने चाहिए। एक अंडा लगभग 70 कैलोरीज प्रदान करता है जो शरीर को गर्म रखने के लिए पर्याप्त होता है। इसके अलावा अंडे में विटामिन ए, डी, ई एवं के भी होते हैं जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

[illegible]

आपको बता दें कि अंडे में आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। एक बड़े आकार का अंडा लगभग 0.6 ग्राम आयरन होता है यह वयस्कों की रोजाना आयरन की आवश्यकता का लगभग 6 प्रतिशत हिस्सा है। अंडे खा कर हम अपने शरीर को पर्याप्त आयरन की आपूर्ति कर सकते हैं।

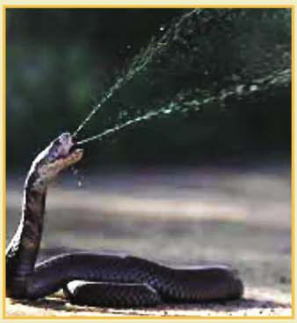

इस सांप को पसंद है गर्माहट, सर्दी में रात में सोते हुए लोगों का है दुश्मन

भारत के चार सबसे विषैले सांपों में कॉमन करैत का नाम शामिल है। इस खतरनाक सांप में न्यूरोटॉक्सिन नामक विष पाया जाता है, जो खून में मिलते ही तंत्रिका तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित करना शुरू कर देता है।

कॉमन करैत को जितना अपने घातक विष के लिए बदनाम माना जाता है, उससे कहीं ज्यादा यह सांप सोते हुए लोगों को डंसने की आदत के लिए कुख्यात है। हां, यह सुनने में अजीब जरूर लगता है, लेकिन यह सच्चाई है। यह सांप अक्सर रात के समय, खासतौर पर सर्दियों में, लोगों को उनकी नींद में ही डंस लेता है।

डंसने पर व्यक्ति को दर्द का एहसास नहीं होता, लेकिन इसका असर इतना घातक हो सकता है कि यदि समय पर इलाज न हो, तो यह जानलेवा साबित होता है। यही वजह है कि कॉमन करैत को सांपों की दुनिया का सबसे चुपचाप हमला करने वाला दुश्मन कहा जाता है।

[illegible]

वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट स्वप्निल खताल, जो पिछले 22 वर्षों से इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं, बताते हैं कि भारत के बिग फोर सांपों में शामिल कॉमन करैत अपने जानलेवा विष और सोते हुए लोगों को डंसने की आदत के लिए कुख्यात है। सबसे डरावनी बात यह है कि इस सांप के डंसने पर पीड़ित को यह एहसास तक नहीं होता कि उसे किसी सांप ने डंसा है। यदि समय पर इलाज न मिले, तो यह डंस मौत का कारण बन सकता है।

[illegible]

कॉमन करैत, जैसे सभी सांप, कोल्ड-ब्लडेड होते हैं, जिनकी शरीर की तापमान को नियंत्रित करने के लिए उन्हें हमेशा गर्म जगह की तलाश रहती है। यही कारण है कि यह सांप दिन के बजाय रात के अंधेरे में अधिक सक्रिय रहते हैं, और शिकार की तलाश में घरों तक आ पहुंचते हैं।

[illegible]

कॉमन करैत मुख्य रूप से छिपकली, मेंढक, और चूहे खाते हैं। ये जीव इन्हें भोजन के रूप में बेहद आकर्षित करते हैं, जिससे यह सांप अक्सर घरों में घुसकर इनका पीछा करते हैं। इस कारण रात में यह घरों में चुपके से घुस जाते हैं, और कई बार लोग सोते समय इनके द्वारा डंसे जाते हैं, जिससे उन्हें इसका एहसास नहीं होता और स्थिति गंभीर हो जाती है।

[illegible]

जब कॉमन करैत घरों में घुसता है, तो रात्रि का शांत माहौल उसे किसी प्रकार की घबराहट नहीं होने देता। इस शांति का फायदा उठाकर, यह सांप आराम से घर में रेंगते हुए बिस्तर तक पहुंच जाते हैं। बिस्तर पर इंसान के शरीर से निकलने वाली गर्मी को महसूस कर, वे इस ओर बढ़ते हैं। जैसे ही इनका स्पर्श इंसान से होता है, यह सांप आत्मरक्षा में तुरंत हमला कर देते हैं।

[illegible]

कॉमन करैत के दांत बेहद छोटे और सुई जैसे पतले होते हैं। ऐसे में जब यह सांप डंस करते हैं, तो इंसान को इसका एहसास नहीं होता। डंसे जाने के बाद भी व्यक्ति को दर्द महसूस नहीं होता, और यदि समय पर इलाज न मिले तो नींद में ही व्यक्ति की जान जा सकती है। यह एक भयावह स्थिति है, जहां शिकार को इस खतरनाक हमले का कोई संकेत नहीं मिलता, और जीवन को खतरा बढ़ जाता है।

आज के समय में तनाव जिंदगी का एक हिस्सा बन चुका है। काम का प्रेशर, जिम्मेदारियां और मौसम काफी हद तक इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में तनाव में आना आम बात बन चुकी है, और ये मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में से महज 10 मिनट चुरा लें और यकीन मानें ये चोरी आपको गुनहगार नहीं बनाएगी बल्कि कइयों की निगाह में आपको बेहतर इंसान जरूर बना देगी।

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की एक रिपोर्ट के अनुसार हर 5 में से लगभग 1 व्यक्ति तनाव का शिकार है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि इससे राहत नहीं मिल सकती। इसके लिए आपको बस अपनी लाइफ स्टाइल में थोड़ा बदलाव लाना है गहरी सांस लेनी है, योग समेत छोटी-छोटी चीजों को शामिल करना है, जो कि आपकी जिंदगी के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

कुल 10 मिनट ही देने हैं और कुछ ही दिनों में देखेंगे कि आप बदल गए हैं और आपका नजरिया भी बदल गया है। मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक तनाव हमारे ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है जिससे बिना श्रम किए हम थकान महसूस कर सकते हैं। तनाव की वजह से दिल की धड़कन तेज होती हैं, मांसपेशियों में तनाव आता है और चिड़चिड़ापन या गुस्सा आने लगता है। मानसिक और शारीरिक समस्याएं भी हो सकती हैं।

तनाव से मुक्ति और राहत के लिए आप गहरी सांस ले सकते हैं। जर्नल कॉग्निशन एंड इमोशन की एक रिसर्च के अनुसार भावनात्मक स्थितियां सांस लेने के पैटर्न पर निर्भर करती हैं। गहरी सांस लेने से शरीर में कई बदलाव होते हैं और इसका असर हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। गहरी सांस लेने से मस्तिष्क को अधिक ऑक्सीजन मिलता है और ऑक्सीजन के स्तर के बढ़ने से राहत महसूस होती है। 5 सेकंड के लिए नाक से धीरे-धीरे और गहरी सांस लें और फिर फेफड़ों को पूरी तरह से खाली करने के लिए धीरे-धीरे सांस छोड़ें।

अस्त-व्यस्त दिनचर्या से मांसपेशियों को बिल्कुल भी आराम नहीं मिल पाता है। शारीरिक रूप से थके होंगे तो इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ेगा। ऐसे में मांसपेशियों को राहत देने के लिए आराम करें। ऐसा करने से भी तनाव मुक्त हो सकते हैं। गड़बड़ दिनचर्या में योग बेहद मायने रखता है। समय की कमी हो तो 'योग निद्रा' एक शानदार विकल्प हो सकता है। केवल 10 मिनट का यह योग आपको बड़ी राहत दे सकता है। इससे चिड़चिड़ापन कम हो सकता है और तनाव भी उड़न छू हो जाता है।

तनाव की जद में आए व्यक्ति को हर बात में नकारात्मकता के साथ गुस्सा और कभी-कभी हर कोई अपने खिलाफ लगता है। ऐसे में इन समस्याओं से निपटने के लिए अपने किसी दोस्त, फैमिली मेंबर या ऑफिस के साथी को उसकी किसी मदद के लिए एक धन्यवाद नोट लिखें। इससे तनाव कम हो सकता है।

खुली हवा में सांस लेना या बाहर टहलना आपको तनाव से दूर करने में मदद कर सकता है। तनाव में इंसान एक अजीब सी स्थिति में कैद हो जाता है। ऐसे में राहत के लिए घर से बाहर सैर पर निकलना एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। एक रिसर्च के अनुसार ताजी हवा में सांस लेना फायदेमंद होता है। खुले वातावरण में या नेचर के करीब 10 मिनट बैठने या टहलने से तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

स्मार्टफोन
की लत से हो रही है गंभीर बीमारी, ऐसे करें कंट्रोल

स्मार्टफोन की लत हमारी लाइफस्टाइल के लिए एक चुनौती सी बन गई है। जिसने हमारे जुड़ने, काम करने और आराम करने के तरीके को बदल दिया है। फोन पर लगातार एक्टिव रहने के कारण इसकी कीमत हमें चुकानी पड़ती है। जैसे नींद, मानसिक स्वास्थ्य और यहां तक ??कि व्यक्तिगत संबंधों को भी प्रभावित करता है। खासकर जवान और युवा वयस्कों के बीच। लगातार रहने वाले सिरदर्द से भी स्मार्टफोन का कनेक्शन होता है, जिससे आप बड़े ही नहीं, बल्कि कम उम्र के लोग भी परेशान रहने लगे हैं। ऐसे में जरूरी है कि इसके इस्तेमाल को सीमित कर दें। जो व्यक्ति ज्यादा एक्टिव नहीं रहते हैं और ज्यादा वक्त स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं उन्हें हार्ट और स्ट्रोक का खतरा का काफी ज्यादा बढ़ जाता है। वजन और प्रेशर कंट्रोल में भी रहे लेकिन हार्ट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा रहता है। यह रिसर्च 1990 और 1991 में पैदा हुए 14,500 के बच्चों पर यह रिसर्च किया गया है।

एक रिसर्च में पाया गया कि जो बच्चे ज्यादा फोन और टैब देखते हैं जिसकी वजह से उनकी फिजिकल एक्टिविटी कम होती है। ज्यादा वक्त फोन पर बिताते हैं। जिसकी वजह से उन्हें गंभीर इकोकार्डियोग्राफी बीमारी होती है। इसलिए फिजिकली इनएक्टिव होते हैं।

इन बीमारियों का बढ़ जाता है खतरा

जो बच्चे फिजिकली एक्टिव नहीं रहते हैं। उन्हें काफी कम उम्र में मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज हो जाता है। ऐसे बच्चों में मोटापा और डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे बच्चों में न्यूरोडीजेनेरेटिव की बीमारी और दिल से जुड़ी बीमारी का खतरा बढ़ता है। आजकल के बच्चे फोन की वजह से समाज से कटते चले जा रहे हैं। ज्यादा फोन का इस्तेमाल करने से हाइपरटेंशन की दिक्कत हो रही है। साथ जो बच्चे रेग्युलर वीडियो गेम्स खेलते हैं वह फिजिकल और मेंटली तौर पर बीमार हो जाते हैं। किसी भी उम्र के व्यक्ति को मोबाइल से बचकर ही रहना चाहिए। ऐसे में पता होना चाहिए कि किसी व्यक्ति को कितनी देर तक मोबाइल का इस्तेमाल करना है और वक्त रहते इसे छोड़ देना चाहिए। मोबाइल के ज्यादा इस्तेमाल से सेहत बिगड़ी भी सकती है।

सर्दी के मौसम में जैसे जैसे ठंड बढ़ती है कुछ लोगों के हाथ पैर की उंगलियां सूजकर लाल हो जाती है कभी-कभार समस्या बढ़ने पर गलने लगती है। ऐसी स्थिति में सूजन वाली जगह पर तेज खुजली, जलन और दर्द होता है। कुछ लोगों को यह तकलीफ इतनी ज्यादा होती है कि वह मौजे या शूज भी नहीं पहन पाए लेकिन ऐसा होता क्यों है और इससे कैसे बचा जा सकता है इस बारे में जानना भी बहुत जरूरी है चलिए आपको इस बारे में ही बताते हैं।

ठंड में सूजने और गलने लगती हैं उंगलियां तो ये गलतियां ना करें, खुजली से हो जाएगा बुरा हाल

ठंड होने पर उंगलियां क्यों सूज जाती हैं?

मौसम में तापमान गिरने के कारण शरीर की नसें सिकुड़ने लगती हैं और नसों में रक?त का प्रवाह धीमा पड़ जाता है। हाथ और पैर शरीर का आखिरी हिस्सा होता है इसलिए यहा तक खून धीमे-धीमे पहुंच पाता है इसी लिए उंगलियों में सूजन आती है और जब आप बहुत जल्दी गर्म हो जाते हैं तो रक्त वाहिकाएं फिर से बड़ी हो जाती हैं और रक्त आपकी उंगलियों और पैर की उंगलियों में जल्दी से फैलने लगता है जिससे दर्द या सूजन हो सकती है। ब्लड सर्कुलेशन में कमी आने के कारण फ्लूइड रिटेंशन हो सकता है हालांकि इससे बचने के कुछ उपाय भी है जिसे फॉलो करके इस समस्या से बचा जा सकता है।

ठंड मे उंगलियों में सूजन और दर्द के कारण

जैसे कि हमने आपको बताया है कि सर्दियों में हाथ-पैर की उंगलियां सूजने या गलने (फटने) की समस्या आमतौर पर रक्त प्रवाह धीमा होने और त्वचा की संवेदनशीलता बढ़ने के कारण होती है। यह समस्या विशेष रूप से उन लोगों में होती है जो बहुत ज्यादा ठंड के संपर्क में आते हैं।

1. ठंड के कारण रक्त वाहिकाओं का सिकुड़ना : ठंड में शरीर की छोटी रक्त वाहिकाएं (कैपिलरीज) सिकुड़ जाती हैं। इससे उंगलियों तक रक्त प्रवाह कम हो जाता है, जिससे ऊतकों में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और सूजन या जलन का अनुभव होता है।

2. चिलब्लेन्स : अत्यधिक ठंड के कारण त्वचा और नीचे की ऊतक सूज सकते हैं। इसे चिलब्लेन्स कहते हैं। इससे त्वचा लाल, सूजी हुई और खुजलीदार हो जाती है।

3. शुष्क त्वचा: सर्दियों में त्वचा सूख जाती है, जिससे त्वचा में दरारें और जलन हो सकती है। ये दरारें कभी-कभी संक्रमण का कारण भी बनती हैं।

4. फ्रॉस्टबाइट : अगर बहुत ठंडे तापमान में लंबे समय तक रहना पड़े, तो त्वचा और ऊतकों को नुकसान हो सकता है। यह स्थिति गंभीर होती है और त्वरित उपचार की आवश्यकता होती है।

5. पोषण की कमी: अगर आपके शरीर में विटामिन डी , विटामिन ई, और आवश्यक फैटी एसिड की कमी है तो आपकी त्वचा कमजोर और संवेदनशील हो सकती है।

6. ब्लड सर्कुलेशन की समस्या: जिन लोगों में ब्लड सर्कुलेशन से जुड़ी समस्याएं होती हैं, जैसे रेनॉड्स डिजीज , उन्हें ठंड में यह समस्या हो सकती है।

सर्दी में नहीं सूजेंगी उंगलियां अगर करेंगे ये काम

खुद को वार्मअप जरूर करें । नियमित व्यायाम करें ताकि ब्लड सर्कुलेशन होती रहे और बॉडी में एक्टिविटी बनी रहे। आप कोई आउटडोर गेम भी खेल सकते हैं।

सर्दी के मौसम में जितनी धूप मिल रही है जरूर लें और कोशिश करें कि सुबह की पहली किरण वाली धूप लें।

विटामिन सी , विटामिन ई, और ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त भोजन का सेवन करें।

सर्दी के मौसम में आरामदायक जूते पहनें। मोजे पहनकर रखें। पैरों में तेल, क्रीम लगाकर मॉइश?चराइज करें।

अगर सूजन के साथ आपको उंगलियों पर बहुत ज्यादा खुजली हो रही है तो डाक्टर को जरूर दिखाएं क्योंकि इससे घाव बन सकते हैं जो परेशानी को बढ़ा सकते हैं। ज?यादा ठंडे पानी में काम न करें। पानी को गुनगुना रखें।

ठंड में उंगलियों में सूजन-दर्द रहता है तो ये गलती ना करें

उंगलियों में सूजन आ रही है तो इसका मतलब यह है कि शरीर के सभी अंगों तक रक?त का प्रवाह ठीक से नहीं हो रहा इसलिए पानी पीते रहे। ठंड के मौसम में लोग पानी लिक्विड आहारों से दूरी बना लेते हैं और यह सूजन आने का प्रमुख कारण है।

महिलाएं घर का काम ठंडे पानी से करने के बाद तुरंत रसोई में गैस चूल?हे पर काम करने लगती हैं, इस दौरान हाथों को तुरंत गर्माहट मिलती है। ठंडे पानी से हाथ धोने के बाद तुंरत आग पर हाथ सेंकने की आदत समस्या को बढ़ाती है।

फिजिकल एक्टिविटी बंद ना करें शरीर को चलाए ताकि ब्लड सर्कुलेशन होती रहे।

ठंड होने पर मेरी उंगलियों में दर्द क्यों होता है?

बहुत से लोगों को ठंड के दौरान उंगलियों में दर्द रहता है। इसका संबंध भी ब्लड सर्कुलेशन से ही है। ठंड के कारण आपकी उंगलियों और पैर की उंगलियों में छोटी रक्त वाहिकाएं छोटी हो जाती हैं जिससे सूजन लालगी और खुजली होने लगती है। जब दोबारा ब्लड सर्कुलेशन होता है तो उंगलियों में दर्द भी रहता है।

ठंड में सूजी उंगलियों को ठीक करने के देसी उपाय

इसके लिए आप कुछ देसी नुस्खें अपना सकते हैं जो आपको इस समस्या से राहत देंगे।

गर्म पानी की सिंकाई

उंगलियों को हल्के गर्म पानी में डुबोएं। इससे रक्त प्रवाह बेहतर होता है और सूजन कम हो सकती है। गुनगुने पानी में नमक डालकर पैरों को 10 मिनट के लिए डुबोकर रखें। इससे इंफेक्शन दूर होता है और सूजन कम होती है।

हल्की तेल की मालिश

नारियल तेल या सरसों के तेल से हल्की मालिश करें। इससे रक्त प्रवाह में सुधार होता है। लहसुन के तेल से भी मसाज की जा सकती है क्योंकि लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं लेकिन लहसुन का तेल इस्तेमाल करने से पहले डाक्टरी सलाह जरूर लें।

प्याज का रस या हल्दी-शहद

प्याज का रस निकालकर उंगलियों पर लगाएं। प्याज में एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण होते हैं। इससे भी आपको राहत मिलेगी। वहीं हल्दी और शहद में भी एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो सूजन से राहत दिलाएंगे लेकिन एक बार चिकित्सक सलाह जरूर लें।

बर्फ से बचाव

बहुत ठंडे पानी या बर्फ के सीधे संपर्क से बचें। ठंडे पानी का इस्तेमाल कम करें।

डॉक्टर से सलाह लें

अगर समस्या ज्यादा बढ़ जाए या लगातार बनी रहे तो किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ या सामान्य चिकित्सक से परामर्श करें।

अदरक में गुड़ डालते ही फौरन मिलेगी ताकत और दर्द भी होगा छूमंतर

सर्दियों में एक साथ खाएं ये दोनों चीजें

नारी डेस्क: सर्दियों के मौसम में लोग अदरक की चाय तो खूब पीते हैं, पर आपने कभी अदरक के साथ गुड़ खाया है। अगर नहीं तो आज ही इसे अपनी डाइट में शामिल कर लें। सर्दियों के मौसम में गुड़ और अदरक का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल आपके शरीर को गर्मी देता है, बल्कि इम्यूनिटी को भी मजबूत बनाता है। दोनों सामग्री प्राचीन आयुर्वेद में स्वास्थ्यवर्धक गुणों के लिए जानी जाती हैं। आइए जानते हैं इसके और भी फायदे

गुड़ और अदरक के संयुक्त सेवन के फायदे

इम्यूनिटी को बढ़ाता है: गुड़ में आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिज होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो सर्दी-जुकाम और गले की खराश से बचाव करते हैं।

पाचन को दुरुस्त करता है: अदरक पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है और एसिडिटी, गैस और कब्ज से राहत दिलाता है। गुड़, भोजन को पचाने के लिए पाचन रसों के स्राव को बढ़ाता है। दोनों का संयोजन पाचन के लिए आदर्श है।

सर्दियों में शरीर को गर्मी देता है: अदरक और गुड़ दोनों में थर्मोजेनिक गुण होते हैं, जो शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं। यह सर्दी के मौसम में ठंड से बचने और शरीर को ऊर्जा देने में मदद करता है।

जोड़ों के दर्द में राहत: अदरक का एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण गठिया और जोड़ों के दर्द मे राहत प्रदान करता है। गुड़ कैल्शियम और पोटैशियम का अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

सर्दी-जुकाम और खांसी से राहत: गुड़ और अदरक का काढ़ा या मिश्रण पीने से बलगम कम होता है और गले की खराश में आराम मिलता है। यह फेफड़ों को साफ करने और सांस लेने में आसानी प्रदान करने में सहायक है।

रक्तचाप को नियंत्रित करता है: गुड़ में पोटैशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। अदरक खून को पतला करता है, जिससे रक्त प्रवाह बेहतर होता है और हृदय स्वस्थ रहता है।

मासिक धर्म के दर्द में राहत: अदरक की गर्म तासीर मासिक धर्म के दौरान ऐंठन को कम करती है। गुड़, शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन बढ़ाता है, जो दर्द और मूड स्विंग्स में राहत देता है।

त्वचा को चमकदार बनाता है: अदरक शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है, जिससे त्वचा साफ और चमकदार होती है। गुड़ में मौजूद मिनरल्स त्वचा को पोषण देकर इसे स्वस्थ बनाते हैं।

गुड़ और अदरक का सेवन कैसे करें?

गुड़-अदरक का मिश्रण: गुड़ और कद्दूकस किए अदरक को मिलाकर छोटे लड्डू बना लें और रोजाना खाएं।

काढ़ा:गुड़ और अदरक को पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं। यह सर्दी और गले की समस्याओं में उपयोगी है।

चाय: चाय में चीनी की जगह गुड़ और अदरक का इस्तेमाल करें।

खाली पेट: गुड़ और अदरक का एक छोटा टुकड़ा सुबह खाली पेट खाने से दिनभर ऊर्जा मिलती है।

सावधानिया

- मधुमेह के मरीज गुड़ का सेवन सीमित मात्रा में करें।
- अधिक मात्रा में अदरक खाना पेट की जलन का कारण बन सकता है। - गर्भवती महिलाएं डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसका सेवन करें।

पीरियड्स में बाल धोने से क्यों रोकती हैं दादी-नानी?

हमारे भारतीय समाज में दादी-नानी की बातें हमेशा से हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा रही हैं। ये न सिर्फ हमारी परंपराओं और संस्कृति का प्रतीक हैं, बल्कि इनमें से कई बातें हमारी सेहत और भलाई से भी जुड़ी होती हैं। ऐसी ही एक बात माहवारी (पीरियड्स) के दौरान महिलाओं से जुड़ी है। दादी-नानी अकसर कहती हैं कि पीरियड्स के शुरुआती दिनों में बाल मत धोओ। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

पीरियड्स में बाल धोने की मनाही: परंपरा और विज्ञान का मेल

पीरियड्स के दौरान बाल धोने को लेकर दादी-नानी की सलाह केवल परंपरा से नहीं, बल्कि इसका संबंध हमारे शरीर और स्वास्थ्य से भी है। ज्योतिष और विज्ञान दोनों ही इस विषय पर अपनी राय रखते हैं।

धार्मिक और शास्त्रीय कारण

ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार, हिंदू धर्म में माहवारी के दौरान महिलाओं को धार्मिक कार्य करने से मना किया जाता है। इस दौरान मंदिर जाना, पूजा-पाठ करना और देवी-देवताओं की मूर्तियों को छूना वर्जित होता है। इसके पीछे मान्यता यह है कि इस समय शरीर पूरी तरह से शुद्ध नहीं होता है। पीरियड्स खत्म होने के बाद महिलाओं को बाल धोकर स्नान करने की सलाह दी जाती है, ताकि उनका शरीर पूरी तरह शुद्ध हो सके। जो महिलाएं ऐसा नहीं करतीं, उन्हें धार्मिक दृष्टिकोण से अशुद्ध माना जाता है।

स्वास्थ्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण

पीरियड्स के शुरुआती दिनों में शरीर का तापमान थोड़ा गर्म रहता है। ऐसे में बाल धोने या सिर पर ठंडा पानी डालने से शरीर का तापमान अचानक से ठंडा हो सकता है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शरीर का तापमान संतुलित न होने से सिरदर्द, ठंड लगना या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए इस समय सिर धोने की मनाही होती है।

दादी-नानी की सलाह का महत्व

दादी-नानी की सलाहें हमेशा हमारी भलाई के लिए होती हैं। जैसे पीपल और तुलसी हमारे जीवन में छाया और औषधि का काम करते हैं, वैसे ही उनकी बातें भी हमें सही दिशा दिखाने और समस्याओं से बचाने का काम करती हैं।

क्या करें?

1. पीरियड्स के शुरुआती 2-3 दिनों में सिर धोने से बचें, खासकर ठंडे पानी का इस्तेमाल न करें।
2. पीरियड खत्म होने के बाद बाल धोकर स्नान करें, ताकि आप खुद को तरोताजा और शुद्ध महसूस कर सकें।
3. अगर सिर धोना जरूरी हो, तो गर्म पानी का इस्तेमाल करें और तुरंत सिर को सुखा लें।

पीरियड्स के दौरान बाल न धोने की परंपरा के पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ वैज्ञानिक कारण भी हैं। यह एक व्यक्तिगत निर्णय हो सकता है, लेकिन दादी-नानी की बातें सुनने में कभी कोई नुकसान नहीं होता। उनका अनुभव और हमारी भलाई से जुड़ी सलाहें आज भी हमारी सेहत और परंपराओं के साथ जुड़ी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया के अंतरिम अधिकारियों ने दमिश्क के उपनगरीय इलाके, टारटस में अभियान शुरू किया

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के अंतरिम प्रशासन ने गुरुवार को ग्रामीण दमिश्क में सुरक्षा अभियान शुरू किया। साथ ही तटीय प्रांत टारटस में सशस्त्र समूहों को निशाना बनाकर अभियान चलाया, स्थानीय मीडिया अल-वतन ऑनलाइन ने यह जानकारी दी। अभियान ने दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में कुदसया, अल-हमे, ऐश अल-वारीर, जबल अल-वार्ड और हे अल-वुस्ड सहित पड़ोस को निशाना बनाया। अस-वतन ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि अभियान का उद्देश्य अवैध हथियारों को जब्त करके और कलह भड़काने वाले के रूप में पहचाने गए व्यक्तियों को हिरासत में लेकर क्षेत्र की तलाशी लेना था। इस बीच, टार्टस में, अधिकारियों ने घोषणा की कि उन्होंने कई लड़ाकों को निष्प्रभावी कर दिया है, जिन्हें उन्होंने जंगली इलाकों और पहाड़ियों पर असद के मिलिशिया के अवशेष के रूप में संदर्भित किया। रिपोर्ट ने संकेत दिया कि अतिरिक्त भगोड़ों को पकड़ने के लिए अभियान जारी है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि यह कार्रवाई देश भर में सुरक्षा पहलों की एक श्रृंखला के हिस्से के रूप में की गई, जिसका उद्देश्य नए नेतृत्व के अधिकार को मजबूत करना है। यह घटना टार्टस, लताकिया, होम्स और दमिश्क में प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़कों पर उतरने के एक दिन बाद हुई, जिसमें अलावी अल्पसंख्यक के धार्मिक स्थल पर कथित हमलों की निंदा की गई। सुरक्षा अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि ऐसी घटनाएं अलग-थलग हैं और चेतावनी दी कि पूर्व शासन के अवशेष सांप्रदायिक विभाजन का फायदा उठाकर कलह पैदा कर सकते हैं। बुधवार को, यह बताया गया कि सीरिया के अंतरिम आंतरिक मंत्रालय के 14 अधिकारी उत्तर-पश्चिमी प्रांत टार्टस में एक विश्वासघाती हमले में मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। अंतरिम सरकार के आंतरिक मंत्री मोहम्मद अब्दुल रहमान ने हमलावरों को पूर्व सरकार के अवशेष बताया। मंत्रालय ने कहा कि मारे गए अधिकारी सुरक्षा बनाए रखने और नागरिकों की रक्षा करने के उद्देश्य से कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। इस महीने की शुरुआत में सीरिया में बशर अल-असद की सरकार के हाल ही में पतन के बाद, कई हाई-प्रोफाइल घटनाओं ने पूरे देश में सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा दिया है।

मनमोहन सिंह को भारत-अमेरिका को करीब लाने के लिए याद किया जाएगा: अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन

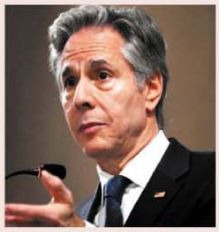

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण व्यक्ति बताया. ब्लिंकन ने डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व की प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने भारत में आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने, अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते सहित संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत को करीब लाने के लिए उनके समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा. एक बयान में, ब्लिंकन ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है. डॉ. सिंह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे.

कोविड के बाद 2025 में तीन संक्रामक रोग बनेंगे दुनिया के लिए चुनौती

लंदन एजेंसी।
कोविड-19 ने अचानक उभरकर दुनियाभर में तबाही मचाई और लाखों लोगों की जान ली। अब जब कोविड लगभग समाप्ति के कगार पर है, स्वास्थ्य विशेषज्ञ अगली बड़ी महामारी को लेकर सतर्क हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगला बड़ा खतरा वायरस, बैक्टीरिया, फंगस या पैरासाइट से हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य अधिकारी मलेरिया, एचआईवी और ट्यूबरक्यूलोसिस को लेकर काफी चिंतित हैं। ये तीनों बीमारियां हर साल लगभग 20 लाख लोगों की जान लेती हैं।

इसके अलावा, उन रोगाणुओं पर भी नजर रखना जरूरी है, जो दवाओं के असर से बाहर हो चुके हैं, जैसे कि एंटीबायोटिक्स और एंटीवायरल दवाओं का असर न होने वाले रोगाणु।

इन्फ्लूएंजा वायरस, खासकर इसका एचऽएन1 उपस्वरूप (बर्ड फ्लू), 2025 में गंभीर समस्या बन सकता है। यह वायरस जंगली और घरेलू पक्षियों में तेजी से फैल रहा है। हाल ही में, यह अमेरिका के कुछ राज्यों में डेयरी मवेशियों और मंगोलिया में घोड़ों को भी संक्रमित कर चुका है।

बर्ड फ्लू मनुष्यों को भी संक्रमित कर सकता है। 2024 में अमेरिका में इसके 61 मामले सामने आए, जबकि पिछले दो वर्षों में केवल दो मामले दर्ज किए गए थे। मनुष्यों में बर्ड फ्लू संक्रमण के मामलों में मृत्यु दर लगभग 30त्न है। हालांकि, यह वायरस अभी तक एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता, जिससे महामारी का खतरा कम है।हालिया शोध से पता चला है कि एचऽएन1 वायरस में एक उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) के कारण यह मनुष्यों के बीच फैल सकता है। यदि ऐसा होता है, तो महामारी की आशंका बढ़ जाएगी।

ब्रिटेन में क्वाड-डेमिक ने बिगाड़े हालात; खचाखच भरे अस्पताल, बेड व दवाईयों के लिए तड़प रहे मरीज

ब्रिटेन के अस्पताल इन दिनों क्वाड-डेमिक (चार बीमारियों का एक साथ प्रकोप) के कारण गंभीर स्थिति में हैं। रॉयल कॉलेज ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन के डॉ. इयान हिगिन्सन ने चेतावनी दी है कि अस्पताल खचाखच भरे हुए हैं। मरीजों को गलियारों में रखा जा रहा है, एंबुलेंस कतारों में फंसी हैं, और बेड तथा स्टाफ की भारी कमी है। डॉ. हिगिन्सन ने कहा कि अगर फ्लू जैसी बीमारियां और बढ़ती हैं तो हालात और बिगड़ सकते हैं। इसलिए वैक्सीनेशन और सतर्कता बेहद जरूरी है। इन चार बीमारियों के कारण अस्पतालों पर भारी दबाव है। यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोविड और ऋङ्क के मामले स्थिर हैं, लेकिन फ्लू और नोरोवायरस के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। हाल ही में फ्लू के कारण अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या 70त्न बढ़ गई। - इंग्लैंड में करीब 10,000 बेड की कमी है। आपातकालीन मरीजों के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं है। कई मरीज एंबुलेंस में ही फंसे रह जाते हैं क्योंकि उन्हें अस्पताल में जगह नहीं मिलती। डॉक्टरों ने सरकार से ज्यादा बेड और स्टाफ मुहैया कराने की मांग की है।

मुंबई हमलों के गुनहगार हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की मौत, लाहौर के अस्पताल में हुआ निधन

लाहौर एजेंसी।
मुंबई हमलों के गुनहगारों में से एक और इंटरनेशनल आतंकी हाफिज अब्दुल रहमान मक्की का निधन हो गया है। जमात-उद-दावा के मुताबिक मक्की पिछले कुछ दिनों से बीमार था और लाहौर के एक प्राइवेट अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। बताया जा रहा है कि हाई शुगर की वजह से उसकी तबीयत खराब थी। आज सुबह उसे दिल का दौरा पड़ा और उसने अस्पताल में अंतिम सांस ली।

हाफिज अब्दुल रहमान मक्की आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसकी राजनीतिक शाखा जमात-उद-दावा का प्रमुख नेता था। वह हाफिज सईद का बहनोई था जिसे 2008 के मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता है। मक्की को भारत के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र और कई देशों ने भी आतंकवादी घोषित किया था। मक्की पर भारत में आतंकवाद फैलाने और आतंकी हमलों की साजिश रचने के गंभीर आरोप थे। वह भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की मोस्ट वांटेड आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल था। मक्की की मौत के बाद एक बार फिर पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने पाकिस्तान पर कई बार आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अब देखना होगा कि मक्की की मौत के बाद आतंकवाद से जुड़े संगठनों पर कितना शिकंजा कसा जाएगा।

हिम्मत को सलाम: आग और विमान के मलबे से खुद ही निकले खून से लथपथ यात्री, भावुक कर देगा वीडियो

अजरबैजान एजेंसी।
कजाकिस्तान में हुए एक भयानक विमान हादसे ने दुनिया को स्तब्ध कर दिया, लेकिन इस त्रासदी में एक चमत्कार भी देखने को मिला। अजरबैजान एयरलाइंस की उड़ान ष्ठ2-8243 के क्रैश होने के बावजूद कुछ यात्री सुरक्षित बच गए। इस हादसे में कम से कम 38 लोगों की जान चली गई, लेकिन बचे हुए यात्रियों की कहानियां किसी चमत्कार से कम नहीं हैं।

क्रैश से ठीक पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक यात्री, जो टोपी और दाढ़ी में दिख रहा है, शांति से अल्लाह अकबर और शहादत पढ़ते हुए नजर आ रहा है। वह अल्लाह से प्रार्थना कर रहा था और मानो अपनी नियति का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर रहा था। इस दौरान विमान के अंदर ऑक्सीजन मास्क लटकते दिखे और सीट बेल्ट के संकेत जल रहे थे। माना जा रहा है कि यह वीडियो उस यात्री ने अपनी पत्नी या परिवार के लिए रिकॉर्ड किया था। हादसे के बाद का एक और वीडियो सामने आया, जिसमें वही यात्री विमान के मलबे से बाहर निकलते हुए मुस्कुराता है और ओके का हाथ का संकेत देता है।

उसके चेहरे पर केवल मामूली खरोंचें थीं। यह नजारा देखकर लोग चमत्कृत रह गए। विमान के चारों ओर आग की लपटें और घना काला धुआं उठ रहा था। वहीं, घायल यात्री खून से लथपथ स्थिति में विमान के धड़ से बाहर निकलते नजर आए। इस यात्री के चमत्कारिक रूप से बचने की खबर ने कई लोगों को गहराई से प्रभावित किया। इसने अल्लाह की दया और सुरक्षा के लिए आभार जताने वालों की संख्या बढ़ा दी। यह घटना दिखाती है कि भयंकर दुर्घटनाओं में भी जीवन की उम्मीद बची रहती है। अधिकारियों ने इस दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, विमान तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम काम कर रही है।

नेतन्याहू ने हनुक्काह पर शुभकामनाओं और मित्रता के लिए पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

येरूसलम एजेंसी।
इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी को हनुक्काह पर उनकी शुभकामनाओं और ''मित्रता के लिए धन्यवाद दिया तथा छुट्टियों के इस समय को ''अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप में मनाए जाने की कामना की। आठ दिन तक मनाया जाने वाला हनुक्काह यहूदी पर्व है जिसे रोशनी का त्योहार भी कहा जाता है। इसे 'चानुका भी कहा जाता है। इजराइल में बहुत से लोग इसकी तुलना दीपावली से करते हैं। नेतन्याहू ने कई मौकों पर 'अंधकार पर प्रकाश की विजय की बात कही है।

उन्होंने युद्ध के संदर्भ में जुलाई में अमेरिकी कांग्रेस में भी अपने संबोधन में इसका इस्तेमाल किया था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''मेरे अच्छे मित्र, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आपके दयालु 'चानुका अभिवादन और इजराइल के प्रति आपकी निरंतर मित्रता को लेकर आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। नेतन्याहू ने कहा, ''यह छुट्टियों का मौसम आनंदमय हो और अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप में मनाया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को अपने इजराइली समकक्ष नेतन्याहू और विश्व भर में हनुक्काह पर्व मना रहे लोगों को शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर कहा, ''प्रधानमंत्री नेतन्याहू और दुनिया भर में हनुक्काह का पर्व मना रहे सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने हिब्रू भाषा में किए गए पोस्ट में कहा, ''हनुक्काह की चमक हर किसी के जीवन को आशा, शांति और शक्ति से रोशन करे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपने इजराइली समकक्ष गिदोन सार और वैश्विक यहूदी समुदाय को हनुक्काह पर्व की शुभकामनाएं भेजीं। सार ने कृतज्ञता के साथ जवाब दिया और जयशंकर को उनकी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। मुंबई में इजराइल के महावाणिज्य दूत कोबी शोशानी ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा, ''धन्यवाद प्रधानमंत्री मोदी जी। यह हमारा अद्भुत पर्व है और हमेशा रहेगा।

भ्रष्टाचार के आरोप में फंसे ताइवान के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे वेन-जे, हो सकती है 28 साल की जेल

ताइपे, एजेंसी।
ताइवान के पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और ताइवान पीपुल्स पार्टी के संस्थापक को वेन-जे को गुरुवार को भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी ठहराया गया। उन पर द्वीप की राजधानी के मेयर रहने के दौरान रिश्वत लेने का आरोप लगाया जा रहा है। अभियोजकों के बयान के अनुसार, को, जिन्होंने ताइपे के पूर्व मेयर के रूप में भी काम किया था, ने अपने कार्यकाल के दौरान कथित तौर पर रियल एस्टेट विकास से संबंधित रिश्वत ली थी। को पर राजनीतिक चंदे को शर्मसार करने का भी आरोप है. यदि उसे सभी आरोपों में दोषी ठहराया जाता है, तो उसे 28.5 साल की संभावित जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है।

इससे पहले, को ने रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार किया था। उनकी पार्टी ने कहा कि ये आरोप राजनीतिक उत्पीड़न का मामला हैं। ताइपे की 2014 मेयर की दौड़ जीतने के लिए राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश किया। उन्होंने 2014 से 2022 तक दो कार्यकाल दिए। मामले का मूल ताइपे में कोर पैसिफिक सिटी समूह के स्वामित्व वाला एक विकास है। अभियोजकों का कहना है कि को ने रिश्वत के बदले में कंपनी को शहर निर्माण नियमों से बचने की अनुमति दी। टीपीपी की केंद्रीय समिति के सदस्य लिन फू-नान ने कहा कि सत्ता के इस तरह के दुरुपयोग से सरकार एक राजनीतिक ठग बनकर रह गई है। हम राजनीति के काले हाथ वालों से आह्वान करते हैं कि वे न्यायपालिका तक न पहुंचें।

को ने 2019 में दो-दलीय प्रणाली के विकल्प के रूप में

टीपीपी की स्थापना की, और हमेशा की तरह राजनीति से अलग होने का वादा किया। वह इस वर्ष राष्ट्रपति पद के लिए दौड़े। तीसरे स्थान पर रहने के बावजूद, उन्होंने युवा मतदाताओं से अपनी अपील से ध्यान आकर्षित किया। ताइवान की राजनीति में ज्यादातर दो मुख्य राजनीतिक दलों, नेशनलिस्ट पार्टी (कुओमिंगटांग) और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी का वर्चस्व है।

इस्राइली अटॉर्नी जनरल ने पीएम नेतन्याहू की पत्नी के खिलाफ जांच के दिए आदेश

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइली के अटॉर्नी जनरल ने पुलिस को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी सारा नेतन्याहू के खिलाफ जांच शुरू करने का आदेश दिया है। पीएम नेतन्याहू की पत्नी पर आरोप है कि उन्होंने राजनीतिक विरोधियों और नेतन्याहू के भ्रष्टाचार के मुकदमे में एक गवाह को परेशान किया। मामले में इस्राइली न्याय मंत्रालय ने गुरुवार देर रात एक संक्षिप्त संदेश में कहा कि यह जांच हाल ही में प्रकाशित उवदा रिपोर्ट के निष्कर्षों पर आधारित होगी। इस कार्यक्रम में व्हाट्सएप संदेशों का एक बड़ा संग्रह दिखाया गया, जिसमें सारा नेतन्याहू एक पूर्व सहयोगी को विरोध प्रदर्शनों को आयोजित करने और मुकदमे में एक गवाह हदास क्लेन को धमकाते हुए दिखाई दे रहीं हैं। बता दें कि मामले में मंत्रालय ने सारा नेतन्याहू का नाम सीधे नहीं लिया और आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पत्नी सारा नेतन्याहू पर लगे आरोपो का बचान करने के लिए गुरुवार को पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने वीडियो जारी किया। इस वीडियो में पीएम नेतन्याहू ने अपनी पत्नी द्वारा किए गए कई अच्छे और परोपकारी कार्यों को बताया और उवदा रिपोर्ट को झूठ बताया। उन्होंने कहा कि वामपंथी और मीडिया में मेरे विरोधियों को अब एक नया-पुराना लक्ष्य मिल गया है, वे मेरी पत्नी पर बेरहमी से हमला कर रहे हैं। उन्होंने इसे झूठा प्रचार और अंधकार से निकला हुआ झूठ बताया।

चाय और कॉफी से कम होता है सिर और गले का कैंसर, शोध अध्ययन में हुआ खुलासा

वाशिंगटन एजेंसी।
एक अध्ययन के अनुसार, चाय और कॉफी के सेवन से सिर, गर्दन, मुंह और गले के कैंसर का खतरा कम हो सकता है। यह निष्कर्ष कैंसर पत्रिका में प्रकाशित किया गया है, जिसमें यह दावा किया गया है कि यदि व्यक्ति रोजाना तीन से चार कप कॉफी पीते हैं, तो सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत तक कम हो सकता है। वहीं एक कप चाय पीने से यह खतरा नौ प्रतिशत कम होता है। इस अध्ययन में बताया गया है कि चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन और अन्य बायोएक्टिव तत्वों के एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो कैंसर जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। एक हालिया शोध में यह भी पाया गया है कि सीमित मात्रा में कॉफी का सेवन स्वस्थ जीवन के लिए फायदेमंद हो सकता है। अमेरिका के यूटा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन में कार्यरत इस अध्ययन की वरिष्ठ लेखिका युआन-चिन एमी ली ने कहा- इससे पहले भी चाय और कॉफी के सेवन और कैंसर के जोखिम में कमी पर शोध हो चुका है, लेकिन इस अध्ययन में हमने सिर और गर्दन के कैंसर पर इन पेयों के अलग-अलग प्रभावों का विश्लेषण किया है। इसमें यह भी दिखाया गया है कि कैफीन रहित कॉफी का भी सकारात्मक असर पड़ता है। इस अध्ययन में करीब 9,550 सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों और 15,800 बिना कैंसर वाले लोगों से जुड़े 14 अलग-अलग अध्ययनों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने यह पाया कि जो लोग चार कप से अधिक कैफीनयुक्त

कॉफी पीते थे। उनके सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत कम था। इसके अलावा इन लोगों में मुंह के कैंसर का खतरा 30 प्रतिशत कम और गले के कैंसर का खतरा 22 प्रतिशत कम पाया गया। साथ ही जिन लोगों ने तीन से चार कप कैफीनयुक्त कॉफी पी थी। उनका हाइपोफरीन्जियल कैंसर (गले के निचले हिस्से का कैंसर) का खतरा 41 प्रतिशत कम हो गया। दूसरी ओर कैफीन रहित कॉफी पीने से मुंह के कैंसर का खतरा 25 प्रतिशत कम हो गया। चाय के सेवन से भी सिर, गर्दन और गले के कैंसर का खतरा कम हो सकता है। एक कप चाय पीने से सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा नौ प्रतिशत और हाइपोफरीन्जियल कैंसर का खतरा 27 प्रतिशत कम हो जाता है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि एक दिन में एक कप से ज्यादा चाय पीने से लैरिंक्स (स्वरयंत्र) के कैंसर का खतरा 38 प्रतिशत अधिक हो सकता है। शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि इस अध्ययन में जिन आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। वे मुख्य रूप से उत्तर अमेरिका और यूरोप के देशों से आए थे। इसलिए इन निष्कर्षों को अन्य देशों जैसे दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और एशिया में समान रूप से लागू नहीं किया जा सकता है, क्योंकि इन क्षेत्रों में चाय और कॉफी पीने की आदतें अलग हो सकती हैं। एमी ली ने कहा- कॉफी और चाय की आदतें हर जगह अलग-अलग हैं, और हमारे निष्कर्ष इस बात को रेखांकित करते हैं कि कैंसर के जोखिम को कम करने में चाय और कॉफी के प्रभाव पर और अधिक आंकड़ों और आगे के शोध की आवश्यकता है।

भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया, वनडे सीरीज में किया क्लीन स्वीप

वड़ोदरा (एजेंसी)। दीप्ति शर्मा (छह विकेट और नाबाद 39 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला टीम ने शुक्रवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के भारतीय टीम ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली हैं।

वेस्टइंडीज के 162 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 23 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए। स्मृति मंधाना (चार) और हरलीन देओल (एक) रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद प्रतिका रावल और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में हेली मैथ्यूज ने प्रतिका रावल (18) को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। 13वें ओवर में ऐफी फ्लेचर ने हरमनप्रीत कौर (32) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

जेमिमाह रॉड्रिग्स तथा दीप्ति शर्मा ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों

के बीच पांचवें विकेट के लिये 56 रनों की साझेदारी हुई। 25वें ओवर में करिश्मा रामहैरक ने जेमिमाह रॉड्रिग्स (29) को आउट कर साझेदारी को तोड़ा। दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए टीम को पांच विकेट से जीत दिला दी। दीप्ति शर्मा ने 48 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 39) रनों की पारी खेली।

वहीं ऋचा घोष ने 11 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए तूफानी अंदाज में (नाबाद 23)रन बनाये। भारत ने 28.2 ओवर में 167 रन बनाकर मुकाबला और 3-0 से श्रृंखला भी जीती। वेस्टइंडीज की ओर से डिएंड्रा डॉटिन, आलिया ऑलेन, हेली मैथ्यूज, करिश्मा रामहैक और ऐफी फ्लेचर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले दीप्ति शर्मा (छह विकेट) और रेणुका सिंह (चार विकेट) शानदार गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 162 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया था। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। इसके बाद शमैन कैंपबेल और शिनेल हेनरी की जोड़ी ने पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिये 91 रनों की साझेदारी हुई। 22वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने शमैन कैंपबेल (46) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 24वें ओवर में दीप्ति ने जायडा जेम्स (एक) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। 32वें ओवर में दीप्ति ने शिनेल हेनरी को आउटकर वेस्टइंडीज के बड़े स्कोर बनाने की उम्मीदों को झटका दिया।

शिनेल हेनरी ने 72 गेंदों में 5 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। आलिया ऑलेन (21), मैंडी मैंगरु (नौ), ऐफी फ्लेचर (एक) और अश्मिनी मुनिसार (चार) रन बनाकर आउट हुईं। भारतीय गेंदबाजों ने वेस्टइंडी की पूरी टीम को 38.5 ओवर में 162 रनों पर ढ़ेर कर दिया। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने छह विकेट लिये। रेणुका सिंह को चार विकेट मिले।

मेलबर्न टेस्टः 22 गेंद में गंवाए 3 विकेट, फॉलोऑन बचाने के लिए 111 रन और बनाने हैं

भारत ने 164 रन पर 5 विकेट गंवाए

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के तहत चौथा टेस्ट बॉक्सिंग डे के रूप में खेला जा रहा है। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 311/6 के स्कोर के आगे खेलना शुरू करते हुए स्टीव स्मिथ की शतकीय पारी (197 गेंदों पर 140 रन, 13 चौके और 3 छक्के) की बदौलत पहली पारी में 474 रन का मजबूत स्कोर बनाया। इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने खराब शुरूआत के बाद वापसी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 164 रन बनाते हुए दूसरे दिन की समाप्ति की। भारत अभी भी 310 रन पीछे है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में भारतीय टीम पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। टीम ने शुक्रवार को स्टंप्स तक 164 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए हैं। ऋषभ पंत 6 और रवींद्र जडेजा 4 रन पर नाबाद लौटे हैं। भारत को फॉलोऑन बचाने के लिए 111 रन और बनाने हैं। इस मैच का फॉलोऑन मार्क 275 रन है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 474 रन बनाए हैं।

भारत ने बल्लेबाजी ऑर्डर में बदलाव किया और यशस्वी जायसवाल के साथ रोहित शर्मा ओपनिंग पर उतरे। लेकिन यह फैसला गलत साबित हुआ और रोहित (3) सस्ते में पवेलियन लौट गए। वह कमिंस की गेंद पर बोलैंड को कैच थमा बैठे। इसके बाद केएल राहुल ने जायसवाल के साथ मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी की। यह साझेदारी केएल राहुल के विकेट से समाप्त हुई जो कमिंस की गेंद पर बोल्ड हुए। उन्होंने 42 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 24 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 118 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्के की मदद से 82 रन बनाए और कमिंस तथा कैरी के हाथों रन आउट हो गए। उनके बाद कोहली (36)

बोलेंड की गेंद पर कमिंस के हाथों कैच आउट हो गए। पिछले मैच में भारत को फॉलोऑन से बचाने वाले आकाशदीप ने 13 गेंदें खेली लेकिन बिना खाता खोले बोलेंड की गेंद पर लियोन के हाथों कैच आउट हो गए।

पहला दिन

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 311 रन बनाते हुए पहले दिन की समाप्ति की। स्टंप्स तक स्टीव स्मिथ 68 रन बनाकर पैट कमिंस (8) के साथ क्रीज पर मौजूद रहे। उस्मान ख्वाजा (57), सैम कॉन्स्टास (60) और मार्नस लाबुशाने (72) की अर्धशतकीय पारियों के बाद स्मिथ ने भी अर्धशतक लगा दिया है। वहीं इस बार ट्रेविस हेड को भारतीय गेंदबाजों ने अपना प्रदर्शन शुरू करने से पहले ही आउट कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी उस्मान ख्वाजा और सैम कॉन्स्टास की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 89रनों की साझेदारी की। 20वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने सैम कॉन्स्टास को पगबाधा आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कॉन्स्टास ने 65 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए पदार्पण टेस्ट में अपना पहला अर्धशतक बनाते हुए (60)रनों की पारी खेली।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्नसन लाबुशेन ने उस्मान ख्वाज के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिए 65 रनों की साझेदारी हुई। 45वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। उस्मान ख्वाजा ने 121 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (57)रन बनाए। इसके बाद मार्नसन लाबुशेन (145 गेंदों पर 72 रन और 7 चौके) सुंदर की गेंद पर कोहली के हाथों कैच आउट हुए। भारत के लिए बड़ा खतरा साबित होने वाले ट्रेविड हेड क्रीज पर पैर जमाने से पहली ही 7 गेंदों पर बिना खाता खोले बुमराह के हाथों बोल्ड हो गए। मार्श 4 रन बनाकर बुमराह का शिकार बने जबकि आकाशदीप ने एलेक्स केरी को 31 रन पर पंत के हाथों कैच आउट करवाया।

प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलिया -उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

भारत - यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप

मैदान में घुसा फैन, विराट से मिला

फैंस ने कोहली के खिलाफ हूटिंग की, खुद को बोल्ड होते देखते रहे स्मिथ

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के मेलबर्न टेस्ट में मजबूत स्थिती में पहुंच गई है। भारत पर फॉलोऑन बचाने का खतरा मंडरा रहा है। शुक्रवार को दूसरे दिन स्टंप्स तक भारत ने पहली पारी में 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए। टीम अभी भी ऑस्ट्रेलियाई टीम से 310 रन से पीछे है। कंगारू टीम पहली पारी में 474 रन पर ऑलआउट हुई।मैच के दूसरे दिन भी कुछ इंटरेस्टिंग मोमेंट्स देखने के मिले। जैसे मैच को शुरू हुए अभी एक घंटा भी नहीं हुआ था कि एक फैन मैदान में घुस आया, उसने विराट कोहली के कंधे पर हाथ रखकर बातचीत भी की। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ अजीब तरह से बोल्ड हो गए।

विराट के आउट होने पर फैंस ने हूटिंग की

विराट कोहली जब आउट होकर मैदान से बाहर जा रहे थे तो ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों ने उनके खिलाफ हूटिंग की। विराट कोहली जैसे ही पवेलियन के अंदर जाने लगे तो उन्हें फैंस ने कुछ कहा जो कोहली को बुरा लग गया। इसके बाद विराट कोहली बाहर वापस आए और लोगों से बहस करने लगे। बाद में वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड ने बीच-बचाव किया और विराट को अंदर ले गए।

विराट कोहली मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में 36 रन ही बना सके। उन्हें स्कॉट बोलैंड ने विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराया।

जिमी एंडरसन की ऑल टाइम प्लेइंग-11 में पाकिस्तान का एक भी क्रिकेटर नहीं

दुबई (एजेंसी)। दुनिया के महान गेंदबाजों में शुमार इंग्लैंड के पूर्व पेसर जेम्स एंडरसन ने अपनी टेस्ट इतिहास की सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग-11 चुनी है। टीम में पाकिस्तान का एक भी क्रिकेटर नहीं है। इसी तरह श्रीलंका के क्रिकेटर्स को भी एंडरसन ने वरीयता नहीं दी है। एंडरसन की इस टीम में तीन एक्टिव क्रिकेटर्स हैं, जिनमें से दो भारतीय हैं।

मुरलीधरन नहीं, वॉर्न को जगह

सबसे ज्यादा 800 टेस्ट विकेट लेने वाले श्रीलंकाई दिग्गज मुथैया मुरलीधरन को एंडरसन ने अपनी इस टीम में नहीं चुना। उनकी जगह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न को वरीयता दी है। वॉर्न के नाम 705 विकेट हैं। एंडरसन के दो तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा और डेल स्टेन हैं।

प्लेइंग 11 में 4 भारतीय

एंडरसन की टीम में विराट कोहली और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दो एक्टिव भारतीय क्रिकेटर्स हैं। इसके अलावा उन्होंने पूर्व विस्फोटक भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग और सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले महान सचिन तेंदुलकर के रूप में 2 अन्य भारतीयों को भी चुना है।

एंडरसन की ऑल टाइम प्लेइंग 11

एलेस्टेयर कुक (इंग्लैंड) -सलामी बल्लेबाज कुक होते जोकि इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाजों में से एक रहे।
वीरेंद्र सहवाग (भारत)- सहवाग का टेस्ट फार्मेट में बतौर ओपनर स्ट्राइक रेट अच्छा है। इसलिए उन्हें जगह मिली।
विराट कोहली (भारत)- नंबर तीन पर विराट कोहली से बढ़िया कोई क्रिकेटर नहीं।
जो रूट (इंग्लैंड)-भरोसेमंद बल्लेबाज। मध्यक्रम को थाम सकते हैं
सचिन तेंदुलकर (भारत)- क्रिकेट के भगवान के नाम से मशहूर तेंदुलकर को 5वें स्थान पर जगह दी गई है।
एंड्रयू फ्लिंटॉफ (इंग्लैंड)-ऑलराउंडर के तौर पर फ्लिंटॉफ को फिट किया है।
ऋषभ पंत (भारत)- विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे। आक्रामक खेल के लिए जाने जाते हैं।
शेन वॉर्न (ऑस्ट्रेलिया)- दिग्गज लेग स्पिनर शेन वॉर्न स्पिन खेमा संभालते।
स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड)- अपने पूर्व साथी स्टुअर्ट ब्रॉड को एंडरसन ने फेवरेट प्लेइंग 11 में भी चुना। ब्रॉड टेस्ट में 600 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं।
ग्लेन मैकग्रा (ऑस्ट्रेलिया)-ऑस्ट्रेलिया के महानतम गेंदबाज। सटीक लाइन और

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का निधन, सम्मान में काली पट्टी बांधकर उतरे भारतीय खिलाड़ी

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में भारतीय महिला और पुरुष क्रिकेट टीम के खिलाड़ी शुक्रवार को अपने-अपने मैचों में बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान पर उतरे। भारत के आर्थिक सुधारों के जनक मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में बृहस्पतिवार रात को दिल्ली में निधन हो गया। वह 2004-14 के दौरान भारत के प्रधानमंत्री थे।

उन्हें 1991 में भारत के आर्थिक उदारीकरण के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली पुरुष टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में चौथा टेस्ट मैच खेल रही है। भारतीय महिला टीम वडोदरा में तीन मैचों की श्रृंखला के आखिरी वनडे में वेस्टइंडीज का सामना कर रही है।

'वह एक बड़ी घटना थी', यशस्वी जायसवाल के रन आउट पर आया स्टीव स्मिथ का बयान

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी नायक स्टीव स्मिथ ने कहा कि भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में शुक्रवार को यशस्वी जयसवाल के रन आउट होने का बड़ा असर पड़ेगा क्योंकि इससे शानदार बल्लेबाजी कर रहे विराट कोहली की एकाग्रता भी प्रभावित हुई। जायसवाल ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन 118 गेंद की अपनी धाराप्रवाह पारी में 82 रन बनाए। उन्होंने कोहली (36) के साथ गफलत का शिकार होकर रन आउट होने से पहले तीसरे विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी कर मैच में भारत की वापसी की नींव रखी थी।

स्मिथ से जब जायसवाल के रन आउट होने के बाद कोहली के विकेट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'वह (कोहली) आज वास्तव में अनुशासित थे, वह अच्छे से अपने शॉट खेल रहे थे। वह शरीर पर आने वाली गेंदों को लेग साइड में खेलकर रन बना रहे थे। उन्होंने शॉट गेंदों का भी डटकर सामना किया। इससे पहले स्मिथ की 140 रन (श्रृंखला में उनका लगातार दूसरा शतक) की पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन बनाए और फिर भारत को 164 रन पर पांच विकेट लेकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया।

स्मिथ ने कहा, 'ऐसा लगा कि जायसवाल ने रन लेने के लिए

कहा लेकिन विराट ने उन्हें वापस भेज दिया। मैंने इससे ज्यादा कुछ नहीं देखा। टेस्ट में अपना 34वां शतक पूरा करने वाले इस बल्लेबाज ने कहा, 'इस साझेदारी को तोड़ना जाहिर तौर पर हमारे लिए अच्छा रहा। इसके बाद हमें दो और विकेट मिलें। हमारे लिए आखिरी घंटा शानदार रहा। मुझे लगता है कि आज के दिन के संदर्भ में वह (रन आउट) एक बड़ी घटना थी।

रोहित सिडनी टेस्ट से पहले खुद बाहर होंगे या बड़े फैसले का इंतजार करेंगे?

मेलबर्न (एजेंसी)। एक बार फिर रोहित शर्मा सस्ते में आउट हुए और फिर उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगनी शुरू हो गई जो लाजमी भी हैं। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा, 'उसके लिए कठिन समय है। अभी दूसरी पारी और सिडनी टेस्ट की दो पारियां बाकी है। इन तीनों पारियों में अगर वह रन नहीं बनाता है तो सवाल तो उठेंगे।

पैट कमिंस की शॉर्ट गेंद पर यहां चौथे टेस्ट की पहली पारी में भारतीय कप्तान के तीन रन पर आउट होने के बाद सवाल उठने लगे हैं कि वह टेस्ट क्रिकेट से विदा कब लेंगे। राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर मेलबर्न में है और हो सकता है कि दोनों की भविष्य को लेकर बात भी हुई हो क्योंकि भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। पिछले आठ टेस्ट की 14 पारियों में 11.07 की औसत से रोहित ने सिर्फ 155 रन बनाए हैं।

एक तो वह फॉर्म में नहीं हैं और स्थिर लग रही प्रारंभिक जोड़ी में बदलाव करके टीम का संतुलन भी बिगड़ गया है। ऐसी अटकलें हैं कि अगर भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाता है तो सिडनी उनके करियर का आखिरी टेस्ट होगा। लेकिन क्या रोहित टीम के लिए सिडनी टेस्ट से खुद को बाहर रखकर फॉर्म में चल रहे केएल राहुल को यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करने देंगे।

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आईपीएल में अपने खेलने के दिनों में एक बार खुद को बाहर कर दिया था। अगर रविचंद्रन अश्विन को यह जताकर संन्यास लेने के लिए विवश किया जाता है कि वह विदेश में पहली पसंद के दो स्पिनरों में से नहीं हैं तो क्या भारतीय कप्तान को यह नहीं बताना चाहिए कि वह टेस्ट में शीर्ष छह में नहीं हैं जिनकी जगह टीम में पक्की है।

सात सप्ताह बाद वनडे प्रारूप में चैम्पियंस ट्रॉफी खेली जानी है और वनडे में रोहित का कोई सानी नहीं। मौजूदा खराब फॉर्म से उनका मनोबल गिरा होगा लेकिन अगर टेस्ट की जिम्मेदारी हट जाती है तो वह खुलकर खेल सकेंगे। रोहित और विराट कोहली दोनों ही खराब फॉर्म में हैं लेकिन अंतर इतना है कि क्रीज पर दोनों कैसे दिखते हैं। कोहली को देखकर अभी भी लगता है कि वह जल्दी ही बड़ी पारी खेलेंगे और पर्थ में उन्होंने शतक जमाया भी। एमसीजी पर भी दूसरे दिन वह आत्मविश्वास से भरे दिख रहे थे।

दूसरी ओर रोहित आसानी से विकेट गंवाते आए हैं। यहां बहुत ही खराब शॉट खेलकर वह पवेलियन लौटे। बतौर कप्तान भी अभी तक इस श्रृंखला में उन्होंने बहुत प्रभावित नहीं किया है। लिहाजा कप्तान को जल्दी ही फैसला लेना होगा। शायद उनकी टीम इसका इंतजार कर रही है।